सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

शनिवार, 06 जून, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 152, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 117 अंकों की गिरावट

मौद्रिक नीति घोषणाओं के बीच शेयर बाजारों में मुनाफावसूली होने से गिरावट आई और सेंसेक्स 117 अंक टूट गया जबकि एनएसई निफ्टी 49 .85 अंक नुकसान में रहा। } 10

अंतिम चरण में स्मार्ट बॉर्डर परियोजना : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा में लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार की स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। } 12

तीन लाख करोड़ का निवेश करेगी एयरट्रंक

पीएम मोदी से एयरट्रंक के सीईओ रॉबिन ने की मुलाकात

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी एयरट्रंक ने 2030 तक भारत में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बनाई है। इस निवेश का मकसद भारत की डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षमता को समर्थन देते हुए देश को वैश्विक विकास रणनीति के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एयरट्रंक के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉबिन खुदा से मुलाकात के बाद शुक्रवार को घोषणा की कि एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया की प्रौद्योगिकी कंपनी एयरट्रंक भारत में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी और पांच गीगावाट क्षमता का डेटा सेंटर विकसित करेगी।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा भारत की डिजिटल बुनियादी ढांचा यात्रा उल्लेखनीय गति पकड़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये (30 अरब डॉलर) का निवेश करने और पांच गीगावाट क्षमता का डेटा सेंटर विकसित करने की योजना की घोषणा की है। यह देश के डिजिटल बुनियादी ढांचा परिवेश में प्रस्तावित सबसे बड़े निवेश में से एक है। मोदी ने कहा कि इस तरह के निवेश से क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई (कृत्रिम मेधा) के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी। साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को ...शेष पृष्ठ 10 पर

कच्चे तेल के झटकों के बीच आरबीआई ने रेपो दर को रखा बरकरार

❍ रुपये को समर्थन देने के लिए कई उपायों की घोषणा ❍ जीडीपी वृद्धि के अनुमान को घटाकर 6.6 प्रतिशत किया

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को उम्मीद के मुताबिक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसके साथ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्या के कारण वृद्धि और मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के बीच विदेशी पूंजी आकर्षित करने और रुपये को समर्थन देने के लिए कई उपायों की घोषणा की।

आरबीआई ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.6 प्रतिशत और खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त में बदलाव की संभावना नहीं है। रुपये को समर्थन देने के उपायों में सरकारी प्रतिभूतियों में पात्र विदेशी निवेशकों के लिए ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर करों को समाप्त करना, प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशी मुद्रा जमा को लेकर रियायती शर्तों की पेशकश और चुनिंदा विदेशी कर्ज के लिए जोखिम कम करने को लेकर लागत पर सब्सिडी देना शामिल है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिये

गये निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, मौजूदा आर्थिक परिवेश को देखते हुए एमपीसी ने आम सहमति ने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने तटस्थ रुख को कायम रखा गया है। मल्होत्रा ने कहा कि भारत ने पिछले संकट की तुलना में मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ वैश्विक उथल-पुथल के ताजा दौर में प्रवेश किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बढ़ते वैश्विक तनाव, वस्तुओं की ऊंची कीमतें और आपूर्ति में समस्या आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा एमपीसी ने पाया कि वैश्विक परिवेश खराब हुआ है। ऐसे में समिति ने स्थिति स्पष्ट होने तक प्रतीक्षा करने का फैसला किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव अब भी कम है, लेकिन आगाह किया कि बढ़ती लागत का असर महंगाई पर पड़ सकता है। शीर्ष बैंक ने सामान्य से कम मानसून के अनुमान और अल नीनो के कारण उत्पन्न जोखिमों का भी उल्लेख किया। इससे आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। आरबीआई ने वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे माल की ऊंची कीमत को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि के अनुमान को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। पहले इसके इसके 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। यह 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से भी कम है। वहीं 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है जो पहले के 4.6 प्रतिशत से कही अधिक है। तीसरी तिमाही में कीमतों पर दबाव 5.9 प्रतिशत तक पहुंचने की आशंका है, उसके बाद इसमें कमी आने की संभावना है। मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले के 4.4 ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

पीएफआई मामला : 26 के खिलाफ आरोप तय

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कई शीर्ष नेताओं के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया, और कहा कि मामले में भारत सरकार को उखाड़ फेंकने तथा 2047 तक इस्लामी खलीफा का शासन स्थापित करने की साजिश का गंभीर संदेह है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत 25 पीएफआई सदस्यों के साथ-साथ संगठन के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने कहा, यदि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री को समग्र रूप से देखा जाए, तो यह गंभीर संदेह पैदा करती है कि आरोपियों ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और उसकी राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के माध्यम से और उनकी ओर से काम करते हुए, एक बड़ी साजिश को आगे बढ़ाने के लिए सहमति जताई और उस पर अमल किया- वह साजिश थी।

छह आईपीएस अफसरों का हुआ ट्रांसफर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को छह आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। इसमें पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस उप महानिरीक्षक अधिकारी शामिल है। गृह विभाग ने शुक्रवार को छह आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। इनमें पुलिस महानिदेशक कार्यालय से सम्बद्ध यानी प्रतीक्षारत रवि शंकर छवि को पुलिस महानिरीक्षक लोक शिकायत, महानिदेशक कार्यालय के पद पर ट्रांसफर किया गया है। यमुना प्रसाद को पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कानपुर रेंज, अशोक कुमार चतुर्थ को पुलिस उप महानिरीक्षक गोंडा और पूनम को पुलिस उप महानिरीक्षक मिजार्पुर के पद पर तैनाती मिली है।

यूपी ने पूरा किया 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

❍ विश्व पर्यावरण दिवस पर पूरे देश में चला पौध रोपण अभियान ❍ जुलाई में एक दिन में जन-सहभागिता से लगायेंगे 35 करोड़ पौधे : योगी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति व जलस्त्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया व स्मगलरों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सजग नागरिकों का दायित्व है कि मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प भी दिलाए। इसमें एक पेड़ मां के नाम लगाना, शरारती तत्वों व जीव-जंतुओं से पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाना शामिल है। सीएम ने कटाक्ष किया कोई टोंटी चोरी कर रहा है, कोई पानी बर्बाद कर रहा है, ऐसे लोगों को टोकें। जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं, कोशिश हो कि पानी व्यर्थ न हो। सीएम योगी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों को चॉकलेट दीं और आमजन को कपड़े के झोले देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने बच्चों के साथ सेल्फी ली और वृक्ष कलश में जल भी अर्पित किया। अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है यानी जीवन चक्र एक-दूसरे के साथ जुड़ा है। फिर भी हमने इसकी सर्वाधिक उपेक्षा की। 40 से ऊपर हर व्यक्ति महसूस करता है कि पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को दुनिया किस रूप में चुका रही है। 25 वर्ष पहले और वर्तमान मौसम चक्र में एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया। भारत व उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है। मौसम चक्र में अंतर से सर्वाधिक प्रभावित किसान होगा। उसकी आमदनी प्रभावित होगी, अतिवृष्टि-अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा। खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। असमय घटित होने वाली आपदाएं चेतावनी भी हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमारे पूर्वजों व ऋषि परंपरा ने पर्यावरण के प्रति आगाह किया था। हम खुद को धरती मां का पुत्र कहते हैं। लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम ने लक्ष्मण जी से कहा अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। अर्थात लंका भले ही सोने की क्यों न हो, लेकिन मुझे यह अच्छी नहीं लगती। जिस मां ने जन्म दिया है, जहां हमने जन्म लिया है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन और कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व होना चाहिए। मां व मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। भगवान राम की कही गई बातें आज भी हर भारतीय के लिए प्रासंगिक हैं। सीएम योगी ने कहा कि भौतिक उपलब्धियां क्षणिक हैं। इनकी उपलब्धि तभी तक हैं, जब तक आप निरोग होकर आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के ग्रंथों का अवलोकन करें। भारत की परंपरा में हर जीव-जंतु के प्रति हमारे संबंध जोड़े गए हैं। भगवान शंकर के गले में सर्प और सवारी नंदी है। कार्तिकेय की सवारी मोर, गणपति की मूषक और मां भगवती की सवारी शेर है। हर कालखंड में बैल की पूजा और गोमाता को मान्यता दी गई है। वे कृषि प्रधान व्यवस्था का आधार हैं। सर्प को किसान ...शेष पृष्ठ 10 पर

❍ कोई टोंटी चोरी कर रहा, कोई पानी बहा रहा, ऐसे लोगों को टोकें

मजबूत और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में उभरा भारत : राजनाथ

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत अब कमजोर भारत नहीं रहा बल्कि एक मजबूत और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में उभरा है। सिंह ने यहां विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊछावनी स्थित कस्तूरबा पार्क में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। रक्षा मंत्री अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण का ...शेष पृष्ठ 10 पर

प्रकृति व प्रगति के संतुलन से सुरक्षित होगा भविष्य

पर्यावरण दिवस पर धामी ने दिया संरक्षण व सतत विकास का संदेश

प्रमुख संवाददाता

भीमताल (नैनीताल)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पर्यावरणीय संरक्षण को मानव जीवन, विकास और भविष्य की सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित किए बिना सतत विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए शासन, प्रशासन और समाज को मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान उसकी प्राकृतिक संपदा से निर्मित हुई है। हिमालय, नदियां, झीलें, वन संपदा और जैव विविधता राज्य की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके संरक्षण के बिना विकास का कोई भी मॉडल अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के बीच प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जल संरक्षण, स्वच्छता, ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक के उपयोग में कमी और वृक्षारोपण जैसे प्रयास पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। हमारी परंपराएं हमें प्राकृतिक ...शेष पृष्ठ 10 पर

नीट पेपर में आरोपी मनीषा वाघमारे का हाथ : सीबीआई

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत को सूचित किया कि नीट पेपर लीक मामले में आरोपी मनीषा संजय वाघमारे ने छात्रों को पैसों के बदले प्रश्न पत्र वितरित किए थे।

एजेंसी ने वाघमारे की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के समक्ष ये दलीलें पेश कीं। न्यायाधीश ने याचिका पर फैसला 9 जून के लिए सुरक्षित रख लिया। सीबीआई द्वारा जमानत याचिका का विरोध करने के बाद, न्यायाधीश ने एजेंसी की ओर से पेश अभियोजक से पूछा कि क्या उसने कथित तौर पर पैसे के बदले छात्रों को लीक हुए प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए थे। अभियोजक ने कहा उसने छात्रों को भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के प्रश्नपत्र दिए, हमारे पास छात्रों के बयान हैं कि उन्होंने लीक हुए प्रश्नपत्रों के बदले पैसे दिए, वाघमारे ने प्रश्नपत्र वितरित किए। आरोपी के वकील ने हालांकि जमानत की मांग करते हुए कहा कि उनकी 47 वर्षीय मुवक्किल एक प्रमाणित शिक्षा परामर्शदाता है और किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं है। वकील ने दलील दी कि उसके घर से कोई नकदी बरामद नहीं हुई, ...शेष पृष्ठ 10 पर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊ के अमीनाबाद स्थित झंडेवाला पार्क में पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विराज सागर दास प्रेसिडेंट उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ, प्रेसिडेंट बीबीडी ग्रुप, प्रेसिडेंट डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन, वाइस प्रेसिडेंट, बैडमिन्टन एसोसिएशन ऑफ इण्डिया एवं चेयरमैन उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से पौधरोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्रकृति को संरक्षित रखने का संकल्प दोहराया।

विशेष खबर 2741 करोड़ की उत्तर प्रदेश स्वच्छवायु प्रबंधन परियोजना हुई लांच, विश्व बैंक के सहयोग से पोषित पहली एयर शेड आधारित परियोजना

देश का 100वां व यूपी का 13वां रामसर स्थल बना सुरहा ताल

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेश को कई बड़ी सौगातें दीं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए कार्यक्रम में विश्व बैंक के सहयोग से 2741 करोड़ की लागत वाली भारत की पहली एयर शेड आधारित उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंध परियोजना की लांचिंग हुई। सीएम के सामने विश्व बैंक में एशिया क्षेत्र की प्रैक्टिस मैनेजर एन जैनेट ग्लोबर व सीईओ यूपी कैंप बी. चंद्रकला ने एमओयू का हस्तांतरण किया। सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम महाभियान का बटन दबाकर शुभारंभ किया। यूपी कैंप के लोगो व वेबसाइट का भी अनावरण किया। यूपी कैंप के कार्यों की जानकारी पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम ने उत्तर प्रदेश में 100 आर्द्रभूमि की अधिसूचना से संबंधित संकलन व वेटलैंड पोर्टल की लांचिंग की। मुख्यमंत्री ने 35 करोड़ पौधरोपण लक्ष्य के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण महाभियान- 2026 के लोगो का भी अनावरण किया। सीएम ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के शुभंकर का भी अनावरण किया। इस दौरान श्रावस्ती स्थित गुलरा (केन नाला) को बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट के रूप में विकसित किए जाने की ...शेष पृष्ठ 10 पर

प्रदेश में और मजबूत होगा आपदा चेतावनी तंत्र

लखनऊ। मानसून-2026 के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने की दिशा में प्रदेश में आपदा पूर्व चेतावनी तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके तहत 450 ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन, 2000 ऑटोमैटिक रेन गेज और 5 डॉप्लर वेदर रडार की स्थापना की जा रही है।

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण एवं भारतीय सेना मुख्यालय मध्य कमान के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को लखनऊ स्थित सूर्या ऑडिटोरियम में बाढ़ एवं बाढ़ से सम्बन्धित आपदाएं विषय पर राष्ट्रीय स्तर की नागरिक-सैन्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर ...शेष पृष्ठ 10 पर

केरल में भारी बारिश व तेज हवाओं से संपत्ति, वाहनों को नुकसान

तिरुवनंतपुरम। केरल के कई हिस्सों में शुक्रवार को भारी बारिश एवं तेज हवाओं का दौर जारी रहा, जिसकी वजह से कई स्थानों पर पेड़ों की शाखाएं टूटकर गिर गईं तथा वाहनों एवं संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज के लिए राज्य के आठ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सप्ताहांत के दौरान और अधिक भारी बारिश होने की आशंका को देखते हुए मौसम विभाग ने शनिवार के लिए पांच जिलों

माफिया को चुनकर भेजेंगे तो गरीबों का खून चूसेगा : सीएम

अच्छे जनप्रतिनिधियों से बहती है विकास की धारा, बेटी या व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को छोड़ेंगे नहीं

जिला संवाददाता (vol)

- बलरामपुर में 300 करोड़ से अधिक की योजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

लखनऊ/बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास की प्रक्रिया तब आगे बढ़ती है, जब जनता अच्छे लोगों को चुनती है। माफिया को चुनकर भेजोगे तो गरीबों का खून चूसेगा। हमने माफिया को तबाह किया, उसकी जमीनों पर गरीबों के लिए मकान बना रहे हैं। डबल इंजन की सरकार डबल स्पीड के साथ काम कर रही है। किसान, व्यापारी, महिला को सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। आज हर जनपद विकास की मुख्यधारा से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलरामपुर के मध्यनगर बिलोहा में शुक्रवार को 300 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण व अन्य शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया गया। सीएम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। उन्होंने प्रगति के पथ पर अग्रसर बलरामपुर के विकास मॉडल पर जनता से सीधा संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से नौ वर्ष पूर्व बलरामपुर में जब भी दुर्गा पूजा होती थी, पचपेड़वा, गैसड़ी, बलरामपुर, उतरौला आदि जगहों पर दंगे होते थे। मुझे गोरखपुर से आकर लोगों की मदद करनी पड़ती थी। आज उत्तर प्रदेश के 75 जनपद, 350 तहसीलें और 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतें दंगामुक्त हैं। विकास की प्रक्रिया के साथ प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। बलरामपुर के लोग 2017 से पहले कहीं जाते थे तो पहचान का संकट था।

लोग माफिया से जोड़कर देखते थे। लेकिन, माफिया आज मिट्टी में मिल गए, कोई पहचान का संकट नहीं। आज बाहर जाएं और कहें कि आप यूपी से हैं तो आपको पूरा सम्मान मिलेगा।

बलरामपुर में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास/लोकार्पण

कुल परियोजनाएं : 126	लोकार्पण की योजनाओं की लागत : 301.50 करोड़
लोकार्पण : 89	शिलान्यास वाली योजनाओं की लागत : 90.75 करोड
शिलान्यास : 37	
कुल लागत : 392.25 करोड़	

अब किसी गरीब का राशन नहीं खा सकता है माफिया : मुख्यमंत्री ने कहा कि याद करिए 2017 के पहले गरीब को राशन नहीं मिलता था। सपा के गुंडे राशन खा जाते थे। अब हर गरीब को फ्री में राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। गांवों में आय, निवास प्रमाण पत्र की भी सुविधा दी जा रही है। गरीब के उपचार के लिए आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है। एक ओर गरीब कल्याणकारी योजनाएं और दूसरी ओर विकास कार्य बढ़ाए गए। सभी सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव दिया जा रहा है। पीएम मोदी के ह्यसबका साथ-सबका विकास विजन के तहत काम हो रहा है।

सुरक्षित माहौल में हो रहा निवेश : मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी ने बेटी या व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो फिर उसको छोड़ेंगे भी नहीं। यही सरकार की घोषित नीति है। प्रदेश के सुरक्षित माहौल में आज निवेश हो रहा है। बलरामपुर सौभाग्यशाली है कि चीनी मिल की ओर से प्लास्टिक जैसे एक मैटीरियल का निर्माण हो रहा है, जो उपयोग के बाद मिट्टी में मिल जाएगा।

देश का सबसे युवा राज्य है यूपी : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूपी की पहचान सबसे ज्यादा निवेश, रोजगार, देश के सबसे युवा राज्य के रूप में हो रही है। यूपी को अयोध्या, काशी, मां पाटेश्वरी, मां शाकम्भरी, नैमिषारण्य, श्रावस्ती, जैन तीर्थंकरों की भूमि के रूप में नई पहचान मिल रही है। यह सम्मान आपको इसलिए मिल रहा है, क्योंकि आपने अच्छे जनप्रतिनिधियों को चुनकर भेजा है। आपने कैलाशनाथ शुक्ला, राम प्रताप वर्मा, पलटूराम को जिताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैं गैसड़ी और तुलसीपुर विधानसभा के बॉर्डर पर आया हूं। मैं 2007 में तुलसीपुर आया था, तब मांग हो रही थी कि मथुरा घाट में राप्ती नदी पर पुल बने। जैसे ही आपने कैलाश नाथ शुक्ला को तुलसीपुर से विधायक बनाया, मथुरा घाट पर भी पुल की स्वीकृति मिल चुकी है। तुलसीपुर और बलरामपुर में विकास हो रहा है। गैसड़ी में शैलेंद्र सिंह शैलू विधायक होते तो तेजी से विकास लाते। अच्छे लोग चुनेंगे तो अच्छे परिणाम आएंगे। जब आप परिवारवाद से ऊपर उठे और सत्ता परिवर्तन किया तो सरकार ने गरीब को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा। विकास, सुरक्षा व सुशासन दिया। विश्वविद्यालय दिया, गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप दी।

बलरामपुर की उपलब्धियां और पर्यावरण संरक्षण का संदेश : मुख्यमंत्री ने बलरामपुर की उपलब्धियों के साथ पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रेरित करता है कि जल है तो कल है। अगर हम जलस्रोत गंदा करते हैं या वन की कटान करते हैं तो पर्यावरण की क्षति होती है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की कीमत मानव को चुकानी होगी। आज तुलसीपुर को 300 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

नौ वर्ष पूर्व यह आकांक्षात्मक जनपद था। नीति आयोग के मानकों में देश के सबसे पिछड़े जनपदों में यह जिला था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने डबल स्पीड से काम किया तो यह जनपद विकसित होने की ओर तेजी से बढ़ा है। सीएम योगी ने कहा कि एक समय बलरामपुर में बिजली, सड़क, सरयू राष्ट्रीय परियोजना, मेडिकल कालेज या हर घर नल योजना साकार होने के बारे में कोई सोच नहीं सकता था। किसी ने थारू संग्रहालय या मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बनाने की बात नहीं सोची होगी। हमने मां पाटेश्वरी के नाम पर विश्वविद्यालय बनाया। अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर मेडिकल कालेज का निर्माण और नानाजी देशमुख की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखते हुए थारू संग्रहालय बनाया। वनटांगिया गांवों के लोगों को आवासीय या जमीन के पट्टे देकर नागरिकता दी। आज थारू जनजाति के लोगों के पास अपना मकान और बच्चों के लिए स्कूल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष सर्वाधिक नामांकन बलरामपुर में हुए हैं। यह शुभ लक्षण है। सीमावर्ती जनपद होने के नाते, विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से बढ़ रहा बलरामपुर विकास का मॉडल बन रहा है।

पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी : सीएम

विशेष संवाददाता (vol)

- सबके लिए सबसे प्यारी होती है मां, हर नागरिक अवश्य लगाये एक पेड़ मां के नाम
- मुख्यमंत्री ने कुकरैल में एक पेड़ मां के नाम महाभियान का किया शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आम का पौधा लगाकर सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी, प्रकृति बचेगी तो जीव सृष्टि भी बचेगी, इसलिए हर नागरिक मातृभूमि के प्रति ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कुकरैल रेंज अवध वन प्रभाग में एक पेड़ मां के नाम महाभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां कपूर का पौधा लगाया, जबकि वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना ने आंवला, वन राज्यमंत्री केपी मलिक ने नीम तथा विधायक ओपी श्रीवास्तव ने आंवला का पौधा रोपित किया। मुख्यमंत्री ने यहां महर्षि चरक औषधि वन की भी स्थापना की। सीएम की उपस्थिति में एक साथ 200 से अधिक पौधे लगाए गए।

मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों के साथ सेल्फी भी ली और मिष्ठान वितरित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पीएम मोदी ने देशवासियों के सामने लक्ष्य रखा कि नागरिक के रूप में मां व मातृभूमि के प्रति हमारा दायित्व बनता है। इसीलिए उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की थीम मां को समर्पित की। हर व्यक्ति के लिए मां सबसे प्यारी होती है, इसलिए दायित्वों का निर्वहन करते हुए हर व्यक्ति मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाकर इस अभियान को आगे बढ़ाए। शहर-गांव के फॉरेस्ट को विकसित करे। वन विभाग ने 50 करोड़ से अधिक पौधे तैयार किए हैं।

आज 5 करोड़ पौधरोपण लक्ष्य के साथ यह कार्यक्रम बढ़ रहा है। सीएम ने कहा कि विश्व आज पर्यावरण की गंभीर चिंता से ग्रसित है। हर व्यक्ति जानता है कि पर्यावरण की चुनौती केवल प्रकृति की ही नहीं, बल्कि जीव सृष्टि की भी है। मौसम चक्र में आए परिवर्तन से अतिवृष्टि, अनावृष्टि आदि के कारण हम सभी इसके दुष्प्रभाव को देख रहे हैं। यह आपदा मानव निर्मित है और इस समस्या का समाधान भी मनुष्य को ही निकालना है।

एकेटीयू में हुआ वृहद पौधरोपण

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 ऐतिहासिक वर्षों की निरंतर सेवा के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश शासन की ओर से 5 से 21 जून तक सेवा भी, संस्कार भी और सम्मान भी अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस से हुई। इस अवसर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में पौधरोपण किया गया। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा विभाग डॉ. एमकेएस सुंदरम ने पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। साथ ही प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं प्लास्टिक मुक्त परिसर अभियान की जागरूकता रैली का भी फीता काटा। इस दौरान कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने भी पौधा लगाकार पर्यावरण का संदेश दिया। कुलसचिव रीना सिंह के नेतृत्व में परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं छायादार पौधे लगाये गये। परिसर में बने कमल ताल में कमल लगाया गया। कार्यक्रम में वित्त अधिकारी केशव सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह, उपकुलसचिव डॉ. आरके सिंह, उपकुलसचिव डॉ. डीपी सिंह, उपकुलसचिव डॉ. आयुष श्रीवास्तव, सहा. कुलसचिव सुनील पाण्डेय, सहा. कुलसचिव सौरभ सिंह, सहा. कुलसचिव रंजीत सिंह सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्रों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

विज्ञान नगरी में पर्यावरण के प्रति फैलायी जागरूकता

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस पर आंचलिक विज्ञान नगरी शुक्रवार को छात्रों के बीच पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम में 200 छात्रों और आम लोगों ने हिस्सा लिया। ग्रेसियस ग्लोरी इनोवेटिव एजुकेशन फाउंडेशन की फाउंडर शिखा राज ने विज्ञान पर व्याख्यान दिया। सुश्री राज ने एक प्रतिज्ञा गतिविधि भी करायी, जिसमें छात्रों ने पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को स्टिकी नोट्स पर लिखा और उन्हें एक प्रतिज्ञा दीवार पर लगाया। पौधारोपण में शिखा राज, स्वरूप मंडल, छात्रों और आंचलिक विज्ञान नगरी के कर्मचारियों ने भाग लिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर ब्लॉक व समिति पर किया पौधरोपण: वीरेंद्र प्रताप

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान को पूरे देश व प्रदेश में शुभारंभ किया गया है वहीं सहकारिता विभाग द्वारा यह अभियान अपने सभी बहुउद्देशीय सहकारी समितियों पर पूरा किया जा रहा है। क्षेत्र के देवरी भारत में स्थित बहुउद्देशीय सहकारी समिति पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश जिला सहकारी बैंक एसोशिएशन प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने एक पेड़ मां के नाम का पौधरोपण किया। साथ में पार्टी द्वारा द्वारा विकास खण्ड कार्यालय पर भी पौधरोपण कर अभियान आगे बढ़ाया। विकास खण्ड कार्यालय पर खड़ विकास अधिकारी सर्जना शुक्ल ने एक पेड़ मां के नाम से वृक्षारोपण कार्य किया। वहीं समिति पर जिला महा प्रबंधक आवेश मौर्य, उप महाप्रबंधक धर्मेंद्र यादव, शाखा प्रबंधक सर्वेश यादव अध्यक्ष बी पैक्स संजय कुमार सिंह, सचिव बीरपाल सिंह सहित सभी ने एक एक पेड़ लगाया।

110 वार्डों में चला विशेष सफाई और पौधरोपण कार्यक्रम

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के निर्देशन में नगर निगम की ओर से शुक्रवार को पूरे शहर में व्यापक स्तर पर मेगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगर निगम के सभी 110 वार्डों में विशेष सफाई अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें संबंधित वार्डों के पार्षदों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस महाअभियान में समस्त जोनल अधिकारियों एवं जोनल सेनेटरी अधिकारियों के नेतृत्व में लखनऊ नगर निगम, लखनऊ स्वच्छता अभियान तथा लायन एनवायरो की आईईसी टीमों ने सक्रिय रूप से कार्य किया। साथ ही सभी 110 वार्डों में नियुक्त नोडल अधिकारियों द्वारा संबंधित पार्षदों के सहयोग से विशेष सफाई एवं वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुड़ियाघाट पर माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में मेगा क्लीनलिनेस ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना रहे। इस अवसर पर गोमती नदी की स्वच्छता एवं संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नदी सफाई कार्य में उपयोग की जाने वाली नावों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही नदी की नियमित सफाई एवं कचरा निष्पादन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। लखनऊ स्वच्छता अभियान की आईईसी टीम की ओर से जोन-7 के सेक्टर-5 स्थित पार्क में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। पार्क परिसर की सफाई के साथ नागरिकों को कचरा पृथक्करण, कचरे के चार प्रकार तथा पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूक किया गया। जोन-4 के वार्ड-100 में आईईसी एवं ऑपरेशन टीम की ओर से विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। इस दौरान सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा शहर को स्वच्छ एवं हरित बनाने की शपथ ली। जोन-1 के जियामऊ क्षेत्र में स्वच्छता एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। भिटौली एमआरएफ परिसर में 50 से अधिक पौधों का रोपण किया गया।

पर्यावरण संरक्षण की शपथ, पौधरोपण को बढ़ावा देने का संदेश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। हर साल पांच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस शुक्रवार को केवल जागरूकता का अवसर नहीं रह गया है, बल्कि यह इस बात की चेतावनी बन चुका है कि जलवायु परिवर्तन अब हमारे रोजमर्रा के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। दुनिया भर में बढ़ते तापमान, प्रदूषण, बाढ़, सूखा और तूफान, चरम मौसम जैसी घटनाएं लोगों के घर, रोजगार और स्वास्थ्य को लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं। इसके चलते विभिन्न संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण की शपथ, पौधारोपण के लिए जागरूकता लगायी गयी।

उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। अयोध्या, वाराणसी, सुलतानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़ सहित मंडल के विभिन्न रेलवे परिसरों में शपथ ग्रहण एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल रेल प्रबंधक श्री सुनील कुमार वर्मा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक नीलिमा सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक शूरवीर सिंह चौहान, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक समर्थ गुप्ता सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण भी किया।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के निर्देशन में तथा वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/फ्रेट एवं डीएम, ईएनएचएम महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में लखनऊ मण्डल के प्रमुख स्टेशनों, कोचिंग डिपो, आरओएच डिपो तथा रेलवे चिकित्सालय परिसर में वृहद पौधारोपण अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। लखनऊ जं. पर कैबवे पर स्थित पार्क में मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने एक पेड़ मॉ के नाम के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकान्त के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि एक पेड़ माँ के नाम भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक जन-अभियान है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को मातृत्व के सम्मान से जोड़ते हुए वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाना है। कार्यक्रम में विभाग के डा. संतोष कुमार, डा. आनंद श्रीवास्तव, डा. अंकित कुमार ने भाग लिया।

बलरामपुर अस्पताल में एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने पौधारोपण किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। विशिष्ट अतिथि रवि रंजन, आईएएस ने कहा कि स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा वृक्षारोपण के माध्यम से हम भावी पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान कर सकते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य महानिदेशक डा. पवन कुमार अरुण, महानिदेशक (परिवार कल्याण) डा. एचडी. अग्रवाल, तथा महानिदेशक (प्रशिक्षण) डा. रंजना खरे ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में अस्पताल के निदेशक डा. विवेक गुप्ता, सीएमएस डा. हिमांशु चतुर्वेदी, एमएस डा. प्रवीण श्रीवास्तव सहित ने भी विभिन्न प्रजातियों के छायादार पौधों का रोपण किया।

गोमतीनगर स्थित राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के रेस्पिरेटरी व बायोकेमिस्ट्री विभाग ने संगोष्ठी का आयोजन किया। आयोजन अध्यक्ष डा. अजय कुमार वर्मा ने कहा कि वायु प्रदूषण वर्तमान समय में विश्व की सबसे बड़ी जनस्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन चुका है। संस्थान के निदेशक डा. सीएम सिंह ने अपने भाषण में पेड़-पौधों के संरक्षण पर बल दिया। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अरविन्द सिंह ने कहा कि हमारी बढ़ती लालच पृथ्वी और जैविक संसाधनों का दोहन कर रही है, जिसे हमें कम करना चाहिए। संस्थान के एग्जीक्यूटिव रजिस्ट्रार डा. सुब्रत चंद्रा ने कहा कि पर्यावरण दिवस को केवल आज के लिए नहीं बल्कि प्रतिदिन मनाते हुए इसका संरक्षण करना चाहिए।

हर कार्यकर्ता पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने का करेगा कार्य : पंकज

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के ऐतिहासिक, जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की गई है। 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी मंडलों में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने महराजगंज में और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने राजधानी लखनऊ में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलने का जो मार्ग देश को दिखाया है, वह आज विश्व के लिए भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, आधारभूत संरचना, कृषि, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधरोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मातृशक्ति के सम्मान और प्रकृति संरक्षण का राष्ट्रीय जनआंदोलन है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने का कार्य करेगा तथा इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 12 वर्षों में जो परिवर्तनकारी यात्रा तय की है, वह स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। भाजपा का यह अभियान केवल उपलब्धियों के प्रचार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता के साथ संवाद और सहभागिता का अभियान है। कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर सरकार की नीतियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी देंगे।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर कार्य करने वाला सामाजिक संगठन है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह प्रकृति के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन, शुद्ध जल, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनाने का संकल्प लेना चाहिए। धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और इन 12 वर्षों में जनकल्याण, सुशासन, आत्मनिर्भरता तथा गरीबों के उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं।

स्वतंत्र देव ने किया एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ जनपद की तहसील बीकेटी के ग्राम जुग्गौर स्थित सिंचाई विभाग की भूमि पर भी एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधरोपण किया, जिसमें विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम में आम, जामुन, पीपल, बरगद एवं पाकड़ सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग, विभागाध्यक्ष संदीप कुमार, प्रमुख अभियंता परियोजना अशोक कुमार, एमडी यूपीपीसीएल संतोष कुमार सिंह सहित सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

इसके बाद जलशक्ति मंत्री ने बाराबंकी स्थित नलकूप खंड परिसर में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने नवविकसित सरदार वल्लभभाई ईको पार्क, नवनिर्मित सभागार तथा केंद्रीय कार्यशाला का उद्घाटन एवं निरीक्षण कर विभागीय व्यवस्थाओं को देखा। कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति मंत्री ने ईको पार्क में रुद्राक्ष का पौधा तथा केंद्रीय कार्यशाला परिसर में हरिशंकरी (पीपल, पाकड़ एवं बरगद) का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और पौधसरोपण भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपनी माता के सम्मान में एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया।

बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की होगी जांच

दिल्ली में होटल में अग्निकांड के दृष्टिगत एलडीए ने उठाया कदम, एलडीए उपाध्यक्ष ने प्रवर्तन व अग्निशमन अधिकारियों की ज्वाइंट टीम की गठित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में होटल, गेस्ट हाउस, मॉल, अस्पताल समेत अन्य बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच होगी। दिल्ली में होटल में आग से हुये दर्दनाक हादसे के दृष्टिगत एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को प्रवर्तन व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। उन्होंने बहुमंजिला इमारतों में जांच के लिए संयुक्त टीम गठित करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा एवं सी0पी0 त्रिपाठी समेत समस्त जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि शहर में विभिन्न व्यक्तियों/संस्थाओं की ओर से होटल, गेस्ट हाउस, नर्सिंग होम, मॉल, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स आदि का संचालन किया जा रहा है। जिसके लिए प्राधिकरण द्वारा भवन मानचित्र स्वीकृत किया जाता है। वहीं, भवनों में आग से बचाव के लिए सुरक्षा मानकों की निगरानी व अनापत्ति अग्निशमन विभाग द्वारा निर्गत की जाती है। हाल ही में बहुमंजिला इमारतों में हुयी अग्नि जनित घटनाओं के दृष्टिगत यह जरूरी है कि दोनों विभाग एक साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच करें। इसे ध्यान में रखते हुए, एलडीए व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की ज्वाइंट टीम गठित की गयी है। प्रत्येक जोन में एलडीए व अग्निशमन विभाग से 01-01 अधिकारी को नामित किया गया है, जोकि बहुमंजिला भवनों में अग्निशमन व अन्य सुरक्षा सम्बंधी मानकों की जांच की कमान संभालेंगे। प्रवर्तन जोन-1 में जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी के साथ एफएसओ गोमती नगर मामचन्द्र बड़गूजर, प्रवर्तन जोन-2 में जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह के साथ एफएसओ सत्येन्द्र कुमार सिंह, प्रवर्तन जोन-3 में जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह के साथ एफएसओ सरोजनी नगर/आलमबाग धर्मपाल सिंह, प्रवर्तन जोन-4 में जोनल अधिकारी माधवेश कुमार के साथ एफएसओ बीकेटी प्रशांत कुमार, प्रवर्तन जोन-5 में जोनल अधिकारी वंदना पाण्डेय के साथ एफएसओ इंदिरा नगर कमलेन्द्र कुमार, प्रवर्तन जोन-6 एवं 7 में जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह के साथ एफएसओ हजरतगंज राम कुमार रावत एवं एफएसओ चौक पुष्पेन्द्र कुमार यादव।

निर्धारित प्रारूप में देनी होगी रिपोर्ट : एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जांच के बिन्दु व प्रारूप निर्धारित कर दिया गया है। इसी के मुताबिक जांच टीम को अपनी रिपोर्ट देनी होगी। इसमें निरीक्षण की तारीख के साथ स्थल की फोटोग्राफ लगानी होगी। एलडीए की प्रवर्तन टीम स्वीकृत मानचित्र के मुताबिक स्थल पर हुये निर्माण कार्य, पार्किंग, सेटबैक व फ्लोर आदि की जांच करेगी। अगर स्वीकृत मानचित्र के सापेक्ष निर्मित क्षेत्र में अंतर पाया जाता है तो निर्माणकर्ता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई प्रचलित की जाएगी। वहीं, अग्निशमन की टीम आग से सुरक्षा के मानकों की जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

आईटी सिटी व वेलनेस सिटी योजना में जमीनों की खरीद बिक्री पर रोक

लखनऊ। एलडीए की आईटी सिटी और वेलनेस सिटी योजना में शामिल गांवों की जमीन की अब खरीद बिक्री पर रोक लग गई है। मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद आवास विकास की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है और प्रकाशन के लिए अधिसूचना भी भेज दी गई है। अब शनिवार से दोनों योजनाओं में जमीन की खरीद बिक्री अवैध हो जाएगी। सुल्तानपुर रोड पर एलडीए किसान पथ के किनारे एलडीए करीब 1054 हेक्टेयर में आईटी सिटी योजना और वेलनेस सिटी योजना 1198 एकड़ में विकसित की जा रही है। यह लैंडपूलिंग के तहत लाई गई है। इसमें एलडीए योजना के लिए जमीन निःशुल्क ले रहा है और उसके बदले जमीन देने वालों को 25 प्रतिशत विकसित जमीन प्लॉट के रूप में दे रहा है। वहीं जो 10 एकड़ से अधिक जमीन दे रहे हैं उनको 50 प्रतिशत जमीन दी जा रही है। योजना में शामिल गांवों की जमीन की खरीद बिक्री पर रोक लगने के बाद भी लैंडपूलिंग जारी रहेगी। मगर यह जमीन का मालिक ही कर सकेगा।

विवादित जमीन का कॉमर्शियल नक्शे के लिए आवेदन

लखनऊ। आशियाना क्षेत्र में करोड़ों रुपये मूल्य के एक भूखंड का व्यावसायिक नक्शा पास कराने के प्रयास में कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। भूखंड स्वामी की ओर से एलडीए में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया गया है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना उनके नाम से एलडीए में आवेदन किया गया है, जबकि उन्होंने न तो भूमि उपयोग परिवर्तन के लिए आवेदन किया और न ही कोई शुल्क जमा कराया। सेक्टर-के, आशियाना स्थित भूखंड संख्या-709 को अपना भूखंड बताते हुए नीरज सोमानी ने एलडीए के सचिव और मुख्य नगर नियोजक को शिकायत देकर पूरे प्रकरण की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि 23 मई 2026 को समाचार पत्र में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना के जरिए उन्हें पहली बार पता चला कि उनके भूखंड का भूमि उपयोग आवासीय से व्यावसायिक करने और नक्शा स्वीकृत कराने की प्रक्रिया चल रही है। विज्ञापन देखने के बाद नीरज सोमानी ने 3 जून को एलडीए में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की।

25 महाविद्यालयों में संचालित 45 पाठ्यक्रमों को दी गयी हरी झंडी

लखनऊ। लविवि की कार्य परिषद की बैठक कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित मंथन हॉल में आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, शोध प्रशासन, शिक्षक हित, पाठ्यक्रम सुधार, महाविद्यालयों से संबंधित प्रकरणों तथा संस्थागत सुदृढ़ीकरण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव कार्य परिषद के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत हुए। विश्वविद्यालय ने शोध एवं संस्थागत परियोजनाओं के संचालन के लिए परियोजना क्रियान्वयन एवं निधि प्रबंधन से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया लागू करने को स्वीकृति दी है। इसमें परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त करने, निधि के उपयोग, खरीद प्रक्रिया, बिल भुगतान, रिपोर्टिंग, उपयोगिता प्रमाणपत्र और व्यय विवरण प्रस्तुत करने की स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित की गई है। प्रधान अन्वेषक, विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष, कुलसचिव, वित्त एवं लेखा अधिकारियों तथा संबंधित प्रशासनिक कर्मचारियों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। सीएसआर सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और फेलोशिप, प्रायोजित शोध एवं विकास, उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, आधारभूत संरचना विकास, स्टार्टअप एवं नवाचार सहयोग, संकाय विकास, चेयर प्रोफेसरशिप, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, सततता, पर्यावरण और आपदा न्यूनीकरण से जुड़े कार्यक्रम शामिल होंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता, उपयोगिता और प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए अध्ययन मंडलों में दो पुरातन छात्र, दो विद्यार्थी और एक उद्योग प्रतिनिधि को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। अध्ययन मंडल पाठ्यक्रमों की समीक्षा, संशोधन और विकास का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। इस व्यवस्था से पाठ्यक्रम निर्माण में पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव, वर्तमान विद्यार्थियों की अपेक्षाएं और उद्योग की आवश्यकताएं शामिल की जा सकेंगी। पूर्व विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत होने के कारण पाठ्यक्रमों की उपयोगिता पर व्यावहारिक सुझाव दे सकेंगे। विद्यार्थियों की भागीदारी से पढ़ाई से जुड़ी वास्तविक कठिनाइयों और अपेक्षाओं को समझने में मदद मिलेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध 25 महाविद्यालयों में संचालित 45 पाठ्यक्रमों को अनुमोदन प्रदान किया गया है। इस निर्णय से विद्यार्थियों को विविध विषयों में उच्च शिक्षा के अधिक अवसर प्राप्त होंगे और संबद्ध महाविद्यालयों की शैक्षणिक क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

कुल 169 शिक्षकों की पदोन्नति की गई, जो विश्वविद्यालय के 105 वर्षों के इतिहास में पहली बार हुआ है। इनमें 56 वरिष्ठ आचार्य, 54 आचार्य, 15 सह आचार्य तथा 44 सहायक आचार्य पद पर शिक्षक पदोन्नत किए गए।

गोमती संरक्षण अभियान का शुभारंभ नई नावों को दिखायी हरी झंडी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम की ओर से गुरुवार को कुड़िया घाट पर गोमती संरक्षण स्वच्छता अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की।

कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना जी ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण और स्वच्छ नदियां आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि गोमती नदी लखनऊ की पहचान है और इसके संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। इस अवसर पर मंत्री, महापौर, राज्यसभा सांसद, एमएलसी ने पौधारोपण किया तथा पौधों पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर उनके संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री जी ने लोगों से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। गोमती नदी की सफाई को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तैनात की गई 12 नावों व गोमती नदी की सफाई के लिए हाल ही में खरीदी गई ट्रैश स्टीमर को मंत्री जी एवं महापौर जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन नावों के माध्यम से नदी में तैरते कचरे को नियमित रूप से हटाने का कार्य किया जाएगा। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि गोमती संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान 5 जून से 25 जून तक संचालित किया जाएगा।

सीवर लाइन में दम घुटने से सफाईकर्मी की मौत

संस्था के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर, ब्लैक लिस्ट होगी

- अस्पताल पहुंचीं महापौर व नगर आयुक्त, आर्थिक सहायता का दिया आश्वासन

लखनऊ। चिनहट में शुक्रवार को सीवर लाइन की सफाई के दौरान दम घुटने से एक कर्मचारी की मौत हो गई। यहां नगर निगम के अंतर्गत सफाई कार्य चल रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्मटमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, चिनहट तिराहा फल मंडी के पास सीवर लाइन की सफाई का कार्य चार कर्मचारी कर रहे थे। इनमें ललित, लालाराम, आकाश कुमार और राजन शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, सफाई कार्य के दौरान लालाराम सीवर लाइन के दम घुटने से अंदर फंस गए। उनके साथ मौजूद कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें किसी तरह बाहर निकाला। सीवर लाइन से बाहर निकाले जाने के समय लालाराम की हालत गंभीर बताई गई। उन्हें तत्काल एम्बुलेंस की सहायता से उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा गया। बाद में उनके साथी उन्हें एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार तथा नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी चंदन अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालाराम अपने साथियों के साथ नाले के चैंबर की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान चैंबर के भीतर उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथियों एवं स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। महापौर सुषमा खर्कवाल ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पीड़ित पक्ष को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। घटना के बाद महापौर और नगर आयुक्त ने मौके पर कार्य कर रहे कर्मचारियों से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त की। जांच में सामने आया कि मसाला दरबार से चिनहट तिराहे तक नाला सफाई का कार्य एक निजी कार्यदायी संस्था के माध्यम से कराया जा रहा था। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि संबंधित कार्यदायी संस्था के साथ हुए एग्रीमेंट में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि नाला सफाई का कार्य सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरणों और सुरक्षा मानकों के साथ कराया जाएगा। संबंधित संस्था के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही कर एफआईआर दर्ज कराते हुए उसे ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

एकेटीयू के 521 छात्रों को टीसीएस में कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के छात्रों ने बड़ी सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के 521 बीटेक छात्रों की जानी-मानी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विस यानि टीसीएस में कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित कैंपस ड्राइव में इन छात्रों का चयन टीसीएस में हुआ है। चयनित छात्र कंपनी के प्राइम, डिजिटल एवं निंजा पद पर कार्यरत होंगे। प्राइम में चयनित छात्रों को 11 लाख रुपए सालाना, डिजिटल पर सात लाख तीस हजार रुपए सालाना एवं निंजा पर चयनित छात्रों को तीन लाख 60 हजार रुपए सालाना का पैकेज मिलेगा। इसके अलावा कंपनी की ओर से अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी। चयनित छात्रों को कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। विश्वविद्यालय अपने छात्रों को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। छात्रों को न केवल नई उभरती तकनीकी की ट्रेनिंग दी जा रही है बल्कि उद्योगों के एक्सपर्ट भी मार्गदर्शन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। ताकि अधिक से अधिक छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। साथ ही इंडस्ट्री की जरूरत के मुताबिक छात्रों को तैयार करने के लिए समय-समय पर विशेष इंटर्नशिप प्रोग्राम का भी आयोजन किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने जाना बलरामपुर अस्पताल की चिकित्सा का हाल

लखनऊ। महाराष्ट्र के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाशराव आबिटकर ने शुक्रवार को बलरामपुर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था का हाल जाना। दोपहर 12 बजे से निरीक्षण 45 मिनट तक चला। उन्होंने ओपीडी से लेकर विभिन्न वार्डों तक पहुंचकर व्यवस्थाओं को परखा। डाक्टरों, कर्मचारियों तथा मरीजों से बातचीत की। ओपीडी में मंत्री प्रकाशराव ने बड़ी संख्या में मौजूद मरीजों और इलाज व्यवस्था को देखा। उन्होंने पंजीकरण काउंटर, पैथोलॉजी जांच, टीकाकरण केंद्र और दवा वितरण प्रणाली देखी। इसके बाद मंत्री ने पैलिएटिव केयर वार्ड में दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों व जिरियाट्रिक वार्ड में बुजुर्ग रोगियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को देखा। अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण और उपकरणों की स्वच्छता सुनिश्चित करने वाली सेंट्रल स्टरलाइजेशन यूनिट का भी निरीक्षण किया गया। अस्पताल के कार्यवाहक निदेशक डा. विवेक गुप्ता, सीएमएस डा. हिमांशु चतुर्वेदी, एमएस डा. पीके श्रीवास्तव व ज्वाइंट डायरेक्टर विकासेंदु अग्रवाल ने अस्पताल की सेवाओं और संसाधनों की जानकारी दी। सात सौ से अधिक बेड की क्षमाता वाले बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में रोजाना नये व पुराने मरीज मिलाकर पांच से छह हजार मरीज आते हैं, जहां अधिकांश चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं।

सुएज ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुएज (वन सिटी वन ऑपरेटर) की ओर से पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक विशेष साइकिलिंग अभियान आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से नागरिकों को प्रदूषण कम करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का संदेश दिया गया।

इस साइकिलिंग अभियान में सुएज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ सपनों की उड़ान फाउंडेशन ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। यह संस्था एसिड अटैक सर्वाइवर महिलाओं के पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए कार्य करती है। उनकी भागीदारी ने कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादायक बना दिया। इसके अतिरिक्त, सुएज ने इंस्टीट्यूट फॉर वाटर एंड क्लाइमेट इनिशिएटिव के सहयोग से भरवारा एसटीपी प्लांट परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और हरित भविष्य के निर्माण में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुएज के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने कहा, ह्वविश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल संस्थाओं या सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। साइकिलिंग जैसी गतिविधियां कार्बन उत्सर्जन को कम करने का संदेश देती हैं, जबकि पौधरोपण भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। सुएज की ओर से आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य लोगों को यह समझाना था कि छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

यूपी को मिलेगी 511 मेगावाट जलविद्युत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने एक दीर्घकालिक ऊर्जा योजना को मंजूरी देते हुए राज्य के लिए बड़ी बिजली आपूर्ति व्यवस्था को हरी झंडी दे दी है। इस योजना के तहत भूटान स्थित खोरलोछू जलविद्युत स्टेशन से 511 मेगावाट जलविद्युत का आयात किया जाएगा। आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के बीच 30 वर्ष के बिजली बिक्री समझौते को स्वीकृति प्रदान की है। यह बिजली भारत-भूटान सीमा पर 6.75 रुपये प्रति यूनिट की फ्लैट दर पर उपलब्ध होगी। जानकारी के अनुसार यह परियोजना एक रणनीतिक साझेदारी के तहत विकसित की गई है, जिसमें ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 60 प्रतिशत और टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आयोग की पीठ ने कहा कि यह समझौता गर्मियों के दौरान बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही इससे यूपीपीसीएल के हाइड्रो परचेज ऑब्लिगेशन की पूर्ति सुनिश्चित होगी और उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक मूल्य स्थिरता का लाभ मिलेगा। यह बिजली आपूर्ति 1 मई 2030 से मई से अक्टूबर के बीच हर वर्ष 511 मेगावाट की दर से उपलब्ध होगी।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, विधानसभा सचिवालय, स्पीकर से किया जवाब तलब

- विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे पर अवैध नियुक्ति और सेवा विस्तार के गंभीर आरोपों को लेकर दाखिल मामला
- 6 जुलाई को होगी अगली सुनवाई, विपक्षी पक्षकार तक दाखिल करें अपना जवाब

विधि संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की नियुक्ति और उनके लंबे समय से पद पर बने रहने को चुनौती देने के मामले में राज्य सरकार , विधानसभा सचिवालय और स्पीकर सहित सभा विपक्षी पक्षकारों से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवायी 6 जुलाई को नियत करते हुए कहा है कि उस दिन इस मामले की सुनवायी ताजा केस की भांति ही होगी।

यह आदेश जस्टिस आर एस चैहान और जस्टिस डी सी सामंत ने विधानसभा अध्यक्ष के पूर्व सूचना अधिकारी रहे कर्मेष प्रताप सिंह की ओर से अपने अधिवक्ता डॉ. चेत नारायण सिंह व बालकेष्वर श्रीवास्तव के जरिये दाखिल रिट याचिका पर पारित किया। मामले की सुनवायी के दौरान विधानसभा सचिवालय एवं स्पीकर की ओर से अधिवक्ता अभिनव नारायण त्रिपाठी ने कहा कि याचिका पोषणीय नहीं है क्यों कि दुबे कोई लोक पद धारण नहीं करते हैं और न ही कोई सार्वभौम शक्ति का प्रयोग करते हैं। त्रिपाठी ने मामले में संक्षिप्त प्रतिषपथपत्र दाखिल करने का मौका मांगा। वहीं याची की ओर से दिल्ली से जरिये वीडियो कांफ्रेसिंग पेश हो रही अधिवक्ता रीना एन सिंह ने कहा कि मामले की सुनवायी शीघ्र की जाये क्यों कि दुबे बिना किसी अधिकार के ही प्रमुख सचिव विधानसभा का पद धारण करके शक्तियों का प्रयोग कर रहे हैं। काफी देर चली बहस के बाद कोर्ट ने सभी पक्षकारों को अगली सुनवायी तक अपना संक्षिप्त अथवा विस्तृत प्रतिशपथपत्र दाखिल करने का मौका प्रदान करते हुए अगली सुनवायी 6 जुलाई को नियत कर दिया।

याचिका दाखिल करके दुबे पर बिना किसी सक्षम आदेश के प्रमुख सचिव विधानसभा सचिवालय का पद धारण करने का आरोप लगाया है और मांग की गयी है कि उनके खिलाफ अधिकार पृक्ष्छा रिट जारी करते हुए उनसे इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा जाये।

केजीएमयू के दीक्षांत समारोह 13 को

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) का दीक्षांत समारोह 13 जुलाई को होगा, इसमें 25 मेधावियों को मेडल से नवाजा जाएगा। समारोह में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खास मेहमान होंगे। वहीं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शिरकत करेंगी। मेधावियों को मेडल प्रदान करेंगी। समारोह का आयोजन अटल बिहारी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह के अनुसार इस वर्ष 25 मेधावियों को विभिन्न प्रतिष्ठित पदकों से सम्मानित किया जाएगा, इनमें हीवेट मेडल, चांसलर मेडल समेत कई अकादमिक सम्मान शामिल हैं। इन मेडल के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों और संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया है। दीक्षांत समारोह के माध्यम से शैक्षणिक और शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। अधिकारियों को कहना है कि पीजी पाठ्यक्रमों की परीक्षा न होने के कारण मेधावी मेडल की दौड़ से बाहर हो गए हैं।

शौर्य को 77,200 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप... लखनऊ। सीएमएस के महानगर कैम्पस के छात्र शौर्य सक्सेना ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता की बदौलत यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, दुबई, में उच्चशिक्षा के लिए 77,200 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप अर्जित कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। शौर्य को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी।

PUBLIC NOTICE

I, Yogendra Kumar/ Sarita Devi, S/o Hiralal Yadav, R/o will- Sonda, GautamPuri colony Deoria-1, Lost MOU dated 27-02-2025 Against customer ID BTG/ PG/78/ 264 respectively issued by Be Together Developers Pvt. Ltd. is misplaced somewhere any person who finds it please return it to omaxe ltd. at - omaxe ltd. Cyber Tower 2nd floor TC- 34/ V2, Vibhuti Khand, Gomti Nagar Lucknow or call 9935092305

ये नेट जीरो का मूवमेंट केवल सरोजिनी नगर में नहीं, पूरे हिंदुस्तान में लेकर जाना है : संजय दत्त

विशेष संवाददाता (vol)

- डॉ. राजेश्वर सिंह के नेट जीरो संकल्प को मिला नया विस्तार, दूसरी बार अभियान से जुड़े मेगा स्टार संजय दत्त

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नेट जीरो सरोजिनीनगर अभियान के अंतर्गत आयोजित द ग्रीन शिफ्ट गोल्फ टूनामेंट अवॉर्ड्स भव्यता एवं उत्साह के साथ लखनऊ गोल्फ क्लब में संपन्न हुआ। इस विशेष कार्यक्रम में बॉलीवुड के मेगा स्टार श्री संजय दत्त मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। नेट जीरो सरोजिनीनगर अभियान से उनका यह दूसरा जुड़ाव रहा – इससे पूर्व भी उन्होंने अभियान के समर्थन में आयोजित रोड शो में भाग लेकर जनजागरूकता का संदेश दिया था। विधायक सरोजिनी नगर डॉ. राजेश्वर सिंह की मौजूदगी में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक पुरस्कार समारोह नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जलवायु जागरूकता, सतत विकास और जनभागीदारी को केंद्र में रखकर आयोजित एक व्यापक जन-अभियान का हिस्सा बना। कार्यक्रम ने उस सार्वजनिक संकल्प को भी नई मजबूती दी, जिसमें डॉ. राजेश्वर सिंह ने नेट जीरो आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने का वादा किया था।

नेट जीरो सरोजिनीनगर केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सरोजिनी नगर को सतत विकास, हरित नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का मॉडल बनाने का एक व्यापक जनआंदोलन है। इस अभियान के अंतर्गत उद्योग, समाज, शिक्षा, खेल और नागरिक सहभागिता को जोड़ते हुए कार्बन फुटप्रिंट कम करने, हरित तकनीकों को अपनाने और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी व्यापक सोच को आगे बढ़ाते हुए द ग्रीन शिफ्ट इनिशिएटिव की शुरूआत की गई, जिसके अंतर्गत ग्रीन इंडस्ट्रियल अवॉर्ड्स, हरित नवाचार, सतत उद्योगों तथा सामुदायिक भागीदारी आधारित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हरित परिवर्तन को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। द ग्रीन शिफ्ट गोल्फ टूनामेंट इसी व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खेल, जनसहभागिता और पर्यावरणीय चेतना को एक मंच पर लाना है। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत एवं संवाद सत्र से हुई, जिसके बाद अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। ग्रीन शिफ्ट अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को हरित पौधे भेंट किए गए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, स्थायी जीवनशैली तथा नेट जीरो सरोजिनीनगर अभियान से जुड़ी विशेष फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। इस अवसर पर आयोजित द ग्रीन शिफ्ट गोल्फ टूनामेंट के अंतर्गत जूनियर, महिला, वेटरन्स, सीनियर वेटरन्स एवं विभिन्न हैंडीकैप श्रेणियों सहित कुल 23 गोल्फ खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों और श्रेणियों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में जनता परेशान : अखिलेश यादव... लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में जनता बुरी तरह परेशान है। महंगाई आसमान छू रही है। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। परीक्षाओं के पेपर बराबर लीक हो रहे हैं। जो परीक्षाएं हो गई उनके परिणाम नहीं आ रहे हैं। उनमें तमाम तरह की अनियमितताएं पाई जाती है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट–www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से सम्बन्ध
1	स्व0 वीना अस्थाना	भूखण्ड सं0-सी-2/50-के1	विराज खण्ड, गोमती नगर	23.04.2025	1. श्री प्रभात अस्थाना 2. श्री कीर्ति अस्थाना	रजिस्टर्ड वसीयतनामा के आधार पर	पुत्र पुत्र
2	स्व0 चन्द्रेश्वर उपाध्याय	भूखण्ड सं0-सी-2/62	विशेष खण्ड, गोमती नगर	09.02.2009	श्रीमती मीरा पाण्डेय	रजिस्टर्ड वसीयतनामा के आधार पर	पुत्री
3	स्व0 बलवन्त सिंह बिष्ट (आवंटी)	भूखण्ड सं0-1/995	सेक्टर-1, गोमती नगर विस्तार	20.11.2025	1. श्री भूपेन्द्र सिंह बिष्ट 2. श्री उमेश सिंह बिष्ट 3. श्रीमती ममता बिष्ट 4. नैमिष सिंह बिष्ट (संरक्षिका श्रीमती ममता बिष्ट)	उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र के अनुसार	भाई भाई पत्नी पुत्र
4	स्व0 प्रमोद कुमार शुक्ला एवं स्व0 श्रृद्धा शुक्ला (मृतक)	भवन सं0-L-1/418	सेक्टर-बी, प्रियदर्शिनी योजना, लखनऊ	26.05.2016 07.10.2025	श्री पुनीत शुक्ला	1. श्री अनुराग शुक्ला 2. जया शुक्ला 3. शशी शुक्ला 4. गरिमा 5. प्रतीक कुमार	पुत्र पुत्री पुत्रवधू पौत्री पौत्र
5	श्री सोमनाथ	भवन सं0-एल-109, सेक्टर-डी (रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर)	कानपुर रोड योजना	19.02.2017	1. श्रीमती मंजू बहल 2. श्री आदित्य बहल 3. श्री रोहित बहल	--	मृतक की पुत्रवधु मृतक का पौत्र मृतक का पौत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

प्रेमी से विवाद के बाद ओवरब्रिज से कूदकर दी जान

- मड़ियांव की युवती ने घरवालों से जिद करके प्रेमी से तय करायी थी शादी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मड़ियांव क्षेत्र में प्रेमी से बात करते-करते युवती ने ओवरब्रिज से कूदकर जान दे दी। वह करीब 20 फीट ऊंचाई से सड़क पर गिरी, जिससे उसका सिर फट गया। युवती ने अपने घरवालों से जिद करके प्रेमी से अपनी शादी तय कराई थी। उसके बाद से ज्यादातर वह अपने प्रेमी और उसके परिवार के साथ बिताती थी।

पुलिस का कहना है कि घटना से पहले युवती अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी। परिजनों का आरोप है कि गुरुवार रात फोन पर बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद वह प्रेमी से बात करते हुए घर के बाहर निकली और ओवरब्रिज से कूद गई। युवती के कूदने के बाद घटनास्थल पर भीड़ लग गई। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हास्पिटल ले गई जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मड़ियांव थाना क्षेत्र के कसाईबाड़ा निवासी रामकिशन गौतम की बेटी शिल्पी गौतम (22) 12वीं तक पढ़ी थी। बहन लक्ष्मी ने बताया कि गुरुवार रात पूरा परिवार एक साथ खाना खा रहा था। उसी दौरान शिल्पी मोबाइल लेकर घर से बाहर चली गई। वह अक्सर प्रेमी से बात करने के लिए बाहर निकल जाती थी, इसलिए किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिवार को लगा कि वह प्रेमी के घर चली गई होगी।

शिल्पी का पास के ही एक युवक से प्रेम संबंध था। परिवार की सहमति के बाद दोनों की शादी तय हो चुकी थी। नवरात्र में सगाई और अगले साल फरवरी में विवाह की तैयारी थी, लेकिन शिल्पी चाहती थी कि शादी इसी साल कर दी जाए।

पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार ने विवाह अगले साल करने का फैसला किया था। इसी बात को लेकर घर में अक्सर विवाद होता था। परिवार का कहना है कि शिल्पी अपनी बात पर अड़ी रहती थी।

ब्यूटी पार्लर में करती थी काम : परिजनों के अनुसार मृतका शिल्पी ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। करीब तीन महीने पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी और घर में ही रहती थी। वह अपना अधिकांश समय प्रेमी और उसके परिवारवालों के साथ बिताती थी। पिता रामकिशन गौतम का आरोप है कि फोन पर प्रेमी से ही बात करते हुए उसने यह कदम उठाया है। पिता रामकिशन गौतम ने बताया कि इसके बाद रात में करीब 2 बजे पुलिस ने फोन करके घटना की सूचना दी।

प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए : पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस कॉल डिटेल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पता लगा रही है कि घटना से पहले युवती और उसके प्रेमी के बीच क्या विवाद हुआ था।

ज्वेलरी विक्रेता की पेड़ से गिरकर मौत

लखनऊ। काकोरी के कुसमौरा हलवापुर गाँव में गुरुवार शाम पेड़ पर चढकर आम तोड़ने के दौरान युवक पेड़ से गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजन इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर गए जहाँ डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर भेज दिया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गयी। हलवापुर निवासी किसान हरीशचंद्र का बेटा मुकेश गौतम (30) आर्टिफिशियल ज्वैलरी का काम करता था। गुरुवार की शाम आम की बाग में पेड़ से आम तोड़ रहा था तभी संतुलन बिगड़ने से आम के पेड़ से असंतुलित होकर मुंह के बल जमीन पर आ गिरा। हादसे मे गंभीर रूप से घायल मुकेश को परिजन इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रॉमा में इलाज के दौरान मुकेश की मौत हो गयी। मृतक के परिवार में पत्नी सोनम एवं एक बेटी परी है। परिजनों ने बताया कि पेड़ पर चढ़ने के समय मुकेश ने सीने में दर्द की बात कही थी। जिससे परिजनों का यह भी कहना है कि हार्ट अटैक आया था। म्रतक परिवार में चार भाई थे जिसमें दूसरे नम्बर पर म्रतक था।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

- विश्व पर्यावरण दिवस पर पुलिस मुख्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के क्रम में शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय, लखनऊ परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश तथा पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महानिदेशक के जी.एस.ओ. के.एस. इमैन्युअल ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रतीक स्वरूप पौधारोपण किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर विशेष बल दिया गया तथा अधिकाधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में चमका प्रयागराज महाकुंभ, मिलेगा स्वर्ण सम्मान

लखनऊ। यूपी में योगी सरकार की योजनाओं और उसे बेहतर तरीके से लागू करने की इच्छाशक्ति को देशभर में सम्मान मिलने जा रहा है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के तहत प्रयागराज महाकुंभ 2025 को मिलने जा रहा स्वर्ण पुरस्कार होगा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में महाकुंभ 2025 आयोजन (परियोजना) को देश के सर्वश्रेष्ठ ई-गवर्नेंस नवाचारों में शामिल किया गया है।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा संचालित इस परियोजना को प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया है, जिससे उत्तर प्रदेश और प्रयागराज का गौरव राष्ट्रीय स्तर पर और बढ़ गया है। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कारों का उद्देश्य डिजिटल तकनीक के माध्यम से जनसेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक केंद्रित बनाने वाली परियोजनाओं को सम्मानित करना है। वर्ष 2026 के लिए सात विभिन्न श्रेणियों में कुल 17 परियोजनाओं और पहलों का चयन किया गया है, जिनमें महाकुंभ 2025 भी शामिल है।

दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजनः महाकुंभ 2025 को सम्मानित किया जाना इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को आधुनिक तकनीक के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा। करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, डिजिटल सूचना सेवाओं, निगरानी व्यवस्था और विभिन्न नागरिक सुविधाओं के संचालन में डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया गया था। इसी प्रभावी डिजिटल प्रबंधन ने महाकुंभ 2025 को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई। पुरस्कारों की सूची में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की एग्री स्टैक, उपभोक्ता मामले मंत्रालय की ई-जागृति, स्वास्थ्य मंत्रालय की ई-संजीवनी एआई आधारित क्लीनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, बैंक ऑफ बड़ौदा का इंटीग्रेटेड साइबर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क और इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर की साइबर सुरक्षा परियोजना समेत कई महत्वपूर्ण पहलें शामिल हैं। इन प्रतिष्ठित परियोजनाओं के बीच महाकुंभ 2025 का चयन उत्तर प्रदेश के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है।

बाढ़ आपदा प्रतिवर्ष जनजीवन को प्रभावित करती है : राजीव कृष्णा

- बाढ़ एवं बाढ़ संबंधी आपदा प्रबंधन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। कैंट स्थित सूर्य ऑडिटोरियम में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) एवं मध्य कमान के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ एवं बाढ़ संबंधी आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बाढ़ एवं जलजनित आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय एजेंसियों, सशस्त्र बलों, आपदा प्रबंधन संस्थाओं तथा विषय विशेषज्ञों के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करना, अनुभवों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करना तथा आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाना था।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण ने अपने संबोधन में कहा कि बाढ़ एक ऐसी आपदा है जो प्रतिवर्ष जनजीवन को प्रभावित करती है तथा अनेक बहुमूल्य जानें इसकी चपेट में आ जाती हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी चुनौती का सामना कोई एक विभाग अथवा राज्य अकेले नहीं कर सकता, बल्कि सभी हितधारकों के बीच समन्वित प्रयास ही इसका प्रभावी समाधान हैं।

पुलिस महानिदेशक ने उत्तर प्रदेश पुलिस की आपदा प्रबंधन नीति के पांच प्रमुख स्तंभप्रीडिकेशन, प्रीपारेडनेंस, प्रीडिक्शन, प्रोटेक्शन, व प्राम्ट प्रापांस का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस का लक्ष्य जलजनित घटनाओं में होने वाली प्रत्येक संभावित जनहानि को रोकना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2017 में एसडीआरएफ की स्थापना के बाद प्रदेश की आपदा प्रबंधन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान में पीएसी की 17 बाढ़ राहत कंपनियां (51 प्लाटून) तथा एसडीआरएफ की 6 कंपनियां (18 टीमें) पूर्ण तत्परता के साथ कार्यरत हैं। लगभग 2,500 प्रशिक्षित जवान बाढ़ एवं अन्य आपदाओं से निपटने के लिए सदैव तैयार रहते हैं।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि प्रदेश के 44 जनपदों को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर चिन्हित किया गया है, जिनमें 18 अति संवेदनशील 12 संवेदनशील एवं 14 सामान्य जनपद शामिल हैं। इन क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संसाधन एवं प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया गया है।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि प्रदेश की बाढ़ राहत कंपनियां 16 मई से 30 जून तक विभिन्न नदी घाटों पर 45 दिवसीय विशेष अभ्यास कर रही हैं, जिसमें नाव संचालन, स्कूबा डाइविंग, रोप रेस्क्यू, फर्स्ट एड, सीपीआर एवं राहत वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जलजनित अधिकांश दुर्घटनाएं बाढ़ के दौरान नहीं, बल्कि धार्मिक स्नान, मेलों एवं मूर्ति विसर्जन जैसे आयोजनों के दौरान होती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा घाटों की सुरक्षा के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की गई है, जिसके अंतर्गत चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, लाइफ जैकेट की अनिवार्यता तथा नावों के सुरक्षित संचालन जैसे प्रावधान शामिल हैं। पुलिस महानिदेशक ने प्रयागराज महाकुंभ-2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बावजूद प्रभावी सुरक्षा प्रबंधन, प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती, जल क्षेत्र में बैरिकेडिंग एवं सतत निगरानी के कारण डूबने से एक भी जनहानि नहीं हुई, जो उत्तर प्रदेश पुलिस की तैयारियों और क्षमता का प्रमाण है।

लोहिया संस्थान में महिला मरीजों में मारपीट

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित राम मोनहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में ओपीडी पंजीकरण को दो महिला मरीजों में मारपीट हो गयी। इस दौरान एक महिला बेहोश होकर गिर पड़ी। अस्पताल की महिला सुरक्षा कर्मियों ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया तो पीड़ित महिला ने महिला सुरक्षाकर्मियों पर अभद्रता का आरोप लगाया। पुलिस जांच में सामने आया है कि महिला ने स्वयं दूसरी महिला से विवाद और मारपीट की थी। महिला के खिलाफ शांति भंग के तहत कार्रवाई किया है। बाराबंकी निवासी रीना सिंह शुक्रवार सुबह ओल्ड ओपीडी में पर्चा काउंटर के सामने कतार में लगी थीं। लाइन में लगी दूसरी महिला व रीना के बीच विवाद शुरू हो गया। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंची। दोनों को शांत कराने का प्रयास किया। इसी दौरान रीना परिसर की सड़क पर गिर पड़ी। रीना ने सुरक्षाकर्मियों पर मारपीट का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। पुलिस ने अस्पताल परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में रीना सिंह को दूसरी महिला से वाद-विवाद और मारपीट करते देखा गया। पुलिस ने महिला का मेडिकल परीक्षण कराकर मुकदमा दर्ज किया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने किया पौधरोपण

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के अंतर्गत अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा ने शुक्रवार को राजकीय शीतग्रह परिसर, अलीगंज में फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने मशरूम प्रयोगशाला प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 50 प्रशिक्षणर्थियों को पांच-पांच पौधे वितरित किए। परिसर में आम, आंवला, बेल, अमरूद तथा अन्य उपयोगी लगभग 2000 पौधों का रोपण किया गया। अपर मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पौधरोपण अभियान को केवल पौधे लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण, नियमित सिंचाई और देखभाल की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पौधों का जीवित रहना ही वृक्षारोपण अभियान की वास्तविक सफलता है। उद्यान निदेशक ने कहा कि फलदार एवं औषधीय पौधे पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ-साथ पोषण, स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि के भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इनके संरक्षण एवं संवर्धन से आने वाली पीढ़ियों को बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक संजय कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक सर्वेश कुमार, उप निदेशक डीके वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी धीरेन्द्र सिंह सहित कार्मिकों ने भी पौधरोपण का संकल्प लिया।

छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र दयाराम पुरवा स्थित बॉयज हॉस्टल में एक छात्र ने शुक्रवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची ? पुलिस ने शव ?को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोण्डा जिले के बक्सरा आज्ञाराम निवासी दीपक गुप्ता (23) पुत्र माता प्रसाद बीबीडी थाना क्षेत्र दयाराम पुरवा स्थित राजाराम ब्याज हास्टल में रहकर श्रीराम स्वरूप कॉलेज में पढ़ाई करता था। शुक्रवार को दीपक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।पुलिस से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी तथा मृत्यु के कारणों की जांच कर रही है।

पिपरा घाट श्मशान घाट की बदहाली पर हाईकोर्ट सख्त

- कहा कि सम्मानजनक अंतिम संस्कार प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है,
- कोर्ट ने चार सप्ताह में आधुनिक शवदाह गृह के लिए टेंडर जारी करने के दिये निर्देश

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लखनऊ छावनी क्षेत्र स्थित पिपरा घाट श्मशान भूमि की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। पीठ ने कहा कि सम्मानजनक अंतिम संस्कार प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, जो संविधान के तहत प्रदत्त गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का विस्तार है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अभिषेक कुमार चैधरी की अवकाशकालीन पीठ ने शिव गुप्ता द्वारा दाखिल जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिका में पिपरा घाट श्मशान भूमि के समुचित रखरखाव, आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता तथा छावनी क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान छावनी बोर्ड की ओर से कोर्ट को बताया गया कि आधुनिक शवदाह गृह के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है और इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस पर कोर्ट ने संबंधित प्राधिकरण को निर्देश दिया कि चार सप्ताह के भीतर टेंडर जारी करने की कार्रवाई पूरी की जाए। याची की ओर से पीठ को बताया गया कि वर्तमान श्मशान घाट में पेयजल, शौचालय और सुरक्षित चहारदीवारी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

पर्याप्त बाउंड्री वाल न होने के कारण बंदर, कुत्ते और गाय जैसे आवारा पशु परिसर में प्रवेश कर गंदगी फैलाते हैं। यहां तक कि कई बार अंतिम संस्कार के बाद शेष मानव अवशेष भी पशुओं द्वारा बिखेर दिए जाते हैं, जिससे मृतकों की गरिमा प्रभावित होती है। पीठ ने मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि मानव गरिमा का अधिकार मृत्यु के बाद भी समाप्त नहीं होता। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को श्मशान घाट की मरम्मत और सौंदर्यीकरण का कार्य तत्काल शुरू करने तथा वर्तमान में संचालित शवदाह स्थल पर पेयजल की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

आईबीए परीक्षा में फेल घोषित अभ्यर्थी को हाईकोर्ट से राहत

- हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद बीसीआई ने किया उत्तीर्ण

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (एआईबीई-20) में एक अभ्यर्थी को सिर्फ ओएमआर शीट भरने में हुई, एक मामूली त्रुटि के आधार पर असफल घोषित किए जाने के मामले में राहत प्रदान की है। न्यायालय ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को अभ्यर्थी की शीट का मैनुअल सत्यापन कर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। वहीं न्यायालय के समक्ष बीसीआई ने स्वयं स्वीकार किया कि मैनुअल जांच में अभ्यर्थी वास्तव में उत्तीर्ण पाया गया है।

न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ तथा न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने यह आदेश लव यादव द्वारा दाखिल याचिका पर पारित किया। याची ने अपने ह्यफेलह्न परिणाम को चुनौती देते हुए ओएमआर शीट और उत्तर कुंजी के भौतिक सत्यापन की मांग की थी। याची का कहना था कि उसने प्रश्न पुस्तिका के सेट कोड के लिए ओएमआर शीट में ह्यडीह्न अंकित किया था, लेकिन अनजाने में उससे संबंधित घेरे को भरना रह गया। इस तकनीकी त्रुटि के कारण मशीन ने उसकी उत्तर पुस्तिका का गलत मूल्यांकन कर दिया और उसे असफल घोषित कर दिया गया। सुनवाई के दौरान बीसीआई के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि प्रश्न पुस्तिका ह्यडीह्न के आधार पर की गई मैनुअल जांच में याची को उत्तीर्ण पाया गया है। इस स्वीकारोक्ति के बाद न्यायालय ने बीसीआई को मामले पर पुनर्विचार करने और उत्तर पुस्तिका का मैनुअल सत्यापन करने का निर्देश दिया।

सर्व कौशल फाउंडेशन ने रोपे 101 पौधे

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सर्व कौशल फाउंडेशन द्वारा आर्य नगर पार्क एवं स्वामी विवेकानंद कथा पार्क, राजाजीपुरम में 101 पौधों का वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त वातावरण के प्रति जन-जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण पर विचार-विमर्श किया गया। आर्य नगर पार्क में फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्कर्ष शर्मा, चारबाग ए.पी. सेन रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया।

कारागार मुख्यालय पर किया गया पौधरोपण

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कारागार मुख्यालय, लखनऊ में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक कारागार पी सी मीना ने अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में अपर महानिरीक्षक कारागार धर्मेंद्र सिंह, उपमहानिरीक्षक सुभाष शाक्य, प्रदीप गुप्ता, डॉ रामधनी सहित अन्य अधिकारीगण सम्मिलित रहे। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने अधिकाधिक पौधरोपड़ कर हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया।

खड़ी स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में गुरुवार रात बदमाशों ने सड़क किनारे खड़ी एक स्कॉर्पियो पर कई राउंड फायरिंग कर क्षेत्र में सनसनी फैला दी। घटना तहसील सदर अंडरपास के पास रात करीब 10:30 बजे की है। गनीमत रही कि फायरिंग के समय वाहन में कोई मौजूद नहीं था। फायरिंग से गाड़ी के शीशे में क्षेत्र हो गए। गाड़ी में शीशे पर ब्लैक फिल्म लगी थी। बदमाशों ने कई गोलियां साइड शीशे पर भी दागी हैं। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को मौके पर कई निशान और खोखे मिले हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीसीपी पूर्वी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान स्कॉर्पियो में कई गोलियां लगने के निशान मिले, जबकि मौके से कारतूस के खोखे भी बरामद किए गए हैं।

मानसिक बीमार किशोरी ने की आत्महत्या

लखनऊ। गोसाईंगंज के जगमत खेडा गांव में रहने वाली एक किशोरी ने मानसिक बीमारी से परेशान होकर पंखे से दुपट्टे के सहारे लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोसाईंगंज पुलिस के मुताबिक जगमत खेडा गांव की रहने वाली दीपाली (17) काफी समय से मानसिक रूप से बीमार थी। बीती गुरुवार की रात कमरे में बीमारी से तंग आकर कमरे में लगे पंखे से लटक कर जान दे दी। पिता चंद्रशेखर ने बताया कि वह रोज दवा खाने में बहुत परेशान करती थी। उन्होंने बताया कि देर रात काम खत्म कर घर लौटा तो बेटी के कमरे में गया तब देखा कि वह दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी हुई है।

शारीरिक अक्षमता छिपाकर निकाह करने का आरोप

लखनऊ। चिनहट इलाके में विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष पर शारीरिक अक्षमता छिपाकर निकाह करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि डॉक्टर से परामर्श की बात कहने पर उसे पीटा गया और घर से निकाल दिया गया। विवाद के समाधान के लिए पीड़िता ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र दिया। वहां पति ने तीन तलाक दे दिया। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। मटियारी निवासी नुजहत ने बताया कि उनका निकाह 15 नवंबर 2025 को पारा निवासी आसिफ अनवर खान से मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। आसिफ पुणे में नौकरी करता है। निकाह में लड़कीवालों ने अपनी समर्थता से अधिक दान दहेज दिया था। आरोप है कि निकाह से कुछ घंटे पहले ही ससुराल पक्ष ने मोटरसाइकिल की मांग कर दी। जिसपर पिता नसीम ने करीब 1.42 लाख रुपये की बाइक खरीदकर दी।

पीड़िता का आरोप है कि विवाह के बाद पति वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं हुआ। जब उन्होंने पति को किसी विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी तो उसने नाराज होकर जान से मारने की धमकी दी और इस बारे में किसी को जानकारी न देने की बात कही। आरोप है कि ससुराल पक्ष को पति की कमजोरी बताने पर भी कोई समाधान निकालने के बजाए उसे प्रताड़ित किया गया। पीड़िता ने बताया कि कार और अन्य सामान की मांग को लेकर परेशान किया गया।

क्राइम कैसा भी हो अपराधी साक्ष्य छोड़ता ही है : राजेश्वर

- डॉ. राजेश्वर ने की विधायक निधि से शैक्षणिक कार्यो के लिए 25 लाख देने की घोषणा
- न्याय होना ही नहीं, दिखना भी चाहिए : डॉ. जीके गोस्वामी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में उप्र पुलिस तकनीकी सेवाऐं के सौजन्य से आयोजित क्राइम सीन मैनेजमेंट के चौथे बैच का कोर्स शुक्रवार को सकुशल संपन्न हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ राजेश्वर सिंह विधायक सरोजनी नगर लखनऊ थे, जिन्हें संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी, आईजी राजीव मल्होत्रा व डीआईजी हेमराज मीना ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधायक ने संस्थान के अधिकारियों के साथ पौधरोपण भी किया।

इस कोर्स में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट एवं जिलों से आरक्षी से लेकर उप निरीक्षक रैंक के कुल 98 पुलिस अधिकारियो ने प्रतिभाग किया था। उल्लेखनीय है कि यह कोर्स 45 दिवस तक चला जिसमे विषय विशेषज्ञों ने क्राइम सीन मैनेजमेंट कोर्स में साक्ष्य संकलन एवं घटना स्थल की बारीकियों का गहन अध्ययन कराया। कोर्स के संयुक्त परीक्षा में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों क्रमशः राकेश प्रसाद, राहुल सिंह तथा सचिन कुमार को पुरस्कृत भी किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ राजेश्वर सिंह विधायक सरोजनी नगर लखनऊ ने पुलिस अधिकरियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में फॉरेंसिक सबसे महत्वपूर्ण है। न्याय दिलाना, निर्दोष व्यक्ति को बचाना और दोषियों को सजा दिलाना ये तीनो महत्वपूर्ण है। आज के समय में अपराध का स्वरूप बदल रहा है चाहे वह डिजिटल क्राइम हो या फिजिकल दोनों में अपराधी साक्ष्य छोड़ता ही छोड़ता है। ऐसे में आप लोगों का दायित्व महत्वपूर्ण हो जाता है। आर्थिक अपराध के मामले बढ़ रहे हैं अगर कुछ आंकड़े उठाते हैं तो हम पाते हैं कि दो लाख से अधिक मामले तो साल भर में आर्थिक अपराधों के आते हैं और गरीब लोगों की गाढ़ी कमायी को हड़प जाते है। विधायक ने अपने ईडी में सर्विस के दौरान किये गये आर्थिक अपराधों के विरूद्व किये गये कार्यों पर भी प्रकाष डाला।

उन्होंने कहा कि फोरेंसिक पहलुओं पर की गयी विवेचना ही लोगों को न्याय दिला सकती है आने वाला समय फाइनेन्सियल इनवेस्टिगेषन का है। लोगों को डिजिटल अरेस्ट करके ठगी किया जा रहा है इसमें भी साक्ष्य आईपी एड्रेस के मिलते हैं अब जांच अधिकारी के उपर निर्भर करता है कि वह कितना जल्दी कार्यवाही कर लोगों के पैसे बाहर जाने से रोक पाता है।

संस्थापक निदेशक डॉ जीके गोस्वामी ने सभागार में उपस्थित अधिकारियों को कोर्स पूर्ण करने की बधाई देते हुए कहा कि मौखिक साक्ष्य के साथ-साथ फोरेसिंक साक्ष्य को भी उसी महत्व के साथ उसका विवेचना में प्रयोग किया जाय तो अपराधी बच नहीं सकता उसे सजा जरूर होगी क्योंकि गवाह होस्टाइल हो सकता है लेकिन फॉरेंसिक साक्ष्य नहीं। आप घटना स्थल से जैसा साक्ष्य उठायेंगे आप वैसा ही पीड़ित को न्यायालय में न्याय दिला सकेगे।

महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा ने सभागार में उपस्थित विधायक डॉ राजेश्वर सिंह सहित समस्त अधिकारियों का आभार प्रकट किया और कहा कि इस संस्थान में अनुभवी एवं तकनीकी विषेषज्ञों से वर्तमान स्वरूप के अनुरूप ज्ञान प्राप्त करना वक्त की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी ने किया।

'भोजपुरी बवाल' शो बाकियों से बहुत अलग है : दिनेश लाल यादव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ जल्द ही नए रियलिटी शो भोजपुरी बवाल को लेकर दर्शकों के बीच आने वाले हैं। इस शो में भोजपुरी इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों की रियल लाइफ, उनकी दोस्ती, मस्ती, राजनीति, क्रिकेट और एंटरटेनमेंट से जुड़ी कई अनदेखी बातें देखने को मिलेंगी। हाल ही में निरहुआ ने शो को लेकर खुलकर बात की।

आपका नया शो भोजपुरी बवाल आ रहा है, इसे लेकर आप क्या कहना चाहेंगे ?

मैंने सुना था कि भोजपुरी में बहुत बवाल होता है, लेकिन ये शो ऐसा है जो पूरा का पूरा बवाल है। अब तक लोग स्क्रीन पर जो देखते थे, वही जानते थे, लेकिन इस शो में पर्दे के पीछे क्या होता है, वो भी सबको देखने को मिलेगा. चाहे क्रिकेट हो, राजनीति हो या एंटरटेनमेंट, भोजपुरी के लोगों ने हर जगह बवाल मचाया है। इस शो में आपको हर तरह के लोग देखने को मिलेंगे।

ये शो बाकी रियलिटी शोज से कितना अलग होगा ?

ये शो बाकियों से बहुत अलग है। अब तक जो फिल्में और शो लोग देखते थे, उनमें स्क्रिप्ट होती थी और हम उसी हिसाब से अपना किरदार निभाते थे. लेकिन इस शो में कोई स्क्रिप्ट नहीं है. यहां लोगों को हमारी असली जिंदगी देखने को मिलेगी. कौन जिम जाता है, कौन कैसे रहता है, कौन क्या करता है, सबकुछ कैमरे में कैद होगा।

क्या इसे भोजपुरी का बिग बॉस कहा जा सकता है ?

नहीं, ये उससे भी बड़ा बवाल है। बिग बॉस में एक घर होता है और उसके अंदर क्या चल रहा है, वही लोग देखते हैं. लेकिन यहां असली जिंदगी दिखाई जाएगी. जनता का प्यार, उनका गुस्सा, स्टार्स की पर्सनल लाइफ, सबकुछ दिखेगा। हमने सिर्फ बाथरूम छोड़ा है, बाकी हर जगह कैमरा रहेगा।

शो में कौन-कौन से बड़े सितारे हमें देखने को मिलेंगे ?

आज की तारीख के लगभग सभी बड़े भोजपुरी सितारे इस शो में दिखाई देंगे। पवन सिंह आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और राजनीति से तेज प्रताप यादव जैसे कई चेहरे इसमें नजर आएंगे, जिनका नाम सुनते ही लोगों को लगता है कि अब फिर बवाल होगा, वो सभी इस शो का हिस्सा होंगे।

आपने कंटेस्टेंट बनने की बजाय होस्ट बनने का फैसला क्यों लिया ?

ये कॉन्सेप्ट बहुत अलग है. यहां किसी किरदार को निभाना नहीं है, बल्कि लोगों की असली जिंदगी सामने लानी है। इसलिए मुझे लगा कि इस शो को होस्ट करना ज्यादा मजेदार होगा।

क्या होस्ट के तौर पर हमें आपके कुछ फेवरेट कंटेस्टेंट भी देखने को मिलेंगे ?

मुझे इस शो के सभी कंटेस्टेंट पसंद हैं, जो लोग इस शो में आने वाले हैं, उन्होंने अपनी मेहनत से भोजपुरी भाषा और इंडस्ट्री को दुनियाभर में पहचान दिलाई है, मैं उन सभी का बहुत सम्मान करता हूं।

भोजपुरी एंटरटेनमेंट आपके लिए कितना खास है ?

भोजपुरी मेरे लिए बहुत खास है। आज हम दुनिया के किसी भी कोने में जाएं, वहां भोजपुरी सिनेमा, राजनीति और क्रिकेट की चर्चा होती है। इन लोगों ने अपने काम से पूरी दुनिया में भोजपुरी का नाम रोशन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि ये शो दर्शकों को बहुत पसंद आएगा।

आपका आम्रपाली दुबे के साथ होस्टिंग का अनुभव कैसा रहा ?

दर्शकों का प्यार और आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आम्रपाली दुबे, पवन सिंह और बाकी सभी कलाकारों को लोगों ने बहुत प्यार दिया है, यही वजह है कि ये शो इतना खास बन पाया है।

क्या शो में राजनीति और लड़ाई-झगड़े भी देखने को मिलेंगे ?

इस शो में आपको सबकुछ देखने मिलेगा, जो शायद किसी ने सोचा भी नहीं होगा. ये पूरी तरह रियल शो है, जिसमें जिंदगी जैसी है वैसी ही दिखाई जाएगी, मैं दर्शकों से अपील करता हूँ कि भोजपुरी बवाल जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आने वाला है, इसे जरुर करें।

दर्शकों के लिए आप क्या कहना चाहेंगे ?

मैं अपने दर्शकों से बस यही कहना चाहूंगा कि ये शो बहुत खास होने वाला है, जो लोग अपने पसंदीदा सितारों के बारे में सबकुछ जानना चाहते हैं, उनके लिए ये परफेक्ट शो है। यहां कुछ भी छिपा नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर हुआ सुंदरकांड का पाठ

लखनऊ। पर्यावरण के प्रति समर्पित, जनता के हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54 वें जन्मदिन पर आज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तत्वाधान में सुंदरकांड का पाठ किया गया तथा प्रसाद वितरण कर उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की गई। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी जन कल्याण के कार्यों में लगे रहते हैं। उनका जीवन जनता को समर्पित है। उनकी लोकप्रियता जन-जन में है। आदित्यनाथ के मुख्यमंत्रित्व काल में प्रदेश का विकास हुआ है। औद्योगिक क्रांति आई है। प्रदेश के किसानों की आय में वृद्धि हुई है। कर्मचारियों की कई महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान हुआ है। मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में कोई भी समस्या ले जाने पर उसका निराकरण तत्काल किया जाता है। ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने सुंदरकांड का पाठ करके उनके दीघार्यु जीवन एवं स्वास्थ्य की मंगल कामना किया है। हमारे मुख्यमंत्री को ईश्वर जन कल्याण के लिए शतायु प्रदान करें एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करें। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के अनन्य भक्त योगी जी राम भक्त हनुमान की तरह असंभव को संभव बनानेका कार्य करते हैं। प्रदेश के 12 लाख राज्य कर्मचारी एवं 16 लाख पेंशनर्स की समस्याओं का संज्ञान लेकर तत्काल निराकरण भी करते हैं। ऐसी मुख्यमंत्री को प्रदेश के लाखों कर्मचारियों की तरफ से जन्मदिन की बधाई देने के लिए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा सुंदरकांड का पाठ करके ईश्वर से उनके मंगल कल्याण के लिए प्रार्थना की गई है।

कलाकार हमारी सांस्कृतिक विरासत के सच्चे संरक्षक : राज्यपाल

- जन भवन, लखनऊ के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित अकादमी सम्मान समारोह-2026

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। जन भवन, लखनऊ के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित अकादमी सम्मान समारोह-2026 में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने वर्ष 2021, 2022, 2023 तथा 2024 के लिए चयनित कुल 51 विशिष्ट कलाकारों को संगीत, नृत्य, नाटक एवं लोककलाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, उत्कृष्ट सृजन, साधना तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए अकादमी सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोककलाओं एवं भारतीय कलात्मक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में कलाकारों के अमूल्य योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल का संदेश उपस्थित जनों के समक्ष पढ़कर सुनाया। राज्यपाल ने अपने संदेश में सभी सम्मानित कलाकारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल, सृजनशील और सफल भविष्य की कामना की और कहा कि सम्मानित कलाकारों के प्रयासों से हमारी सांस्कृतिक विरासत न केवल संरक्षित हुई है, बल्कि समय के साथ और अधिक सशक्त एवं समृद्ध भी हुई है। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि कला अतीत की धरोहर होने के साथ-साथ भविष्य की प्रेरणा भी है। कला वह सुरभि है, जो समय की सीमाओं को लांघकर युगों-युगों तक अपनी सुगंध बिखेरती रहती है।

लोक गायन में जहां स्वर सरस्वती का आह्वान करते हैं, वहीं वादन में लय और ताल जीवन की गति को अभिव्यक्त करते हैं। रंगमंच पर कलाकार जीवन के यथार्थ को साकार करते हैं, तो नाट्य लेखन समाज की संवेदनाओं को शब्दों का रूप प्रदान करता है। अभिनय और साहित्य दोनों ही समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। इन सभी विधाओं में विशिष्ट योगदान देने वाले कलाकार हमारी सांस्कृतिक विरासत के सच्चे संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान का एक सशक्त साधन है। आज का अवसर हमें कला के महत्व को समझने, उसे संरक्षित करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक उसकी गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा देता है। किसी सभ्यता की आत्मा को समझना हो तो उसके लोकगीतों और लोकनाट्यों को समझना आवश्यक है, क्योंकि लोक-संस्कृति हमारी परंपराओं की वह जीवंत धारा है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमारी पहचान को प्रवाहित करती आई है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता और तकनीकी क्रांति के इस दौर में लोक संगीत, लोकनाट्य और लोकगीतों की मधुर स्वर-लहरियां कहीं न कहीं धुंधली पड़ती जा रही हैं तथा नई पीढ़ी का झुकाव तेजी से बदल रहा है। ऐसे समय में उन साधकों और कलाकारों का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है, जो अपनी साधना और समर्पण के बल पर इन परंपराओं को जीवंत बनाए हुए हैं। संस्कृति केवल विरासत नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व है। यदि हम आज इसे सहेजने में असफल रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। इसलिए इन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन को जन-जन का दायित्व बनाना होगा।

अपने संदेश में राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अकादमी वर्षों से लोक संगीत एवं लोक नाट्य परंपराओं के संरक्षण हेतु सर्वेक्षण और डॉक्यूमेंटेशन का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत अब तक लगभग 5500 घंटे से अधिक की दुर्लभ ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित की जा चुकी हैं। कत्थक के लखनऊ घराने की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए स्वर्गीय गुरु लच्छू महाराज के मार्गदर्शन में कत्थक केंद्र की स्थापना की गई तथा अकादमी निरंतर नाट्य समारोहों का आयोजन कर रही है।

उन्होंने कहा कि अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष स्वर्गीय लच्छू महाराज की जयंती पर नमन, गजल विधा को समर्पित यादें तथा स्थापना दिवस पर धरोहर जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त गायन, वादन एवं नृत्य की नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए संगीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। रसमंच योजना के अंतर्गत संगीत और नाटक से जुड़ी संस्थाओं को प्रत्येक माह वाल्मीकि रंगशाला निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। ये सभी योजनाएं और कार्यक्रम मिलकर उस व्यापक सांस्कृतिक संकल्प को साकार करते हैं, जिसमें कला केवल मंच तक सीमित न रहकर समाज की चेतना का अभिन्न हिस्सा बन जाती है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्कृति की जीवंतता होती है। भारत में लोक-संगीत, लोक-नृत्य और लोक-गायन की परंपराएं सदियों से हमारी सांस्कृतिक चेतना को स्पंदित करती रही हैं।

आज भजन क्लबिंग जैसे नए सांस्कृतिक स्वरूप इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी लोक परंपराएं समय के साथ स्वयं को नए रूप में अभिव्यक्त करने की क्षमता रखती हैं। भक्ति के स्वर भले ही नए मंचों पर गूंज रहे हों, किंतु उनकी आत्मा आज भी उतनी ही पवित्र और समर्पित है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत की सांस्कृतिक पहचान विश्व के प्रत्येक कोने में अपनी छाप छोड़ रही है, तब अपनी सांस्कृतिक जड़ों को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। विदेशों में बसे भारतीय जिस प्रकार अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोए हुए हैं, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक गायन की परंपराओं को केवल स्मृतियों तक सीमित न रखकर उन्हें वर्तमान जीवन का हिस्सा बनाना होगा तथा नई पीढ़ी को उनसे जोड़ना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना तब और अधिक सशक्त होती है, जब उसकी जड़ें शिक्षा से जुड़ती हैं। इसलिए विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में लोक कला, लोक संगीत और लोक नृत्य जैसी विधाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि जन भवन, उत्तर प्रदेश में पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत राजकीय बालिका गृह की बालिकाओं को कथक, भरतनाट्यम तथा अन्य शास्त्रीय एवं लोक कलाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, स्वाभिमान और सकारात्मक जीवन दृष्टि का विकास हो रहा है। अपने उद्बोधन में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सभी सम्मानित कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत केवल भूमि का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, ज्ञान, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का वह केंद्र है जिसने सदियों से विश्व को दिशा देने का कार्य किया है। भारत की महान विभूतियों ने हमेशा दुनिया का मार्गदर्शन किया है तथा शून्य (जीरो) से लेकर अर्थशास्त्र तक अनेक अमूल्य ज्ञान परंपराएं विश्व को भारत ने ही प्रदान की हैं। कलाकार हमारी सांस्कृतिक विरासत के सच्चे संवाहक हैं और लोक कला, लोक संगीत तथा लोक परंपराओं को जीवित रखकर राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ बनाने का कार्य कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर फिक्की फ्लो लखनऊ की हरित पहल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फिक्की फ्लो लखनऊ ने पर्यावरण संरक्षण, सर्कुलर इकोनॉमी और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित करते हुए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन माल एवेन्यू स्थित होटल में किया।

फ्लो लखनऊ की चेयरपर्सन सिमरन साहनी के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम सर्कुलर इकोनॉमी एवं ग्रीनटेक वर्टिकल के अंतर्गत संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हरित भविष्य के निर्माण हेतु सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच जागरूकता, जिम्मेदार उपभोग और सामुदायिक सहभागिता ही स्थायी समाधान का आधार हैं। फिक्की फ्लो लखनऊ लगातार ऐसी पहलों को आगे बढ़ा रहा है जो कचरे में कमी, पुनर्चक्रण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं। इस अवसर पर ई-वेस्ट ड्राइव का शुभारंभ किया गया, जिसके माध्यम से सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित और जिम्मेदार निस्तारण के लिए प्रेरित किया गया। ड्राइव का उद्देश्य ई-कचरे के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उसके वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है, ताकि पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।इस कार्यक्रम को शची सिंह, राधिका मिश्रा, पूजा और देवाशीष ने ई वेस्ट विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान फ्लो लखनऊ की वर्तमान एवं प्रस्तावित पर्यावरणीय पहलों की विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। इनमें रीसाइक्लिंग, कचरा प्रबंधन, (मल्टी-लेयर प्लास्टिक) कलेक्शन ड्राइव तथा टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में फिक्की फ्लो लखनऊ और लखनऊ नगर निगम के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके माध्यम से शहर में रीसाइक्लिंग और स्थिरता से जुड़े प्रयासों को नई गति मिलेगी। फ्लो लखनऊ ने शहर के विभिन्न विद्यालयों में सस्टेनेबिलिटी कार्यशालाओं के आयोजन, निकट भविष्य में एक व्यापक रीसाइक्लिंग कॉन्क्लेव आयोजित करने तथा बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता अभियान चलाने की योजनाओं की भी घोषणा की। संगठन ने अपने सदस्यों से पर्यावरण संरक्षण के सक्रिय दूत बनने और जिम्मेदार जीवनशैली को अपनाने का आह्वान किया।

भातखण्डे में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर एक वृहद एवं प्रेरणादायी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं अन्य सहभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के नवागत कुलसचिव सुशील प्रताप सिंह द्वारा पौधरोपण कर किया गया। उनके द्वारा किए गए इस शुभारंभ के पश्चात सभी उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण में भाग लिया और परिसर को हरित बनाने की दिशा में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर तथा आवासीय परिसर में फलदार, छायादार एवं पर्यावरण को शुद्ध करने वाले विविध प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। आम, नीम, पीपल जैसे उपयोगी वृक्षों को विशेष रूप से रोपित किया गया, जो न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि भविष्य में स्वच्छ वायु, हरियाली एवं जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी मनीष कुमार कुशवाहा, अतिथि शिक्षक डॉ. काजल ओझा, डॉ. एकता वर्मा एवं चाँदनी यादव सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण राजेश यादव, रितेश शंकर अवस्थी, आनन्द सिंह, बद्री प्रसाद यादव, उत्कर्ष चंद्र, विनीत वर्मा आदि की उपस्थिति रही। सभी ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा एक हरित एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। कुलसचिव सुशील प्रताप सिंह ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित रहने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न अंग होना चाहिए। वृक्षारोपण के माध्यम से हम न केवल प्रकृति के प्रति अपना दायित्व निभाते हैं।

योगी के जन्मदिन पर हनुमान जी को लगा 51 किलो लड्डू का भोग

लखनऊ। अखिल भारतीय भोजपुरीसमाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आज दक्षिण मुखी श्री हनुमान जी मंदिर हजरतगंज लखनऊ में 1000 (एक हजार) तुलसी का पैधा निःशुल्क वितरण अखिल भारतीय भोजपुरीसमाज के पदाधिकारीयों द्वारा किया गया। तथा सभी लोग श्री हनुमान जी से मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ के स्वस्थ, दीघार्यु उन्नति तथा जनता की सेवा करते रहे, सभी लोग इश्वर से प्रार्थना भजन पूजन किया तथा 11 ब्राह्मणो द्वारा सुंदर काण्ड का पाठ कर 51 किलो लडडू का हनुमान जी का भोग लगाकर फल एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय भोजपुरीसमाज के मनोज सिंह, रामयतन यादव, वेद प्रकाश राय, संजय सिंह, मनोज राय, सुनीता राय, लोक गायक अंगद राम ओझा, सुरेश कुशवाहा विक्रम कुशवाहा, डॉक्टर डीके पाठक आदि लोग उपस्थित रहे।

हवन-पूजन के साथ बांटे गए वस्त्र, अन्न और पौधे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के पावन अवसर पर आज मनकामेश्वर मठ मंदिर में पूज्य महंत जी के पावन सानिध्य में एक अत्यंत भव्य और दिव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और लोक-कल्याण की कामना के लिए मंदिर परिसर में पूर्ण विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक विशेष महाहवन संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर मंदिर प्रशासन द्वारा सेवा और पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा उदाहरण पेश किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण और सेवा कार्य निम्नलिखित रहे। हवन की पूणार्हूर्ति के पश्चात मंदिर में आए सभी श्रद्धालुओं के बीच भारी मात्रा में लड्डुओं का महाप्रसाद वितरित किया गया। समाज के अत्यंत जरूरतमंद और निर्धन परिवारों को अन्न (राशन) तथा नवीन वस्त्रों का दान देकर उन्हें सम्मानित किया गया। प्रकृति को सहेजने और हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज के दिन को 'वृक्षारोपण दिवस' के रूप में मनाया गया।

तिकोना पर्यावरण पार्क में 30 पौधे रोपे

लखनऊ। केवीआईपी रोड पर मान्यवर कांसीराम स्मारक के निकट स्थिति गुरु नानक तिराहा स्थित तिकोना पर्यावरण पार्क में शुक्रवार को 30 पौधे लगाये गये। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्त्वावधान में समिति के सदस्यों ने सम्पन्न किया। इस अवसर पर एलडीए शाखा के अनूप तिवारी (जिला सचिव), आरबी निषाद, पंकज राज, विवेक कुमार (बिट्टू) और सीएल यादव मौजूद रहे। पर्यावरणविद आरपी कटियार ने निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराये गये। समिति की आध्यात्मिक पत्रिका का वितरण भी किया गया।

रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाये : रामभद्राचार्य

- श्रीराम कथा में सम्मिलित हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के पंचम दिवस भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त कर कथा श्रवण किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य इंजी. अवनीश कुमार सिंह, पूर्व विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सेवानिवृत्त आईएएस दिवाकर त्रिपाठी, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक मंडल की ओर से विधायक डा. नीरज बोरा ने रक्षा मंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में चल रही श्रीराम कथा में पद्मविभूषण तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने श्रीराम-जानकी विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया तथा भक्ति की महिमा का विस्तार से प्रतिपादन किया। उन्होंने कहा कि संत वही है जिसके चरणों में बैठकर मनुष्य की समस्याओं का अंत हो जाए।

संत समाज को दिशा देने, जीवन में शांति स्थापित करने और ईश्वर से जोड़ने का कार्य करते हैं। रामभद्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यकाल में ऑपरेशन सिन्दूर के तहत पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने कहा कि यदि यह अभियान दो दिन और चलता तो पाक अधिकृत कश्मीर भारत में मिल जाता। उन्होंने बताया कि भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने दीक्षा के समय उनसे गुरु दक्षिणा देने की इच्छा व्यक्त की थी, तब उन्होंने कहा था कि उन्हें पाक अधिकृत कश्मीर पुनः भारत में चाहिए। रक्षामंत्री की ओर संकेत करते हुए रामभद्राचार्य ने कहा कि आप क्षत्रिय हैं और राष्ट्र की रक्षा का दायित्व आपके कंधों पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2029 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और राजनाथ सिंह पुनः रक्षा मंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा करेंगे। उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने तथा रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किए जाने की मांग भी उठाई। लगभग 376 ग्रंथों के रचयिता रामभद्राचार्य ने कहा कि उन्हें ऋग्वेद से लेकर हनुमान चालीसा तक लगभग डेढ़ लाख पृष्ठ कंठस्थ हैं किंतु रामचरितमानस जैसा ग्रंथ उन्हें कहीं दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की अवधारणा मानस में समाहित है और राम राष्ट्र के मंगल के प्रतीक हैं। अपने संबोधन में भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वे पिछले 30-32 वर्षों से जगद्गुरु रामभद्राचार्य को जानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्मरण शक्ति और विलक्षण प्रतिभा उन्होंने विश्व में कहीं नहीं देखी। यह सामान्य साधना का परिणाम नहीं बल्कि परमात्मा की विशेष कृपा का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के लिए ऐसा अधिनियम पारित कराया था जिसके अंतर्गत जगद्गुरु रामभद्राचार्य को आजीवन कुलाधिपति बनाया गया। यह अपने प्रकार का देश का पहला निर्णय था। राजनाथ सिंह ने कहा कि आध्यात्मिक व्यक्ति वही होता है जिसका मन बड़ा होता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। उन्होंने कहा कि बड़े मन की यही विशेषता उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य में देखी है। उन्होंने यह भी कहा कि जगद्गुरु ने जब-जब उन्हें आशीर्वाद दिया वह आशीर्वाद पूर्ण हुआ।

परंपरा की वेदी पर बलि चढ़ रहे पौधे

शादियों में मंडप के नाम पर अंधाधुंध कटान, वन विभाग बेबस

रमेश यादव

दुद्धी (सोनभद्र)। भारत में शादियों का सीजन आते ही हर तरफ शहनाइयों की गूंज सुनाई देने लगती है। लेकिन इस मांगलिक उत्सव के पीछे पर्यावरण विनाश की एक डरावनी तस्वीर भी छिपी है। सनातन परंपरा और सगुन के नाम पर हर साल हजारों हरे-भरे और अविकसित पौधों की बेरहमी से बलि दी जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक, केवल एक जोड़े की शादी के लिए लगभग 28 छोटे-बड़े पौधों को काट दिया जाता है। शादी के मंडप और मड़वे को सजाने के लिए इन मासूम पौधों की लकड़ियों का इस्तेमाल होता है, जिसके कारण हमारा पर्यावरण लगातार खोखला हो रहा है।

परंपरा की आड़ में पर्यावरण से खिलवाड़

शादी-विवाह में मड़वा गाड़ने की रस्म बेहद पुरानी है। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में आज भी यह मान्यता है कि मंडप के लिए जंगल से ताजी हरी लकड़ियां और महुए, सिधौत या बांस के नवजात पौधे लाना शुभ होता है। इसी अंधविश्वास और तथाकथित श्सगुनश के फेर में लोग जंगलों का रुख करते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मंडप बनाने के लिए उन पौधों को निशाना बनाया जाता है जो अभी पूरी तरह विकसित भी नहीं हुए हैं। जिन पौधों को बड़ा होकर विशाल पेड़ बनना था और पर्यावरण को ऑक्सीजन देनी थी, उन्हें शादी के चंद घंटों के परम्परा निर्वहन के लिए काट कर फेंक दिया जाता है।

अकेले सोनभद्र में हजारों पौधों की बलि

सोनभद्र जिला अपनी प्राकृतिक संपदा और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। लेकिन शादियों के सीजन में यहां के जंगलों पर चैतरफा हमला होता है। दुद्धी समेत आसपास के क्षेत्रों में हर साल हजारों शादियां होती हैं। यदि एक शादी में 28 पौधों के कटान का औसत निकाला जाए, तो केवल एक सीजन में ही लाखों अविकसित पेड़-पौधे नष्ट कर दिए जाते हैं। शादी संपन्न होने के बाद इन हरी लकड़ियों को कबाड़ या ईंधन की तरह जला दिया जाता है। यह परंपरा के नाम पर पर्यावरण के साथ किया जा रहा एक गंभीर अपराध है।

वन विभाग की लाचारी और बेबसी

जंगलों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाला वन विभाग इस कुप्रथा के सामने पूरी तरह बेबस नजर आता है। अधिकारियों का कहना है कि यह मामला सीधे तौर पर लोगों की धार्मिक भावनाओं और सामाजिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। जब वन कर्मी किसी को हरी लकड़ी काटते हुए पकड़ते हैं, तो शादी का सगुन और श्मांगलिक कार्यश का वास्ता देकर लोग विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। स्थानीय दबाव और लोक-लाज के कारण विभाग कड़ी कार्रवाई नहीं कर पाता, जिसका फायदा उठाकर लकड़ी माफिया और आम लोग धड़ल्ले से जंगलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

विकल्प मौजूद, बस सोच बदलने की जरूरत

सिविल बार एसो.दुद्धी सोनभद्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव एवं पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि इस विनाश को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने और जन जागरूकता फैलाने की सख्त जरूरत है। कृत्रिम और लोहे के मंडपरू आधुनिक दौर में शादियों के लिए लोहे, फाइबर या सजे-धजे टेंट के रेडीमेड मंडप आसानी से उपलब्ध हैं। इनका उपयोग बार-बार किया जा सकता है।

सूखी लकड़ियों का इस्तेमाल

यदि धार्मिक कारणों से लकड़ी का मंडप जरूरी ही है, तो जीवित पौधों को काटने के बजाय सूखी या गिरी हुई लकड़ियों का उपयोग किया जाना चाहिए।

एक शादी, पांच पौधे का संकल्प

वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यनारायण यादव का कहना है कि विवाह के बंधन में बंधने वाले जोड़ों को मंडप के नाम पर पौधे काटने के बजाय, अपनी नई जिंदगी की शुरूआत पांच नए पौधे लगाकर करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम आज भी परंपरा के नाम पर आंखें मूंदकर प्रकृति का सीना चीरते रहे, तो आने वाली पीढ़ियों के पास सांस लेने के लिए शुद्ध हवा भी नहीं बचेगी। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और जागरूक नागरिकों को आगे आकर इस कुप्रथा पर तुरंत रोक लगानी होगी, ताकि शादियों की खुशी प्रकृति के लिए मातम न बने।

संक्षेप

सड़क हादसे में प्रधानाचार्य की मौत

जौनपुर। मछलीशहर कस्बे से सटे गुजराती राम अभिलाष पब्लिक स्कूल सरायचंदन के प्रधानाचार्य नीरज सरोज की सड़क हादसे में मौत हो गई है। वे प्रयागराज के नैनी परीक्षा केंद्र में टीजीटी परीक्षा देकर घर लौट रहे थे, तभी बाबूगंज बाजार में उनकी बाइक पलट गई। बताते है कि नीरज सरोज सिकरारा थाना क्षेत्र के कुरनी (चेरईकापुरा) के निवासी थे और पिछले सात वर्षों से उक्त विद्यालय में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग की टीजीटी परीक्षा का फॉर्म भरा था और गुरुवार को इसी परीक्षा में शामिल होने के लिए बाइक से नैनी गए थे। विद्यालय के प्रबंधक श्याम नारायण बिंद ने बताया कि परीक्षा देकर घर लौटते समय एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में नीरज सरोज की बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर फूलपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नीरज सरोज के मोबाइल फोन से उनके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। परिजन गुरुवार रात में ही घटनास्थल पर पहुंच गए थे। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

ग्रामीणों ने ली जल संरक्षण की शपथ

मीरजापुर। जनपद के विभिन्न हिस्सों में जहां विश्व पर्यावरण पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए वही इससे कुछ अलग हट शुक्रवार 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत मनऊरए विकास खंड जमालपुर में पंचायत भवन पर जल जीवन मिशन गोठौराए जमालपुर के सिनियर इंजीनियर रविशंकर सिंह द्वारा अपनी टीम के सुपरवाइजर शिवम्ए ओमप्रकाश कौशलए सुनील गुप्ता एवं फीटर जगदीश कुमारए हेल्पर बाबुलालए कमलेश के साथ जल अर्पण दिवस समारोह 2026 का आयोजन किया गया। बता दें कि इस समय टीम के प्रयास से ग्राम पंचायत.मनऊर में पेयजल का आपूर्ति सुचारू रूप से किया जा रहा है।

13 अराजक तत्वों को किया गिरफ्तार

जौनपुर। थाना सिकरारा पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर अवैध गतिविधिया रंगबाजी , मनबढई एवं हिंसक पोस्ट करने वाले 13 अराजक तत्वों को शांति भंग में अन्तर्गत धारा गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया। पुलिस के अनुसार थाना सिकरारा पुलिस द्वारा भिन्न-भिन्न गाँवों से सोशल मीडिया पर अवैध गतिविधिया रंगबाजी , मनबढई एवं हिंसक भरी अक्रामक पोस्ट करने वाले अपराधिक कृत्यों मे सक्रिय 13 अराजक तत्वों को शान्ति भंग के दृष्टिगत वाजिद अलि पुत्र वदुल्ला आजमी , सहनवाज पुत्र मुस्ताक , मु0अस्फाक पुत्र इम्तियाज निवसीगण कस्वा मछलीशहर थाना मछलीशहर , जयप्रकाश यादव पुत्र धीरज लाल यादव , रोशन पुत्र गुल्लू यादव , अखिलेश यादव पुत्र बबऊ यादव , साहिल बिन्द पुत्र सन्तोष बिन्द निवासीगण कसनही थाना सिकरारा , मोहित गौड़ पुत्र रामसूरत गौड, आनन्द गुप्ता पुत्र राघ, विनोद बिन्द पुत्र अशोक कुमार बिन्द उम्र 26 वर्ष निवासीगण मधईपुर थाना सिकरारा , शनि यादव पुत्र बिहारी यादव निवासी गहनी थाना सिकरारा , अरुन कन्नौजिया पुत्र बाबूराम , विशाल कन्नौजिया पुत्र मंगल कन्नौजिया निवासी 26 वर्ष निवासी मलसिल थाना सिकरारा का चालान न्यायालय भेजा।

एनटीपीसी विंध्याचल हुआ पौधरोपण

सोनभद्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा विंध्य अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख (विंध्याचल) संजीब कुमार साहा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एजे राजकुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), एम. सुरेश, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम), एस.के. सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), डॉ. बीके भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा) तथा रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) सहित विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, उनके परिजन एवं लगभग 150 जेम-2026 की बालिकाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुई। कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल परिसर में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर हरित आवरण बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संजीब कुमार साहा ने कहा कि ह्वआज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ह्वकार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। शपथ का वाचन संजीब कुमार साहा, परियोजना प्रमुख (विंध्याचल) द्वारा अंग्रेजी में तथाएम. सुरेश, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम) द्वारा हिंदी में कराया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति ने किया पौधरोपण

जौनपुर। पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भवन परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने अशोक का पौधा लगाकर किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुलपति ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य प्रदान कर सकती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया। डॉ. विनोद सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पांडेय, राधेश्याम सिंह, उत्कर्ष सिंह, शीलनिधि सिंह, सर्वेश यादव उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद शाखा आजमगढ़ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

आजमगढ़। भारत विकास परिषद शाखा आजमगढ़ के तत्वाधान मे भोलाघाट पर संगठन सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संगोष्ठी कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रांतीय जिला समन्वयक बद्री प्रसाद गुप्त ने कहा कि अपने आसपास के लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करें और उन्हें स्वच्छ आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करें। प्रांतीय सहसंयोजक संस्कार सीताराम पांडे ने कहा कि हम सभी प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लें। संगठन अध्यक्ष डॉ देवेश दूबे ने कहा कि पेड़ पौधे जीवन का आधार है, इससे ही हमारी धरती का श्रृंगार है, हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए। डॉ नेहा दूबे ने बताया की प्लास्टिक का बहिष्कार करें, पानी बिजली के अपव्यय से बचें और कचरे का सही तरीके से निपटान करें। पर्यावरण गतिविधि संयोजक गोविंद दूबे के नेतृत्व में पर्यावरण दिवस कुशलता पूर्वक संपन्न हुआ। कौशल कुमार राय ने सभा का संचालन किया। संगठन द्वारा लोगों में अनेकों पौधा वितरित किया गया जिससे वह उसे सुरक्षित जगह पर लगाकर उसकी देखभाल कर सके। इस अवसर पर डॉ नेहा दूबे, पंकज पाठक, डॉ आर पी पांडे, महिला सहभागिता दीपशिखा पांडे, पवन अग्रवाल, विश्वनाथ अग्रवाल, भानु प्रताप सिंह, अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खाद्यान्न कालाबाजारी में कोटेदारों पर केस दर्ज

आजमगढ़। जनपद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गरीबों को वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न की कालाबाजारी के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई जांच में दो उचित दर विक्रेताओं द्वारा सरकारी खाद्यान्न और चीनी की कालाबाजारी किए जाने का मामला सामने आया है। दोनों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3ध्7 के तहत संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार विकास खंड अहिरौला की ग्राम पंचायत भटौली के उचित दर विक्रेता रामप्रीत यादव की दुकान की जांच पूर्ति निरीक्षक अहिरौला द्वारा की गई। जांच में पाया गया कि अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निरूशुल्क वितरण के लिए आवंटित 20.94 क्विंटल गेहूं तथा 63.51 क्विंटल चावल की कालाबाजारी कर दी गई। मामले में जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद थाना अहिरौला में रामप्रीत यादव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसी प्रकार विकास खंड एवं तहसील मेंहनगर के ग्राम पंचायत पलिया सोफिगंज के उचित दर विक्रेता कल्पनाथ राजभर की दुकान की जांच में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच के दौरान 16.73 क्विंटल गेहूं, 57.38 क्विंटल चावल तथा 9 किलोग्राम चीनी का स्टॉक अभिलेखों के अनुरूप नहीं मिला। आरोप है कि उक्त खाद्यान्न और चीनी की स्वहित में कालाबाजारी की गई, जो उत्तर प्रदेश आवश्यक वस्तु (विक्रय एवं वितरण के नियंत्रण का विनियमन) आदेश-2016 का स्पष्ट उल्लंघन है। जिलाधिकारी के अनुमोदन के अनुपालन में पूर्ति निरीक्षक मेंहनगर द्वारा थाना मेंहनगर में कल्पनाथ राजभर के खिलाफ भी आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है।

प्रदेश की जनता को पहले से अधिक मिल रही है बिजली :ऊर्जा मंत्री

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एण्केण् शर्मा शुक्रवार को विंध्याचल धाम पहुंचे। मां विंध्यवासिनी मंदिर में विधि.विधान से दर्शन.पूजन किया और प्रदेशवासियों की सुख.समृद्धि की कामना की। कहा कि प्रदेश की जनता को पहले से अधिक बिजली मिल रही है। मीडिया से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री ने स्मार्ट मीटर को पोस्टपेड मीटर में बदले जाने संबंधी चचाओं को पुराना विषय बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद प्रदेश में बिजली व्यवस्था पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हुई है और उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली मिल रही है। मंत्री ने बताया कि आंधी.तूफान या तकनीकी फॉल्ट जैसी परिस्थितियों को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन लगभग 20 घंटे तथा शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को लेकर कोई समस्या या तकनीकी बाधा है तो उसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जाए। सरकार और विभाग ऐसी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं और जहां भी दिक्कतें सामने आएंगीए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर कराया जाएगा। विंध्याचल धाम में दर्शन.पूजन के दौरान ऊर्जा विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री के शर्मा जहां जनपद आगमन होने पर मीडिया के लोगो से मुखातिब होते हुएए प्रदेश की जनता को पहले से अधिक बिजली मिल रही है का दावा करते हुए आंधी.तूफान या तकनीकी फॉल्ट जैसी परिस्थितियों को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन लगभग 20 घंटे तथा शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की बात कर रहे थे वहीं नगर के कई हिस्सों में लोग ऊमश भरी इस गर्मी में उबलते हुए त्राहिमाम कर रहे थे। ऐसी स्थिति में जहां 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा हवा हवाई साबित होता हुआ दिखाई दिया।

आगामी पीढ़ियों की खुशहाली के लिए धरा को करें हरियालीयुक्त : डॉ पूनम तिवारी

आजमगढ़। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर नारी शक्ति संस्थान द्वारा नगर सहित ग्रामीणांचल तक पर्यावरण जागरुकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर 151 पौधों का वितरण कर ह्लह्लवृक्ष धरा के आभूषण हैं, जो करते दूर प्रदूषण हैह्लह्ल के जरिये जागरूकता की अलख जगाई गई।

इस मौके पर नारी शक्ति संस्थान की सचिव डा. पूनम तिवारी ने कहा कि वृक्ष धरा के भूषण हैं और जितना अधिक पृथ्वी पर हरियाली होगी उतनी ही आगामी पीढ़ियां सुरक्षित और खुशहाल होंगी इसीलिए हम न सिर्फ पौधे लगायें बल्कि बड़े होने तक उनकी पूरी देखभाल भी करें। संस्था विगत 16 वर्षों से व्यापक पैमाने पर जागरूक अभियान और पौधारोपण कार्यक्रम संचालित कर रही है। डॉ तिवारी ने आगे बताया कि पौधारोपण की कमी से आज प्रकृति हमे सचेत कर रही है। हमे चेत जाना चाहिए कि जब पर्यावरण संतुलित होगा तो मौसम हमारे अनुकूल रहेंगे और पर्याप्त मात्रा में वर्षा होगी अन्यथा जैसे तापमान आज संकट को बढ़ा रहा है उसी तरह और भी प्राकृतिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। नारी शक्ति संस्थान की तरफ से नगर के भंवरनाथ चैराहा एवं नरौली तिराहे पर आम, अमरूद, आंवला, नीम, नीबू आदि के पौधों का वितरण किया गया। संस्था अध्यक्ष मंजू उपाध्याय ने कहा कि हम सभी अच्छे वातावरण की बातें जरूर करते है लेकिन इसके लिए व्यापक कदम उठाने के प्रति हम उतने ही लापरवाह हैं। नारी शक्ति संस्थान ने पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण करने का जो निर्णय लिया वह सराहनीय हैं। आज ग्लोबल वार्मिंग से समूचा विश्व परेशान हैं लेकिन भारतीय संस्कृति पौधों को प्रकृति के रूप में पूजन अर्चन कर संरक्षण का काम करती है हमें फिर से अपनी संस्कृति को पर्यावरण के प्रति नई दिशा देने की आवश्यकता है। पौधावितरण करने वालों में सुधा तिवारी, दीपशिखा पांडेय, पूनम यशपाल, आभा अग्रवाल, अमिता श्रीवास्तव, अनामिका आदि नारी शक्तियां उपस्तिथ रहीं।

संगोष्ठी में हरी खाद के लिए उपलब्ध ढैंचा बीज की उपलब्धता के बारे में दी गयी जानकारी

मीरजापुर। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ;बीएचयूद्ध के दक्षिणी परिसर मीरजापुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र बरकछा में 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर खेत बचाओ अभियान का शुभारंभ कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में किया गया। गोष्ठी में उपस्थित मंचाशीन अतिथियों और किसानों ने सर्वप्रथम भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रो श्रीराम सिंहए अध्यक्षए कृषि विज्ञान केन्द्र बरकछाए मीरजापुर ने सभी अतिथिगण और उपस्थित किसान समुदाय का स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो श्रीराम सिंह ने खेत बचाओ अभियान की रूपरेखाए खेत की मिट्टी की जांचए मृदा स्वास्थ्य कार्ड और उससे होने वाले लाभए हरी खाद के लिए सनईए ढैंचाए लोबियाए मूंगए उर्द आदि दलहनी फसलों की बुवाई और समय से पलटकर खेत में सडाने के बाद खरीफ की फसलों की बुवाई के साथ ही जैविक उर्वरकए कम्पोस्ट खाद का अधिक से अधिक प्रयोग करने की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में विकेश पटेल उप कृषि निदेशक मीरजापुर ने कृषि द्वारा संचालित किसानोपयोगी योजनाओं और जनपद में खरीफ फसलों के साथ ही हरी खाद के लिए उपलब्ध ढैंचा बीज की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में किसानों के सवालों का जवाब और सम सामयिक जानकारी भी प्रदान की गई। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

योगी के जन्मदिन को सेवा संस्कार और पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाया

मीरजापुर। हिंदू युवा वाहिनी के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अष्टभुजा स्थित माँ पीताम्बरा देवी मंदिर परिसर में भव्य धार्मिक एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके उपरांत मंदिर के पुजारी रंगनाथ दास द्वारा विधिवत आरती कर योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। पूजा अर्चना के पश्चात पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। इनके संरक्षण एवं संवर्धन से ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान जिला संयोजक ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिन को सेवा संस्कार और पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाना संगठन की परंपरा है हम सभी कार्यकर्ता उनके उत्तम स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना के साथ मां पीतांबरा से प्रार्थना करते हैं कि 2027 के चुनाव में पूज्य महाराज पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनें। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर पूज्य योगी के जन्मदिवस को उत्साह पूर्वक मनाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कड़े शंकर पांडेए सुनील सिंहएपवन मालवीयए मनोज जायसवालए दिलीप पांडेए श्याम सोनीए अंकज मिश्राए शिवम श्रीवास्तवए जाह्नवी तिवारीए गोपाल मिश्राए संदीप उपाध्यायए शिव जायसवालए जतन सोनकरए प्रिंस जायसवालए संतोष आदि उपस्थित रहे।

54 दिव्यांगजनों को वितरित कीं ट्राइसाइकिलें

जौनपुर(मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्था परिश्रम द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह एवं सचिव एडवोकेट अखिलेश चैबे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में 54 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल तथा 54 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों ने एक पेड़ मा के नाम लगाकर पौधरोपण किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद के.पी. सिंह ने कहा कि यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस को जनसेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना एक सराहनीय पहल है। इससे समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश जाता है।संस्था के अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन पर देशभक्ति गीतों की मधुर धुनों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। डीजे पर बज रहे राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत गीतों के बीच दिव्यांगजन अपनी नई ट्राइसाइकिलों पर तथा छात्राएं अपनी साइकिलों के साथ एक कतार में आगे बढ़ती दिखाई दीं। यह दृश्य उपस्थित लोगों के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा। पूरे परिसर में उत्साह, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, सुरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व विधायक, हरेन्द्र प्रसाद सिंह पूर्व विधायक जफराबाद, सुषमा पटेल पूर्व विधायक, प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सरकार की नीतियों के खिलाफ सपा का धरना-प्रदर्शन

जौनपुर। सपा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक तथा कथित फर्जी एनकाउंटर जैसे मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए विरोध दर्ज कराया। धरने को संबोधित करते हुए सपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश और देश में लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। खाद्य पदार्थों, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।वक्ताओं ने बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती नहीं की जा रही है और जो भर्तियां निकलती हैं, उनमें भी अनियमितताओं तथा पेपर लीक की घटनाओं के कारण युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बार-बार लीक होने से लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत पर पानी फिर रहा है और युवाओं का सरकार से विश्वास उठता जा रहा है।सपा नेताओं ने प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे आम जनता को न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने प्रदेश में हुए कथित फर्जी एनकाउंटरों की निष्पक्ष और न्यायिक जांच कराए जाने की मांग उठाई। सपा के जिलाध्यक्ष राकेष मौर्य, मुंगराबादशाहपुर विधायक पंकज पटेल, मल्हनी विधायक लकी यादव, मछलीशहर विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर, पूर्व विधायक मड़ियाहू श्रद्धा यादव, पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ वृहद पौधरोपण

- घोरावल के तिलौली कला में डीएम व जनप्रतिनिधियों से संयुक्तरूप से किया पौधरोपण

जिला संवाददाता (vol)

सोनभद्र। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05 जून से 21 जून 2026 तक आयोजित समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद सोनभद्र में ह्यह्यएक पेड़ माँ के नामह्लह्ल अभियान का शुभारम्भ किया गया। जनपद के विभिन्न स्थलों पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत विकास खण्ड घोरावल के तिलौली कला में आयोजित कार्यक्रम में विधायक घोरावल डॉ० अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधायक सदर भूपेश चैबे, ब्लॉक प्रमुखगण, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता की। जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। गौरतलब है कि पौधारोपण महाअभियान के तहत जिले में 1,61,69,686 पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें 10, 21, 8000 लाख पौधों का रोपण वन विभाग द्वारा किया जाएगा, शेष 5,951,686 लाख पौधों का रोपण 22 अन्य विभागों द्वारा किया जाएगा। पौधारोपण के महा अभियान के तहत सड़कों को छायादार बनाने के लिए भी सड़कों के दोनों तरफ अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया।

पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

जौनपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि और अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अरूण कुमार कन्नौजिया द्वारा परिसर में छायादार पौधा लगाकर की गई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। अस्पताल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर पौधों का होना मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए भी सकूनदेह साबित होता है। पप्पू सरोज, चीफ फार्मासिस्ट सुनील कुमार सिंह, रणजीत जैसवार, हरिवंश कुमार राम, लैब टेक्नीशियन प्रमोद कुमार और वार्ड ब्वॉय राम सिंगार सहित कई स्वास्थ्यकर्मी और नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षेप

पर्यावरण दिवस पर नगर निगम मुख्यालय में हुआ पौधरोपण

मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज भूतेश्वर स्थित नगर निगम मुख्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जग प्रवेश, पार्षदगणों, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह आदि अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि वृक्ष प्रकृति के अमूल्य उपहार हैं, जो न केवल हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने, वायु प्रदूषण को कम करने, भूजल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा पृथ्वी को हरित एवं सुरक्षित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में बढ़ते शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों के दृष्टिगत वृक्षारोपण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिससे वे विकसित होकर पर्यावरण को वास्तविक लाभ प्रदान कर सकें।

प्रभारी मंत्री को पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

मथुरा। वृंदावन कोतवाली में पत्रकारों को कथित रूप से गोली मारने की धमकी दिए जाने और पुलिस द्वारा समय रहते प्रभावी कार्रवाई न करने के आरोपों को लेकर पत्रकारों का आक्रोश अब शासन स्तर तक पहुंच गया है। गुरुवार शाम पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मथुरा के प्रभारी मंत्री एवं बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से मुलाकात कर उन्हें विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि घटना के बाद भी घंटों तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे पत्रकारों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। ज्ञापन के माध्यम से शिखा शर्मा, प्रकाश शर्मा, दीपक शर्मा उर्फ सैंडी तथा काजल दास के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही थाना प्रभारी संजय पांडेय की संपत्तियों की जांच कराने और आरोपितों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच कर पूरे मामले की निष्पक्ष पड़ताल कराने की मांग भी उठाई गई। पत्रकारों का आरोप है कि संरक्षण मिलने के कारण आरोपितों के हौसले बुलंद हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि यदि थाने के भीतर ही पत्रकारों को धमकियां मिलें और कार्रवाई न हो, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं बल्कि लोकतंत्र के चैथे स्तंभ और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी गंभीर प्रहार है। पत्रकारों ने कहा कि उन्हें न्याय के साथ-साथ सुरक्षित माहौल में कार्य करने का अधिकार मिलना चाहिए। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मंत्री संदीप सिंह ने निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। मौके पर मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार को उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वृक्ष धरा का भूषण, दूर करते हैं प्रदूषण: डीएम

मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) के परिसर में कुलपति डॉ0 अभिजित मित्र, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल ने पौधरोपण किया। कुलपति डॉ0 अभिजित मित्र ने बेल का पौधा लगाया, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने आम का पौधा लगाया तथा डीएफओ श्री वेंकट श्रीकर पटेल ने शहतूत का पौधा लगाया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) के परिसर कुलपति डॉ0 अभिजित मित्र जी ने सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं, प्रोफेसरों एवं अन्य स्टाफ को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। कुलपति डॉ0 अभिजित मित्र, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल ने विश्विद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया कि वेटनरी यूनिवर्सिटी के परिसर में 384 फलदार पौधे लगाए गए है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर सपूर्ण जनपद में 6 लाख 17 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त कार्य हेतु विभिन्न विभागों को वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया गया है। डीएम ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला।

डीएम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वेटनरी यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम के बाद डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपणकिया।

जमुनापार में दो बाइकों की भिड़ंत, तीन युवकों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र के अंतर्गत अजय नगर के समीप आज शाम एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह दर्दनाक दुर्घटना शुक्रवार शाम करीब 4:15 बजे अजय नगर के पास हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और उन पर सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और राहत कार्य में जुट गए। इस हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवकों की शिनाख्त हो गई है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के नाम सौरभ शर्मा (पुत्र मुकेश शर्मा) निवासी गोकुल, गोपी (पुत्र राकेश) निवासी अजय नगर, छोटू (पुत्र सुरेश) निवासी गोपालपुर शामिल है जबकि घायलों में पीयूष (पुत्र राजकुमार), ऊदल (पुत्र विनोद शर्मा) निवासीगण गोकुल है। घटना की सूचना मिलते ही थाना जमुनापार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। हादसे के बाद से पीड़ित परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

जिला न्यायाधीश ने किया पोधरोपण

मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा विकास कुमार की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय परिसर, मथुरा में समस्त न्यायिक अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 10.30 बजे जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा विकास कुमार तथा अन्य न्यायिक अधिकारीगण द्वारा जनपद न्यायालय परिसर, मथुरा में वृक्षारोपण किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा श्रीमती अनीता सिंह द्वारा ह्यविश्व पर्यावरण दिवसह्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वृक्षों की उपयोगिता के सम्बंध में बताया गया तथा सभी से अपील की गई कि साफ-सफाई का ध्यान रखते हुए पर्यावरण को संरक्षित रखने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं और उनका संरक्षण करें, जिससे हमे व आने वाली पीढ़ियों स्वच्छ वातावरण में स्वास्थ्यवर्धक सॉस ले सकें।

प्रेम विवाह का खौफनाक अंत: पहले पत्नी को मारी गोली, फिर खुद की भी उड़ायी खोपड़ी

मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र स्थित सूर्य नगर कॉलोनी में गुरुवार की रात पारिवारिक विवाद के चलते पति ने पहले पत्नी को गोली मारी और फिर खुद को भी गोली से उड़ा दिया। दोनों की मौत से कॉलोनी में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के दतिया जिले के बसई थाना क्षेत्र के कंधारी गांव की रहने वाली पोखन (23) ने छिबरामऊ, भेल झांसी के रहने वाले मिथुन (27) से पांच साल पहले लव मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद दोनों अलग-अलग रहने लगे। पोखन गोंडा में किसी स्पा सेंटर में काम करने लगी थी। मिथुन भी झांसी में ही काम करता था। 8 दिन पहले पोखन अपनी सहेली रागिनी के यहां मथुरा आई थी। रागिनी गोवर्धन रोड स्थित सूर्यलोक कॉलोनी में किराये के मकान में रहती है और पार्लर में काम करती है। पोखन ने भी वहीं काम करना शुरू कर दिया। मिथुन उसकी तलाश में मथुरा पहुंच गया।

गुरुवार को ब्यूटी पार्लर से लौटते समय पोखन व रागिनी का पीछा करते हुए मिथुन उनके घर पहुंच गया। यहां पति पत्नी में विवाद हुआ। रागिनी ने दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों नहीं माने। इसके बाद रागिनी अपने कमरे में चली गई। रात लगभग 9 बजे मिथुन ने अचानक तमंचा निकाला और पत्नी के सिर में गोली मार दी। इसके बाद खुद ने भी कनपटी पर गोली मारकर जान दे दी। गोली की आवाज सुनकर मकान मालिक खेमचंद और रागिनी बाहर निकल आए। देखते ही देखते आसपास अफरा तफरी मच गई। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद सामने आया है। दोनों के परिजन को सूचना दे दी है। साथ ही घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर तमंचा पड़ा मिला है, जिसके भीतर एक खोखा था और एक खोखा पास ही में पड़ा था। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बरसाना थाने में आधी रात हाई वोल्टेज ड्रामा, गाली गलौज

मथुरा। बरसाना थाने में देर रात उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया जब कैबिनेट मंत्री के भतीजे और प्रतिनिधि नरदेव चैधरी अपने एक समर्थक को पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर थाने पहुंच गए। मामले ने इतना तूल पकड़ा कि पुलिस और मंत्री प्रतिनिधि के बीच तीखी बहस हुई। पुलिस से गाली गलौज की गयी। इतना ही नहीं दरोगा को थाने में छुपना पड़ गया। पुलिस का दावा है कि आरोपी अवैध खनन करते पकड़ा गया था, जबकि दूसरे पक्ष ने पुलिस पर अवैध वसूली और मारपीट के आरोप लगाए हैं। बरसाना पुलिस ने इस मामले में सरकारी काम में बाधा डालने और अवैध खनन सहित कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। घटना बरसाना थाना क्षेत्र के कमई गांव की है।

पुलिस के अनुसार कमई-करहला गांव के बीच गौशाला के पास अवैध रूप से मिट्टी का खनन किया जा रहा था। इस सूचना पर पहुंचे उप निरीक्षक मदन सिंह ने एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। कमई गांव निवासी सूरजपाल को हिरासत में लिए जाने की खबर मिलते ही मंत्री के प्रतिनिधि और भतीजे नरदेव चैधरी आधी रात को अपने समर्थकों के साथ बरसाना थाने पहुंचे। थाने में करीब आधे घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला। खूब गाली गलौज हुयी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

- मंत्री के भतीजे पर आरोपी को कस्टडी से छुड़ाने का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर दरोगा मदनसिंह की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सूरजपाल सिंह, लखन सिंह और पांच-सात अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है जिसमें कहा है कि अवैध खनन की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने खनन अधिकारी को मौके से ट्रैक्टर, ट्रॉली, जेसीबी जब्त कर सीज कर दी। जब दरोगा थाने ट्रैक्टर ट्रॉली व जेसीबी लेकर थाने की ओर जा रहे थे तभी सूरजपाल सिंह और लखन सिंह ने उन्हें रोक लिया। पुलिस से गाली गलौज करते हुये अन्य लोगों को बुला लिया। दरोगा ने पुलिस बल को फोन कर बुलाया। ये दोनों लोग और इनके साथी दरोगा को धक्का मारकर गाली गलौज करते हुये भाग गये। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि गांव में सरकारी योजना के तहत अमृत सरोवर की खुदाई का काम चल रहा था, जिसे पुलिस ने जानबूझकर अवैध खनन बता दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्थापित हुआ त्रिस्तरीय औषधि वन

डीएम की अनूठी पहल

- 'एक पेड़ मां के नाम' महा-अभियान के तहत जनपद भर में हुआ वृहद पौधारोपण, डीएम ने रोपा मौलश्री का पौधा

फिरोजाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का एक अनूठा संदेश दिया गया। डीएम संतोष कुमार शर्मा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर धरा को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। इस विशेष अवसर पर जिलाधिकारी की अनूठी पहल के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में एक विशेष औषधि वन की स्थापना की गई। इस वन को बेहद वैज्ञानिक और सुव्यवस्थित तरीके से तीन महत्वपूर्ण भागों में विभाजित किया गया है, प्रथम भाग में स्वास्थ्य और जीवन रक्षक गुणों से भरपूर औषधीय पौधे रोपे गए हैं। द्वितीय भाग में यहाँ ऐसे छायादार और घने वृक्ष लगाए गए हैं, जहाँ पक्षी सुगमता से अपने घोंसले बनाकर प्रवास कर सकें। तृतीय भाग में परिसर के सौंदर्य और प्राकृतिक संतुलन को बढ़ाने के लिए सुंदर लता युक्त बेलों वाले पौधों को स्थान दिया गया है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और अधिकारियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास केवल वन क्षेत्र को विस्तृत करना नहीं है, बल्कि एक ऐसा जैव-विविधता क्षेत्र विकसित करना है जो जल संरक्षण के लिए उपयोगी हो और पौधों में छिपी गुणकारी आयुर्वेदिक शक्तियां जन समुदाय के सामने आ सकें।

डीएम ने आगे कहा कि संपूर्ण जनपद में 'एक पेड़ मां के नाम' महा-अभियान पूरी आत्मीयता के साथ चलाया जा रहा है। अगर धरती को बचाना है और हरियाली युक्त करना है, तो हमें पौधों के साथ ठीक वैसा ही आत्मीय रिश्ता बनाना होगा जैसा एक मां का अपने बच्चों के साथ होता है। जिस तरह बच्चा अपनी मां से गहरा लगाव रखता है, उसी तरह हमें इन पौधों की देखभाल करनी होगी; तभी ये पौधे संरक्षित होकर आने वाले समय में हमारे पर्यावरण को संतुलित रखेंगे और हमारी प्राण-वायु बनेंगे। कार्यक्रम के दौरान डीएम द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में मौलश्री के पौधे का रोपण किया गया। अकी इस मुहिम से प्रेरणा लेते हुए जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों, सभी तहसीलों और सभी विकास खंडों ब्लॉकों में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के समस्त वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम संपन्न

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी मथुरा द्वारा जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मथुरा जिले की तीनों विधानसभा - मांट, बलदेव एवं छाता - के प्रत्येक बूथ पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि विधायकगणों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं बूथ पर कार्यकताओं और बूथ अध्यक्षों ने माँ के नाम एक पौधा लगाकर अभियान को सफल बनाया। सभी कार्यकताओं ने पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया। जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर यह अभियान पर्यावरण संरक्षण एवं मातृशक्ति के सम्मान का संगम है। मेरा बूथ, सबसे मजबूत के मंत्र के साथ प्रत्येक बूथ को हरा-भरा बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपाइयों किया पौधरोपण

टूंडला। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर ग्राम मोहम्दाबाद में वृक्षारोपण एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत भाजपाइयो द्वारा ग्राम मोहम्दाबाद में, फिर टूंडला ब्लॉक परिसर में, नगर पालिका परिसर में, सरस्वती शिशु मंदिर में पौधरोपण का कार्य किया गया इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी समस्त कार्यकताओं ने केक काटकर ओर पेड़ लगाकर ओर गौ माता को चारा खिलाकर मुख्यमंत्री योगी जी महाराज का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास से मनाया इसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह विधायक प्रेमपाल धनगर चेयरमैन भंवर सिंह ठेकेदार तीनों ने एक एक पेड़ लगाकर प्रकृति बचाओ पेड़ लगाओ का नारा बुलंद किया उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में करोड़ो पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है इसी क्रम में पचोखरा मंडल, शियर देवी मंडल वैष्णो देवी मंडल में पेड़ लगाने का कार्य किया गया लगाया इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह विधायक प्रेमपाल धनगर चेयरमैन भंवर सिंह ठेकेदार ब्लॉक प्रमुख सतीश बघेल, जिला उपाध्यक्ष शिव शंकर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नीलम दिवाकर, जिला मंत्री पवन चक, जिला सह संयोजक सोशल मीडिया सचिन जैन, रामतीर्थ चक सुशील पोनियां संजय परमार हनी जादौन मंडल अध्यक्ष नीरेश रावत मंडल अध्यक्ष अजीत जुरैल अंकित शर्मा दीपक ठेनुआ जुबिन भारद्वाज अग्रज जैन लोकेश जादौन आदि मौजूद रहे।

डीएम एसएसपी ने पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

फिरोजाबाद। आगामी पुलिस आरक्षी भर्ती को पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया, अधिकारियों ने परीक्षा की तैयारी और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए सबसे पहले दाऊ दयाल महिला पीजी कॉलेज, महात्मा गांधी पीजी कॉलेज और एमजी इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्लास रूम का भ्रमण कर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, गर्मी के मौसम को देखते हुए पीने के पानी साफ-सफाई व अन्य आवश्यक सुविधा का गहन अवलोकन किया, इसके साथ परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बनाए गए स्ट्रांग रूम व कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा मानको की जांच की। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरो की स्थिति को देखा और उन्हें हर समय सक्रिय रहने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

डायरिया से डर नहीं समीक्षा बैठक संपन्न 8 जून तक बनेंगे ओआरएस कॉर्नर

फिरोजाबाद। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा एवं डायरिया रोको अभियान की प्लानिंग बैठक आयोजित की गई। पीएसआईइंडिया और केनव्यू के सहयोग से हुई इस बैठक की अध्यक्षता सीएमओ डॉ. राम बदन राम ने की। सीएमओ ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों में डायरिया से होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आशा, संगिनी और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है और अब ई-रिक्शा व पैम्फलेट के जरिए इसका व्यापक प्रचारप्रसार किया जाएगा। बैठक के दौरान डीसीपीएम रवि कुमार ने सभी ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर को कड़े निर्देश दिए कि 8 जून 2026 तक सभी चिकित्सा इकाइयों पर अनिवार्य रूप से ओआरएस कॉर्नर बनाकर उसकी रिपोर्ट सबमिट करें। इसके साथ ही हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम की रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए जिला कार्यक्रम प्रबन्धक भानु प्रताप सिंह ने डेटा रिपोर्टिंग में सुधार लाने पर चर्चा की। शहरी स्वास्थ्य समन्वयक प्रवल प्रताप सिंह और डिवीजनल अर्बन हेल्थ कोर्डिनेटर इरशाद अहमद ने जोर दिया कि डायरिया की समय पर पहचान और यूपीएचसी पर ओआरएस व जिंक कॉर्नर की सक्रियता बच्चों की जान बचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

वृक्ष धरा के भूषण हैं, करते दूर प्रदूषण हैं

टूंडला। कृषक इंटर कॉलेज पचोखरा फिरोजाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसमें एक पेड़ माँ के नाम लगाया गया सभी स्वयंसेवकों ने पेड़ पौधे लगाए जिससे की हमारे आसपास शुद्ध वातावरण बन सके। व सभी पौधों में पानी दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रंगेश कुमार उपाध्याय ने सभी विद्यार्थियों को संदेश

दिया कि एक पेड़ अपने जीवन में अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करे, जिससे कि आने वाले समय में शुद्ध वायु, शुद्ध वातावरण हमें प्राप्त हो सके। एनसीसी अधिकारी अमित उपाध्याय ने बताया कि जिस तरह से एक बच्चे की देखभाल की जाती है इसी तरह से हमें अपने लगाए हुए पेड़ पौधों की भी देखभाल करनी चाहिए। सभी स्वयंसेवक, कैडेटों एवं शिक्षकों ने पेड़ लगाने की शपथ ली। कार्यक्रम प्रभारी सुनील कुमार जैन ने कहा कि वृक्ष है तो जीवन है, अतः हमें समय-समय पर वृक्षारोपण का कार्य करते रहना चाहिए, और दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

दीपक चतुर्वेदी बैंकर पुनः सिविल डिफेंस के सीनियर स्टाफ ऑफिसर बने

मथुरा। डीएम एवं नियंत्रक चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रभारी एडीएमनमामि गंगे नंद प्रसाद मौर्य एवं सहायक उप नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव की संस्तुति के बाद नागरिक सुरक्षा संगठन के स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन के पद पर दीपक चतुर्वेदी बैंकर को पुनः आगामी समय के लिए सेवा विस्तार दिया है। पुलिस महानिदेशक के डिस्क और प्रशंसा पत्र से सम्मानित दीपक चतुर्वेदी बैंकर को सिविल डिफेंस में लंबे कार्य अनुभव एवं पुलिस प्रशासन को समय-समय पर दिए जा रहे योगदान के चलते यह दायित्व दिया गया है। श्री बैंकर की नियुक्ति पर उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कश्मीर सिंह चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल बृजवासी डिप्टी चीफ वार्डन कल्यान दास अग्रवाल डिवीजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी डिप्टी डिवीजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

आवास प्लस सर्वे कार्य पात्रता सूची तैयार करने को कार्यशाला आयोजित

फिरोजाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत चल रहे आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की स्थाई पात्रता सूची तैयार करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में फिरोजाबाद जनपद के सभी खंड विकास अधिकारियों पंचायत सचिवों और पंचायत सहायकों ने प्रतिभाग किया। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण 2.0 के तहत आगामी 5 वर्षों (2024-25 से 2028-29) के लिए पात्रता सूची बनाई जा रही है। इस प्रक्रिया में असिस्टेड और सेल्फ सर्वे के माध्यम से जनपद में कुल 35,954 लाभार्थियों का सर्वे किया गया है, जिसमें असिस्टेड द्वारा 29,223 और लाभार्थियों द्वारा स्वयं 6,731 पंजीकरण शामिल हैं। मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्राप्त डेटा को डिलीशन मॉड्यूल के अंतर्गत दो भागों में बांटा गया है। अपात्रों का नाम हटाने डिलीट करने अथवा अपात्र से पात्र होने की दशा में 'रीचेक' का विकल्प आवास सॉफ्ट पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है।

विकास खंड स्तर से प्राप्त डेटा एंट्री और ड्राफ्ट प्रायोरिटी लिस्ट डाउनलोड करने के बाद सभी पंचायत सचिव अपनी ग्राम पंचायतवार सूची को ग्राम सभा की खुली बैठक में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करेंगे। किसी भी प्रकार की भिन्नता को दूर करते हुए बैठक की कार्यवाही को सचिव एवं प्रधान द्वारा हस्ताक्षर व मोहर सहित प्रमाणित किया जाएगा। उसी तिथि को डेटा अपडेट किया जाएगा तथा ग्राम सभा की कार्यवाही की प्रति एवं फोटो भी अपलोड की जाएगी। बैठक में सभी खंड विकास अधिकारी.पंचयात सचिव.एडीओ पंचयात आदि उपस्थित रहे।

मथुरा के बेरा जल शोधन संयंत्र में रोपे गये 101 पौधे

मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज बेरा (मथुरा) स्थित निमार्णाधीन जल शोधन संयंत्र में एक भव्य मंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इण्डियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन (आगरा सेंटर) एवं एपको इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आगरा जोन के मुख्य अभियन्ता इंजी. राकेश कुमार ने की। इस दौरान इण्डियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के निदेशक (प्रशासन) इंजी. के.सी. त्यागी के नेतृत्व में वृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसके तहत परिसर में 101 पौधे रोपे गए। उपस्थित अतिथियों ने भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प लिया। आगरा जोन के मुख्य अभियन्ता इंजी. राकेश कुमार ने विश्वभर में हो रहे जलवायु परिवर्तन पर गहरी चिंता

व्यक्त की। उन्होंने इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिये, हमारे भविष्य के लिये पर प्रकाश डालते हुए कहा अब समय आ गया है कि पर्यावरण संरक्षण को केवल एक आयोजन न मानकर इसे एक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। हमें अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रकृति आधारित समाधानों को अपनाना ही होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मथुरा के अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) नन्द किशोर मौर्य ने व्यक्तिगत और सामूहिक जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने का काम केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और जन-सहभागिता को बढ़ाना होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के इस विशेष मौके पर जल निगम ग्रामीण (मथुरा) द्वारा पूरे जनपद की विभिन्न ग्रामीण पेयजल योजनाओं में भी व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। सहायक अभियन्ता इंजी. आर.के. सिंह, सहायक अभियन्ता इंजी. अमर सिंह तथा जूनियर इंजीनियर सुधीर भारद्वाज व अनस इस्लाम के पर्यवेक्षण में विभिन्न परियोजना स्थलों पर कुल 1001 पौधों का रोपण किया गया। इस मंडल स्तरीय कार्यक्रम में जल निगम ग्रामीण के पूर्व मुख्य अभियन्ता इंजी. पी.के. खण्डेलवाल, इंजी. सुनील कुमार गुप्ता, इंजी. आर.के. अग्रवाल एवं इंजी. कमल कुमार ने भी अपने विचार साझा किए और वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक अभियन्ता भूपेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। एपको इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विनय कुमार सिंह एवं परियोजना प्रबंधक अशोक कुमार ठाकुर ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन

विधायक व सीडीओ ने ब्रह्मांड घाट पर स्वच्छता श्रमदान, प्लास्टिक मुक्त अभियान, पोधरोपण

मथुरा। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में 5 से 21 जून 2026 के मध्य समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के तहत आज 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की अपील के अनुसार पूरे जनपद में एक पेड़ मां के नामवृहद अभियान के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया गया। विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, सीडीओ डॉ0 पूजा गुप्ता, उप डीएममहावन ऊषा सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, बीडीओ नेहा आदि द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकास खण्ड बल्देव की नूरपूर ग्राम पंचायत में ब्रह्मांड घाट पर यमुना जी के किनारे स्वच्छता श्रमदान, प्लास्टिक मुक्त अभियान, वृक्षारोपण एवं यमुना आरती की गई। विधायकने विधि विधान से पूजा अर्चना की तथा यमुना आरती की। विधायक ने कहा कि जिस प्रकार से मां हमें जीवन की हर विपरीत परिस्थितियों से बचाती है तथा मां की गोद में बच्चे को आंचल से सुकून मिलता है, उसी तरह से पेड़ भी हमें धूप, बारिश में अपनी छांव से संरक्षण देते है और ऑक्सीजन प्रदान कर हमें जीवन भी प्रदान करते है। सीडीओडॉ0 पूजा गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन और प्रदूषण की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण किसी वरदान से कम नहीं है और यह आने वाले भविष्य को मजबूत बुनियाद देने वाला है।

मानसून की अनिश्चितता

इस साल मानसून को लेकर जो भविष्यवाणी आईएमडी और अन्य एजेंसी ने की है उससे किसानों के साथ ही देश की चिंता भी बढ़ गयी है। अलनीनो का प्रभाव वर्षा की मात्रा पर पड़ने की संभावना है और इस कारण औसत वर्षा 95 फीसद या इससे भी कुछ होने की आशंका है। अगर 95 फीसद वर्षा भी हो जाती है, तो भी किसान कुछ हद तक खरीफ सीजन में कृषि उत्पादन को सामान्य बनाये रखेंगे। लेकिन अगर वर्षा 95 फीसद से भी कम हुई तो उत्पादन में भी दिक्कत आयेगी और किसान की लागत भी बढ़ेगी क्योंकि सिंचाई पर उन्हें अधिक खर्च करना पड़ेगा। फिलहाल उत्तर भारत में मानसून का इंतजार है। यह इंतजार कृषि कार्य के लिए भी है और गर्मी से राहत पाने के लिए भी है। क्योंकि जैसे ही तापमान 40-42 डिग्री से ऊपर निकलता है, तो भीषण गर्मी, बिजली कटौती में जीना मुहाल हो जाता है। अग्निकांड की घटनाएं भी बहुत बढ़ जाती है जिससे बड़ी संख्या में मौतें होती हैं। उत्तर प्रदेश में पारा 44-45 डिग्री तक पहुंचग या है। दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में हालत और खराब है। राजस्थान में तो 47 डिग्री के ऊपर तक पहुंच गया है। जून का महीना उत्तर भारत में सबसे परेशानी वाला होता है। भीषण गर्मी, बिजली कटौती और उमस में उबलते लोगों का एक-एक दिन बीतना कठिन हो जाता है। गर्मी का सितम हर साल बढ़ रहा है। इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग है। ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा होती रहती है लेकिन इससे बचने के लिए कोई ठोस उपाय वैश्विक स्तर पर देखने को नहीं मिलते हैं। ऊपर से ट्रंप जैसे नेताओं के कारण ग्लोबल वार्मिंग का संकट और जटिल हो गया है। ट्रंप का प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण, कॉर्बन उत्सर्जन जैसी चीजों से कोई सरोकार नहीं है। वे जैसे-तैसे दुनिया भर की विलासिता और संसाधन अमरीका के लिए खींच लेना चाहते हैं। ऐसी छोटी सोच के नेताओं के कारण फिलहाल निकट भविष्य में ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती

से निपटने के लिए कोई वैश्विक प्रोटोकॉल विकसित होगा ऐसी संभावना कम ही है। प्रचंड गर्मी के कहर से बचने के लिए सभी देशों विशेषकर भारत को अपने स्तर पर प्रयास करना होगा। इसके लिए जीवाश्म ईंधन के उपयोग को सीमित करने के साथ ही धरती को हरियाली से भरना होगा। बहरहाल यह सब तो दीर्घकालीन उपाय हैं और इनको कब आगे बढ़ाया जायेगा यह सरकार और समाज के जिम्मे है। लेकिन प्रचंड गर्मी जो सिर पर है और हर दिन लोगों को झुलसने-उबलने के लिए विवश कर रही है, उससे बचाव मानसून आने पर ही होगा। प्रचंड गर्मी में ऊर्जा की मांग बहुत बढ़ जाती है जिसके कारण आपूर्ति को सामान्य बनाये रखना कठिन हो जाता है। संभवतः यही कारण है कि ऊर्जा मंत्रालय ने एयरकंडीशनर के नये मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नये मानक बनाकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। लू और हीट स्ट्रोक जानलेवा बन गये हैं। बीते साल 18 जून तक लू (हीट स्ट्रोक) के 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे और बड़ी संख्या में लोगों की मौतें हुई थीं। शायद यही कारण है कि मौसम विभाग लगातार रेड, येलो, ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस धधकते, तपते मौसम में सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले कामगारों के लिए है। भारत में 65-70 फीसदी कामगार इस भीषण गर्मी में भी काम करने को विवश हैं, क्योंकि उनका घर-परिवार दिहाड़ी पर ही चलता है। इस संदर्भ में पिछले साल राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए थे कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। राज्य सरकारों एवं स्थानीय निकायों को इसका पालन करना चाहिए और गर्मी से बचाव के लिए मानसून आने तक अपने स्तर पर जरूरी प्रबंध करना चाहिए। मानसून आमतौर पर जून में आ जाता है, लेकिन इस साल मानसून को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

विचार

जिस दिन कोई संत अतिथि रूप में आता है, उस दिन आतिथेय को उसके दर्शन से उतना पुण्य मिलता है, जितना करोड़ों तीर्थ-स्थान से प्राप्त होता है।

-सूरदास.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रु पर विजय पायी जा सकती है।

-गेटे.

पुस्तकों का मूल्य रत्नों से भी अधिक है। क्योंकि रत्न बाहरी चमक-दमक दिखाते हैं जबकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्ज्वल करती हैं।

-महात्मा गांधी.

ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमी हैं, जो अपनी आंख पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। करेगा।

-स्वामी विवेकानन्द.

समग्र और संतुलित जनसंख्या नीति जरूरी

संजय श्रीवास्तव

> देश के दक्षिणी राज्य के नेता, लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आह्वान कर रहे हैं, तो बाकी लोग जनसंख्या को देश की सभी असुविधा, विसंगतियों का मूल मानते हैं और कम बच्चे पैदा करने के हिमायती हैं। अफ्रीकी देशों के अलावा भारत सहित दुनिया में प्रजनन दर घट रही है। ज्यादातर देश इसे लेकर चिंतित हैं तो अपने देश में इस मामले में प्रसन्नता और चिंता की मिश्रित प्रतिक्रिया है।

कई साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपील की थी, देश की बड़ी आबादी देश के विकास में बाधा बन रही है। राज्य सरकारें इस समस्या से निजात के लिए जनसंख्या नियंत्रण की राष्ट्रीय नीति का कठोरता से पालन करवाएं। वर्तमान का सत्य यह है कि सरकार को समर्थन देने वाले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्यवासियों से अपील की है कि वे ज्यादा बच्चे पैदा कर जनसंख्या बढाएं। यह अप्रत्याशित लगता है क्योंकि दशकों जनसंख्या वृद्धि बड़ी चुनौती मानकर केंद्र और राज्य सरकारें इसके नियंत्रण पर जोर देती रही हैं परंतु आज आंध्र ही नहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी चंद्रबाबू की तरह लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील कर रहे हैं। संभव है कल ऐसी ही अपीलें केरल, कर्नाटक तथा तेलंगाना में भी सुनी जाएं और सिक्किम, गोवा, अंडमान, लद्दाख जैसे कई दूसरे प्रदेश भी इनके साथ सुर मिलाएं और जनसंख्या नीति के प्रति अपनी दिशा बदल लें।

वे ऐसे कानून प्रस्तावित करें जिसके अनुसार दो या उससे ज्यादा बच्चे वाले लोगों को ही सरकारी लाभ मिल सकें। सच तो यह है कि दक्षिण के तमाम राज्य जो ऐसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं वे आधे दशक पहले छोटे परिवार को बढ़ावा देने की बात कर रहे थे, लोगों को परिवार नियोजन के प्रति प्रोत्साहित कर रहे थे लेकिन सहसा उनके सुर बदल गए हैं। उनकी दलील है कि प्रजनन दर में गिरावट से राज्य और देश का नुकसान है सो इसे बढ़ाने की कोशिश अभी से करनी होगी। बेशक इन राज्यों में प्रजनन दर में गिरावट सत्य है और फलतः जनसंख्या में कमी से उनके राज्य और उनकी राजनीति को नुकसान भी है। पर देश की अधिकांश जनता मानती है कि तकरीबन सारी राष्ट्रीय, स्थानीय समस्याओं की जड़ बेतहाशा बढ़ती जनसंख्या ही है। आज हम चीन से बड़ी आबादी हैं और इसके चलते विकास के कैसे भी सरकारी प्रयास हों, हमको पूरे नहीं पड़ते। अनेक बड़े नेताओं का भी यही मानना है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले यानी 145 करोड़ के देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कठोर प्रयास लाजिमी है। ऐसे में कुछ राज्यों द्वारा जनसंख्या नीति की दिशा बदलना देश और देशवासियों को भ्रमित कर सकता है। देशवासियों

के समक्ष यह स्पष्ट होना चाहिये कि जनसंख्या के मामले में कुछ राज्यों की अपनी डफली अपना राग क्यों है? क्या उनका यह रवैय्या राष्ट्र स्तर पर उचित है अथवा इसमें महज संबंधित राज्यों का सामयिक स्वार्थ है? कुछ राज्यों का जनसंख्या नियंत्रण के प्रति मौजूदा रवैय्या यदि देश हित के विरुद्ध है तो सरकार उनको ऐसे संदेश देने, अपील करने से रोकती क्यों नहीं? यदि घटती प्रजनन दर से वाकई दूरगामी दुष्परिणाम सामने आने वाले हैं और उनका असर राष्ट्रव्यापी हो सकता है, तो इसके लिये सरकार समय रहते जनता को सचेत करने वाले कार्यक्रम क्यों नहीं चलाती, जिससे जनमानस हर प्रकार की असुविधा और अभाव के लिए जनसंख्या को दोषी न माने। वह यह प्रचारित प्रसारित क्यों नहीं करती कि इससे होने वाले दूरगामी दुष्परिणामों की काट के लिये वह अभी से प्रयासरत है और उसके पास इस स्तर की कई योजनाए हैं।

उत्तर के राजनेता लोगों को जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए कहें और दक्षिण की आबादी बढ़ाने के लिए, उसमें एनडीए के समर्थक दल के मुख्यमंत्री भी शामिल हों तो इस विरोधाभास के बीच यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि है कि जब भारत समेत वैश्विक स्तर पर जनसंख्या दर में गिरावट की बात लैंसेट रिपोर्ट और कुछ देशी शोध अध्ययन में सालभर पहले सामने आ चुकी है तब वाकई देश की तात्कालिक जनसंख्या नीति में क्या कोई बदलाव लाया गया है या उस ओर सोचा जा रहा है? नीति आयोग अथवा संबंधित विभागों की भविष्य में इसके प्रति क्या कोई रणनीति निर्धारित की है? भविष्य में जनसंख्या नियंत्रण की नीति क्या होना चाहिये? क्या जनसंख्या नियंत्रण की एक समेकित नीति देश पर लागू होगी अथवा इसके लिये राज्यवार कार्यक्रम और उसके लक्ष्य बनाना उचित होगा।

भारत की जनसंख्या नीति

यह नीति 13 साल से लंबित जनगणना के अगले साल निबटाने और उसके अगले बरस आंकड़े आने, तथा उसके विश्लेषण के बाद बनेंगे अथवा इस मुद्दे की गंभीरता तथा इस पर आम जनता के भ्रम को समझते हुए इसके पहले ही? देश में 1950 के दौरान यह प्रजनन दर 6.18 प्रतिशत थी अर्थात प्रत्येक महिला के औसतन 6 से अधिक बच्चे थे। घटती प्रजनन दर की जो रफ्तार है, उसके चलते यह 2050 तक 1.29 रह पर और सदी बीतते बीतते 1.04 तक पहुंच सकती है। फिलहाल 2021 के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय प्रजनन दर 1.91 है। ऐसी प्रजनन दर तक पहुंचने में फ्रांस, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों को 200 और अमेरिका को 145 साल लगे। हमने यह बदलाव भीषण गति से महज 45 साल में हासिल की। निःसंदेह घटती जन्मदर पर कुछ वर्ग प्रसन्नता प्रदर्शित कर रहे हों पर अनेक कारणों से आगे चलकर यह राष्ट्रीय चिंता का विषय बनेगा। जहां तक दक्षिण भारत के राज्यों की बात है तो पांच राज्य और तकरीबन तीस करोड़ आबादी वाले इस हिस्से में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से कम हो चुकी है और तेज गिरावट जारी है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में जन्म दर 2.01 से भी नीचे है। प्रजनन दर 2.1 से नीचे का मतलब जनसंख्या सिकुड़ना शुरू गई है। उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड वगैरह की 2.5 से 3.01 की दर से दक्षिण भारत में कम जन्म दर के चलते भविष्य में जनगणना के बाद जनसंख्या के आधार पर तय की जाने वाली संसद में सीटें और केंद्र सरकार से मिलने वाली निधि का घाटा हो सकता है। केंद्र सरकार के द्वारा वसूले गए आयकर, कॉर्पोरेट टैक्स का जो हिस्सा जनसंख्या, आर्थिक जरूरतों और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर मिलता है, उसमें कमी आ सकती है। कम आबादी, देश की आर्थिकी में बड़े योगदान और प्रति व्यक्ति अधिक आय की बावजूद दक्षिण के राज्य नुकसान में रहेंगे। आगत की आहट भांपकर कुछ राज्य परिवार नियोजन की दिशा में बदलाव कर रहे हैं और ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए कह रहे हैं। लेकिन जहां तक देश का प्रश्न है, इस ट्रेंड पर जश्न मनाने वालों को यह जानना चाहिये कि घटती प्रजनन दर से देश की आबादी का संतुलन गड़बड़ा जाएगा। दुनिया का कोई भी देश बरसों बरस कोशिश करके, खरबों खर्च करके भी जन्मदर वापस हासिल नहीं कर पाया।

आबादी में बच्चों, जवानों और बुजुर्गों का संतुलन बना रहे, इसके लिए प्रजनन दर का 2.1 के आसपास होना चाहिये। पर्याप्त बच्चे न होंगे जो बुजुर्गों की जगह ले सकें तो बुजुर्ग बढेंगे, जो उत्पादक न होकर भोक्ता होंगे। अभी 60 साल से ज्यादा की उम्र के चालीस प्रतिशत बुजुर्ग बेरोजगार और बुरी दशा में हैं, भविष्य में इनकी और दुर्गति आशंकित है। बुजुर्ग कम जोखिम उठाने वाले, कम रचनात्मक होंगे, नए पेटेंट कम हो जाएंगे। यह सब देश की आर्थिकी के लिए घातक होगा। आसपास बच्चों से ज्यादा दादा-दादी, नाना-नानी नजर आने लगेंगे। बुआ, मामा, चाचा, ताऊ, मौसी जैसे रिश्तों का लोप सा हो जाएगा। देश के सामने ऐसी बहुतेरी चुनौतियां कुछ दशक बाद आएंगे पर हमें उनका इंतजार करने की बजाय अभी से काम करने की जरूरत है। फिलहाल इतना तय है कि इस समस्या का समाधान बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना कतई नहीं है।

सोशल मीडिया

प्रकृति का संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और संस्कारों का भी अभिन्न हिस्सा है। मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः, माध्वीर्न सन्त्वोषधीः। पीएम मोदी.

व्यक्तित्व का निर्माण

अंतर्दृष्टि

व्यक्ति का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। हमेशा वह कुछ सीखता है, समझता है और अपने व्यक्तित्व का पारिष्कार करता रहता है। ईश्वर ने मनुष्यको विशिष्ट जीव बनाया है। जीव विज्ञान के अनुसार मनुष्य बंदर जाति का एक प्राणी माना गया है। पर उसके अंतराल में परमात्मा ने इतनी विशिष्ट शक्तियों का जखीरा भर रखा है कि उसे सृष्टि का मुकुट मणि कहा जाना बहुत अंशों में सही है। शरीर संरचना में प्रयुक्त हुए असख्यों जीवकोशों में से प्रत्येक घटक ऐसा है जो नन्हें नन्हें गोलक जैसे प्रतीत होते हुए भी असाधरण क्षमता सम्पन्न है। पदार्थ के परमाणु का वैज्ञानिक विधि से नाभिकीय विस्फोट करने पर उससे निकलने वाली प्रचण्ड ऊर्जा समूचे क्षेत्र को प्रभावित करती है। ठीक इसी प्रकार जीवकोशों को सम्मिलित शक्ति भी एक आयन मण्डल बनाती है जिसे अंग्रेजी में आरा कहते हैं और संस्कृत में तोजोवलय। यह विद्युत प्रकाश यंत्र उपकरणों से स्थलूतः तो प्रायः एक जैसा ही दिखता है। उनमें रंगों भर का अंतर पाया जाता है, किन्तु सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाये तो उसमें रंगों का ही नहीं शक्ति का भेद भी पाया जाता है। इसमें जैव चुम्कत्व के गुण भी होते हैं। मोटे तौर से बिजली दो प्रकार की होती है। एक खींचने वाली, दूसरी धकेलने वाली। प्रकारान्तर से इसे उसका गुण कह सकते हैं। इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म के रूप में यह दूसरों के शरीर, मन आदि को अपनी ओर आकर्षित करती है। धक्का मारने वाली दूसरी शक्ति त्रास पहुंचाती है। यह जैव विद्युत सामने वाले को तोड़ती व पतन के गर्व में गिरा देती है। तांत्रिकों और मांत्रिकों में यही भेद होता है। वेद मंत्रों की दिव्य ध्वनियों का गुंजन मनुष्य को मोहित झंगृत, प्रसन्न और प्रफुल्लित करता है। इससे शक्ति बलिष्ठता मिलती है। जिससे वह आत्मिक प्रगति के क्षेत्र में ऊंचा उठता व आगे बढ़ता है। शक्ति के आदान प्रदान का यह क्रम मित्रों, बालकों, अभिभवकों के बीच भी चलता है, पर सबसे अधिक सामर्थ्य गुरु के शक्तिपात में होती है। जिसने तप साधना द्वारा अपने में शक्ति का भण्डार एकत्रित किया है। वह उसका अनुदान भी किसी को दे सकता है। जिसकी कमाई का आधार रोटी भर है, अपना खर्च ही मुश्किल से चला पाता है, वह क्या किसी को दे सकता है? लिया तो किसी से, कहीं से भी जा सकता है किन्तु दे पाना उन्हीं के लिए संभव है जिनके पास कुछ जमा पूंजी हो। यह जमा पूंजी अध्यात्म क्षेत्र में तप साधना संयम सेवा के आधर पर ही कमाई गयी होती है। अपने को पवित्र बनाकर, अनगढ़ से सुगढ़ बनाकर मनुष्य निरोग बनता है और पुण्य की प्रखरता से बलिष्ट बनता है। यों साधना से जप तप भी करना पड़ता है। किन्तु सबसे बड़ी बात है आत्मशोधन, स्व का परिमार्जन, परिष्कार। यह जितना अधिक गहरा बन पड़ता है, मनुष्य उतना ही गुण, कर्म, स्वभाव से शक्तिशाली होता जाता है।

देश में सामाजिक सुरक्षा का बढ़ता दायरा

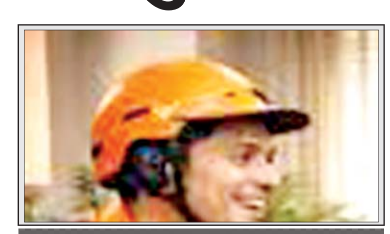

चिंतन ● अरविन्द जयतिलक

इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन (आईएलओ) के आंकडों से उद्घाटित हुआ है कि भारत में 94 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा लाभ के दायरे में आ गये हैं। ये आंकड़े. रेखांकित करते हैं कि सामाजिक सुरक्षा के संदर्भ में अब भारत चीन के बाद दूसरे नंबर है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2015 में भारत में सोशल सिक्योरिटी कवरेज महज 19 प्रतिशत था जो अब बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो गया है। आईएलओ का कहना है कि दुनिया भर में सबसे तेज सामाजिक सुरक्षा दायरे का विस्तार भारत में हुआ है। यह स्थिति भारत के लिए बेहद उत्साहजनक और गौरवान्वित करने वाली है। सामाजिक सुरक्षा वैश्वीकरण और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक और तकनीकी परिवर्तनों से उपजी चुनौतियों से निपटने में अधिक सकारात्मक रवैये के निर्माण में सहायता प्रदान करती है। सामाजिक सुरक्षा में यह परिकल्पना की जाती है कि नागरिकों को सभी प्रकार के सामाजिक जोखिमों से रक्षा की जाएगी जो उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति में अनावश्यक मुश्किलें उत्पन करती हैं। यह सच्चाई है कि कामगारों के पास बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था, रोग और बेरोजगार आदि के कारण उत्पन जोखिमों का सामना करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं होता है और संकट के समय में उनकी सहायता करने के लिए जीविका का वैकल्पिक साधन का अभाव होता है। इसलिए कामगारों को सामाजिक सुरक्षा देना राज्य का दायित्व है।

यूरोपीय देशों में विस्तृत सामाजिक सुरक्षा है। अमेरिका में भी जनता को लाभ पहुंचाने संबंधी विस्तृत सामाजिक सुरक्षा योजनाएं चालू हैं। भारतीय संदर्भ में सामाजिक सुरक्षा एक समग्र अधिगम है जिसका निर्माण व्यक्ति को आर्थिक अभाव से बचाने और व्यक्ति के खुद के लिए तथा उसके आश्रितों के लिए, उन्हें आर्थिक अनिश्चितता की स्थिति से बचाने हेतु एक न्यूनतम आय की सुनिश्चितता के लिए किया गया है। यह तथ्य भारत के नीति-नियंताओं द्वारा पहचाना गया और तद्नुसार सामाजिक सुरक्षा से संबंद्ध विषयों को राज्य के नीति-निर्देशक तत्व और समवर्ती सूची में संबंद्ध किया गया। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 41 में कार्य के अधिकार शिक्षा और कुछ मामलों में सार्वजनिक सहायता की व्यवस्था की गयी है। अनुच्छेद 42 में कार्य की उचित और मानवीय परिस्थिति और मातृत्व राहत की व्यवस्था की गयी है।

भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में भी सामाजिक सुरक्षा और बीमा, रोजगार और बेरोजगार, कार्य परिस्थिति, भविष्यनिधियां, नियोक्ताओं का दायित्व, कर्मगारों की क्षतिपूर्ति अवैधता, श्रम कल्याण, वृद्धावस्था पेंशन और मातृत्व लाभ का उल्लेख है। भारत में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक सामाजिक सुरक्षा प्रभाग की स्थापना की है जो कर्मगार सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सभी कानूनों के प्रशासन के लिए सामाजिक सुरक्षा नीति एवं योजनाएं बनाने और क्रियान्वित करने का कार्य करता है। भारत में ढेरां सामाजिक सुरक्षा कानून लागू है मसलन कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (ईएसआई एक्ट), कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 (डब्लयूसी एक्ट), कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952 (ईपीडीएंडएमपी एक्ट), प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम 1961 (एमबी एक्ट), ग्रैच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 (पीजी एक्ट), वैयक्ति क्षति (आपात उपलब्ध) अधिनियम 1962, वैयक्तिक क्षति (प्रतिकर बीमा) अधिनियम 1963 और नियोजक दायित्व अधिनियम 1938 इत्यादि। सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आज देश में पोषण सुरक्षा की देखभाल राष्ट्रीय तैयार मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, समन्वित बाल विकास योजना, किशोरी शक्ति योजना, किशोर लड़कियों के लिए पोषण कार्यक्रम और प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना चलायी जा रही है। राष्ट्रीय तैयार मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम लगभग पूरे भारत में चल रहा है। समन्वित बाल विकास योजना का विस्तार भी चरणबद्ध ढंग से हो रहा है। 11 से 18 वर्ष तक की उम्र की लड़कियों के पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी विकास के लिए सरकार ने किशोरी शक्ति विकास योजना को हर जगह लागू कर दिया है। एक अरसे से श्रम आंदोलन के तहत सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कार्यक्रम लागू करने की मांग की जाती रही जिसे सरकार ने 2005 के मध्य में लागू कर दिया। इस अधिनियम के तहत कोई भी वयस्क व्यक्ति जो न्यूनतम मजदूरी पर आकस्मिक श्रम करने के लिए इच्छुक है वह 15 दिनों के अंदर स्थानीय जनकार्य में रोजगार पाने के लिए पात्र होगा।

इसके अंतर्गत लोगों को वर्ष में उसके निवास से एक किमी के भीतर 100 दिनों का काम दिए जाने का प्रावधान लागू किया गया है। सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अंत्योदय अन्य योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है। राज्यों के अंतरगत लक्षित जन वितरण प्रणाली के तहत पहचान किए गए गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में से, अत्यंत ही गरीब परिवारों की पहचान करने का कार्य अंत्योदय योजना के तहत किया गया है। इन परिवारों को गेहूं और चावल दिया जाता है। सामाजिक सुरक्षा के तहत रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन रणनीति के तहत सरकार द्वारा स्वरोजगार योजना और दिहाड़ी रोजगार योजना चलाया जा रहा है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग को संशोधित कर लघु एवं ग्रामीण उद्योगों के जरिए ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजन करने के लिए सुनिश्चित किया गया है। असंगठित क्षेत्र को सामाजिक सुरक्षा से लैस करने के लिए राष्ट्रीय उद्यम आयोग की स्थापना एक पारदर्शी निकाय के रुप में की गयी है। सामाजिक सुरक्षा के तहत भारत सरकार ने राष्ट्रीय आवास नीति 1992 संसद में प्रस्तुत की। अगस्त 1994 में संसद ने इसका अनुमोदन कर दिया। राष्ट्रीय आवास नीति का प्रमुख लक्ष्य आवासहीन व्यक्तियों, विस्थापितों, निराश्रित महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों और आर्थिक रुप से कमजोर व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए वातावरण निर्मित करना तथा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास उपलब्ध कराया गया है। आने वाले दिनों में 3 करोड़ और आवास निर्मित करने का लक्ष्य सुनिश्चिति किया गया है।

सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा असंगठित ग्रुप बीमा योजना, वन बंधु कल्याण योजना, अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास योजना, विकलांगों के लिए योजना, जनश्री बीमा योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना और राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजन चलायी जा रही हैं। सामाजिक सुरक्षा के तहत ही समाज के कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता देने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। यह प्राधिकरण देश भर में कानूनी सहायता कार्यक्रम और स्कीमें लागू करने के लिए राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण पर दिशा निर्देश जारी करता है। सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना शुभारंभ की है जिसका उद्देश्य लाभकारी योजनाओं तक निर्धनों और सीमांत लोगों को पहुंचने में सक्षम बनाना है। लोगों का स्वास्थ्य रहे इसके लिए सरकार आयुष्मान योजना को लागू की है जो गरीबों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। निश्चित रुप से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से सामाजिक सुरक्षा मजबूत हुई है। लेकिन इस दिशा में अभी बहुत काम करना होगा ताकि दिहाड़ी श्रमिकों, गिग वर्कर्स से लेकर सभी तरह के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाकर उनके जीवन को खुशहाल बनाया जा सके।

आप की बात

युवाओं को प्रशिक्षित करें

एक तरफ बेरोजगारी है और दूसरी तरफ कंपनियां यह दावे कर रही हैं कि उनको योग्य कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। स्किल का यह डेफिसिट अगर कम हो तो रोजगार के मौके बढ़ेंगे। इसालिए सरकार को युवाओं को स्किल करने की कोशिश करनी चाहिए। बेरोजगारों को हुनरमंद कर रोजगार मुहैया कराने के लिए जो कौशल विकास मिशन संचालित है वह एनजीओ की लूटखसोट और सरकारी नियमों में फंस गया है। हर बेरोजगार को कुशल बनाने की जरूरत है लेकिन प्रदेश सरकार के कौशल विकास मिशन में प्रशिक्षण के लिए गरीबी रेखा से नीचे होना, स्वयं सहायता समूह से होना, गांव का होना जैसी तमाम बकवास भरे पड़े हैं। इसी कारण सरकारी योजनाएं सफल नहीं होती हैं। ऐसा लगता है कि जो सरकार में पहुंचता है उसकी बुद्धि कुंद हो जाती है। क्या इन खाये, पिये मोटाये लोगों को इतना भी नहीं पता है कि सबको रोजगार की जरूरत है इसलिए जो भी प्रशिक्षण लेना चाहे सबको मौका मिलना चाहिए। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में कौशल विकास मिशन योजना संचालित हैं जहां युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाता है। सरकार ने रोजगार स्थापित करने के लिए मुद्रा योजना जैसी स्कीम भी लांच की है। लेकिन प्रायः यह देखने में आ रहा है कि कौशल विकास मिशन के नाम पर बहुत से संस्थान सिर्फ बजट का वारा-न्यारा करते हैं। ऐसे-ऐसे कौशल विकास मिशन प्रशिक्षण केन्द्र चल रहे हैं जिनके पास ट्रेनिंग देने की बेसिक सुविधाएं तक नहीं हैं। ऐसे केन्द्रों से प्रशिक्षण हासिल करने वाले युवा दरअसल महज प्रमाण पत्र पाते हैं।

शुभम श्रीवास्तव, लखनऊ.

बढ़ता अवैध निर्माण

राजधानी लखनऊ के सबसे बड़े लॉजिस्टिक और आपूर्ति केन्द्र ट्रॉसपोर्ट नगर में बीते साल बिल्डिंग ढहने से कई लोगों की मौत हो गयी थी। इस दुर्घटना के बाद तरह-तरह की खबरें सामने आती रहीं। इस क्षेत्र में अन्य बिल्डिंगों की जांच और सर्वे किया जा रहा है, स्वीकृत मैप के विपरीत बिल्डिंग बनवाने की बात सामने आ रही है। अब यहां पर सवाल यह है कि अगर नक्शे के विपरीत यह बिल्डिंग बनी थी, तो जब बन रही थी या बनने के बाद इस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। अगर निर्माण के समय ही कारवाई की जाती, तो जिन आठ लोगों को इसमें जान गंवानी पड़ी थी उनको बचाया जा सकता था। लेकिन यह कोई पहली बार नहीं है, जब हादसा हो जाता है, तभी प्रशासन जागता है, यह चिंता की बात है।

धर्मेन्द्र कुमार वर्मा, लखनऊ.

संक्षेप

दो परिवारों के बीच संघर्ष, पांच गिरफ्तार

अयोध्या। नगर कोतवाली के सब की चैकी क्षेत्र स्थित पठान टोलिया मोहल्ले में दो परिवारों के बीच खूनी संघर्ष हुआ। मारपीट में कुल 14 लोगों को चोटें आई हैं। पुलिस ने सभी का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया है। एक पक्ष की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जानलेवा हमले के मामले में दूसरे पक्ष के पांच लोगों को गिरफ्तार कर चालान किया है। बताया गया कि पठान टोलिया मोहल्ला निवासी राजाराम यादव और रामसुख यादव के परिवार के बीच आपस में विवाद हुआ। विवाद बढ़ा दो लाठी डंडा और अन्य सामान से लैस होकर परिवार के सदस्य झगड़े में कूद पड़े और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट में किसी का सर फूटा तो किसी को हाथ पर हुआ शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई। मामले की खबर पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 14 घायलों का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया है। प्रकरण में पुलिस ने शिकायत पर जानलेवा हमला बलवा तोड़फोड़ मारपीट गाली गलौज धमकी आज की धारा में रिपोर्ट पंजीकृत की है। आरोपियों में से तीन सगे भाइयों समेत पांच का जानलेवा हमले के मामले में मेडिकल परीक्षण करवा।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री ने किए रामलला के दर्शन

जिला संवाददाता

अयोध्या। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के चेयरमैन एवं नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने अपनी पत्नी निकिता पौडेल के साथ अयोध्या पहुंचे और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए। इस दौरान उन्होंने भारत और नेपाल की सुख-समृद्धि, शांति एवं आपसी सद्भाव की कामना की। राम मंदिर पहुंचने पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गोपाल राव, भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं एलएलसी सुभाष यदुवंश , विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं भाजपा कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल रामजन्मभूमि परिसर पहुंचा, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की। दर्शन के उपरांत रबी लामिछाने ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों को साझा संस्कृति, आस्था, सभ्यता और परंपराएं जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की यात्रा उनके लिए अत्यंत आध्यात्मिक और भावनात्मक अनुभव रही है। प्रदेश महामंत्री कहा कि ष्वसुधैव कुटुंबकम, शांति, सद्भाव और बंधुत्व हमारी संस्कृति और पहचान है। यही उन्नति और विकास का मूल मंत्र है। इसी भावना के साथ भारत और नेपाल के मध्य सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास निरंतर जारी हैं। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अयोध्या भगवान श्रीराम की नगरी होने के साथ-साथ भारत-नेपाल के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का भी प्रमुख केंद्र है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि रामलला के दर्शन के लिए विश्व के विभिन्न देशों से श्रद्धालु अयोध्या आ रहे हैं। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री का आगमन भारत और नेपाल के पारंपरिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर मंडलायुक्त राजेश कुमार, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) बलरामाचारी दुबे, एडीएम प्रोटोकॉल, महंत गोपाल दास महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, सहित अनेक लोगों की मौजूदगी रही।

- भारत व नेपाल की सुख-समृद्धि, शांति और आपसी सद्भाव की कामना की

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने किए रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन

अयोध्या। भारतीय सेना के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ एवं थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे।

वह सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से श्रीराम कथा हेलीपैड पर उतरे, जहां प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड से जनरल द्विवेदी सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे और संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन-पूजन कर देश की सुख-समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचकर रामलला के दिव्य दरबार में माथा टेका और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। थल सेना प्रमुख के आगमन को लेकर हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए थे। उनके दौरे के दौरान पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पूरी तरह मुस्तैद रहे।

सिक्ख काउंसिल ने किया नवनियुक्त सिविल डिफेंस के पदाधिकारियों का स्वागत

बाराबंकी। सिक्ख काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश कोषाध्यक्ष मनदीप सिंह के प्रतिष्ठान पर सिविल डिफेस कोर के नवनियुक्त चीफ वार्डन व डिवीजिनल वार्डन का स्वागत एंव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह मे सिविल डिफेस कोर के नवनियुक्त चीफ वार्डन नवीन सेठ को सिक्ख काउंसिल प्रधान सरदार जसबीर सिंह व मंदीप सिह द्वारा संयुक्त रुप से बूके भेटकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात उप प्रधान अमरजीत सिंह कालरा व डा0 शैलेन्द्र सिंह द्वारा डिवीजिनल वार्डन सरदार भूपिन्दर पाल सिंह शैन्की को बूके भेटकर बधाई दी गई। तत्पश्चात दोनो नवनियुक्त पदाधिकारियो ने उपस्थित सिक्ख कांउसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सभी पदाधिकारियो का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर सरदार जितेन्द्र सिंह मिन्दे, आसिफ अहमद खान, डा0 जसविन्दर सिंह, सरदार कंवर सिंह पीयूष, प्रत्युषकांन्त शुक्ला, गुरमीत सिंह, शैलेन्द्र चोपड़ा, हरविन्दर सिंह, पुष्पेन्द्र कुमार सिंह, अमरदीप सिंह आदि मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

सहायक विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुआ पौधरोपण संपन्न

बाराबंकी। विकासखण्ड़ पूरेडलई अन्तर्गत ग्राम नियामतपुर में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम सहायक विकास अधिकारी वीरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में पंचायत भवन और प्राथमिक विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे सहायक विकास अधिकारी श्री वर्मा ने क्षेत्रवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुये प्रकृति को बचाने और पर्यावरण को संतुलित रखने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष रोपित करने का संकल्प दिलाते हुये बुजुर्गों व बच्चो ने पौधे रोपे।

गोकशी करने वाले 4 अभियुक्त गिरफ्तार

बहराइच। पुलिस अधीक्षक श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही अभियान के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीणश्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी नानपारा श्री पहुप सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष श्री हरिकेश सिंह के नेतृत्व में थाना मटेरा पुलिस टीम द्वारा गोकशी करने वाले 04 अभियुक्तगण को किया गया।

राज्य कर विभाग ने आयोजित किया व्यापारी संवाद कार्यक्रम

बहराइच। राज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश जनपद बहराइच खण्ड-1 द्वारा प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, पंजीयन बेस एवं राजस्व वृध्दि समयवध्द रिटर्न फाईलिंग, जीएसटी पोर्टल पर करदाताओं को उनके स्वयं के द्वारा मोबाइल नम्बर एवं ई-मेल आईडी अपडेट करने तथा स्थानीय स्तर पर जीएसटी-20 सुधारों के प्रति जागरुकता हेतु उद्यमियों, करदाताओं एवं अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य कर विभाग, बहराइच द्वारा व्यापारी संवाद कार्यक्रम होटल पंचवटी मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया। सभागार में उपस्थित समस्त व्यापारी, अधिवक्ता मीडिया से सम्बन्धित तथा विभागीय अधिकारियों के बीच उपरोक्त बिन्दुओं पर शासन की मंशा के अनुरुप व्यापार विचार विमर्श किया गया तथा व्यापारियों एवं विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुये व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने एवं एक पारदर्शी प्रणाली बनाने की बात की गयी। कार्यक्रम में व्यापार मण्डल के पदाधिकारी दीपक सोनी, प्रमोद डालमिया, विनोद टेकड़ीवाल आदि एवं अन्य व्यापारीगण मौजूद रहे। राज्य कर विभाग की ओर से सहायक आयुक्त अजय कुमार वर्मा व संदीप कुमार सिंह, राज्य कर अधिकारी दिवाकर दूबे व जयसिंह सोनकर मौजूद रहे।

एसपी ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बहराइच। पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुलिस श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स बहराइच परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी, क्षेत्राधिकारी नगर श्री नारायण दत्त मिश्र, क्षेत्राधिकारी पयागपुर श्रीमती हर्षिता तिवारी, क्षेत्राधिकारी नानपारा श्री पहुप सिंह, क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा श्री प्रद्युम्न सिंह, क्षेत्राधिकारी महसी श्री पवन कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात श्री राज सिंह तथा प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

आधुनिक आतिथ्य का बेहतरीन उदाहरण बनेगा विशिष्ट अतिथि गृह

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की पावन नगरी अयोध्या में राम कथा पार्क के निकट एक भव्य और अत्याधुनिक अति विशिष्ट अतिथि गृह का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह परिसर धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ आधुनिक आतिथ्य का बेहतरीन उदाहरण बनेगा। राज्य सम्पत्ति विभाग के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की कुल लागत 93.75 करोड़ रुपये है।

- रामकथा पार्क के नजदीक 93.75 करोड़ की लागत से तेजी से बन रहा अति विशिष्ट अतिथि गृह
- 14510.00 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित हो रहा अत्याधुनिक अतिथि गृह परिसर
- सीएम ब्लॉक, आवासीय ब्लॉक और डारमैट्री सहित कई सुविधाओं से सुसज्जित होगा प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर बन रहे इस परिसर का निर्माण नवंबर 2027 तक पूरा होने की संभावना है। 14510.00 वर्गमीटर में फैले इस अतिथि गृह परिसर में कई आधुनिक ब्लॉक शामिल हैं। इनमें मुख्यमंत्री ब्लॉक (जी प्लस 4) 7155 वर्गमीटर, आवासीय ब्लॉक (बी प्लस जी प्लस 5) 9496 वर्गमीटर, डार्मेट्री ब्लॉक (जी प्लस 5) 2371.50 वर्गमीटर, सर्विस ब्लॉक (जी प्लस 1) 26050 वर्गमीटर शामिल हैं। इसके अलावा गार्ड रूम, टाइम ऑफिस एवं पास ऑफिस, इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन (14800 वर्गमीटर) और सेंट्रल लॉन, वॉटर फाउंटेन, स्टाफ पार्किंग, विजिटर पार्किंग, विद्युतीकरण एवं वॉटर सप्लाई जैसी सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

लोक निर्माण विभाग सीडी-2 के अधिशासी अभियंता उमेश चंद्र ने बताया कि इस समय मुख्यमंत्री ब्लॉक में चतुर्थ तल पर प्लास्टर एवं तीसरे/चतुर्थ तल पर एमईपी एवं लिफ्ट का कार्य प्रगति पर है। वहीं रेजीडेंशियल ब्लॉक में बेसमेंट के स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है। डार्मेट्री ब्लॉक में पेंटिंग एवं बाहर प्लास्टर का कार्य चल रहा है। परियोजना में सीएम ब्लॉक, आवासीय ब्लॉक, डार्मेट्री ब्लॉक, सर्विस ब्लॉक सहित आधुनिक सुविधाओं से लैस वीवीआईपी आवास की व्यवस्था होगी। अयोध्या में बढ़ते वीवीआईपी आवागमन को देखते हुए यह गेस्ट हाउस शहर की आतिथ्य क्षमता को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, सुंदर सेंट्रल लॉन, आकर्षक वॉटर फाउंटेन, ग्रीनरी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। यह परिसर न केवल राम मंदिर आने वाले उच्च पदाधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए सुविधाजनक होगा, बल्कि अयोध्या के समग्र विकास को भी नई गति प्रदान करेगा। निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जा रही है ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों सुनिश्चित हो सकें। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने भी हालही में पूर्व परियोजना का निरीक्षण किया था।

सभासदों ने नवनिर्वाचित जिला बार कार्यकारिणी का किया स्वागत

बाराबंकी। नगर पालिका परिषद स्थित शिव सिंह सरोज सभागार में जिला बार एसोसिएशन नवनिर्वाचित पदाधिकारियो का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमे सभासदो व अध्यक्ष प्रतिनिधि द्वारा नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को फूल माला व अंगवस्त्र पहनाकर बधाई दी गई। स्वागत कार्यक्रम मे चेयरमैन प्रतिनिधि एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा ने कहा कि जल्द ही न्यायालय परिसर में वाटर फ्रीजर स्थापित करेंगे। कार्यक्रम मे सभासद देवेंद्र प्रताप सिंह ज्ञानू, सभासद संघ अध्यक्ष सुशील गुप्ता ताज बाबा राईन, सदीक हुसैन, मोहम्मद फैसल, संजय जयसवाल, बृजेश यादव, आदिल, वैभव सिंह धीमान, ताम्र ध्वजा नन्द, रोहित सिंह मौजूद रहे।

मदरसा इस्लामिया में मुशायरे का आयोजन, शायरों में पेश किये कलाम

बारांबकी। मोहल्ला पीरबटावन नई बस्ती स्थित मदरसा इस्लामिया में कारी मकबूल अहमद के नेतृत्व में मुशायरे का आयोजन किया गया। मुशायरे का संचालन डॉक्टर रेहान अलवी व सदारत जियाउद्दीन साहब ने की। मुशायरे में डॉक्टर रेहान अलवी ने पढ़ा अपना अजीज कर लूं मैं सारे जहान को, या रब मिठास दे दे वो मेरी जबान को। हाजी नसीर अंसारी ने पढ़ा तो समझो मेरी मोहब्बत को मिल गई मेराज, वो कर लें अपने जो अशाक में शुमार मुझे। इसके अतिरिक्त हाशिम अली, जाबिर, मुख्तार फारुकी देवा, शायर उस्मान मीनाई, हुजैल अहमद लालपुरी, कारी अफजाल-उर-रहमान, कारी मकबूल अहमद, अरीबा खातून, अज्म गोंडवी, जकी तारिक, इरशाद बाराबंकवी, शहेब कौसर रुदौलवी, अदील मंसूरी, सलीम हमदम रुदौलवी, मुश्ताक बज्मी, मास्टर इरफान बाराबंकवी, नफीस अहमदपुरी, सहर अय्यूबी, मिस्टर अमेठवी, शम्स जकरियावी, अब्दुल लतीफ बाराबंकवी, नादान रसौलवी ने अपने अपने कलाम पेश किये।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरीः डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयजोन किया गया। परिसर स्थित तमसा छात्रावास के सामने कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने अमरूद के पौधे को लगाया। इस मौके पर विवि के शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं छात्राओं ने भी पौधरोपण किया। कुलपति ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने छात्र-छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी विद्यार्थियों को करनी होगी। जुलाई माह में वर्षा के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक व वैज्ञानिक एक पौधा मां के नाम लगाएंगे। कुलपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है। मिट्टी को गहराई तक निकालें और कोकोपिट डालकर पौधा लगाएं जिससे की मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार हो सके और पौधा जीवित रह सके। कुलपति ने प्लास, इमली और नीम के पौधों को लगाने पर जोर दिया। इस मौके पर कुलपति ने शीघ्र ग्रीवांस (शिकायत) पोर्टल बनाने का निर्देश दिया, की किसी भी प्रकार की समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सके।

विश्व आयुर्वेद परिषद ने पौधा लगाने और पर्यावरण बचाने का आह्वान किया

अयोध्या। आज विश्व आयुर्वेद परिषद अयोध्या ने तीन अलग अलग जगहों पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। जिसमें तीनों जगहों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ साथ आम जनमानस को पौधा वितरण करके पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। पहला कार्यक्रम मिल्कीपुर कुमारगंज क्षेत्र में किया गया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ समीक्षा रहीं।

साथ में डॉ विवेक, डॉ रविकांत पाण्डेय, डॉ अनुराग, डॉ अनामिका आदि चिकित्सको ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजक प्रबुद्ध प्रकोष्ठ भाजपा श्री चन्द्रबली सिंह जी ने की। दूसरा कार्यक्रम धोपाप क्षेत्र में आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी विश्व आयुर्वेद परिषद उत्तर प्रदेश चिकित्सक प्रकोष्ठ सह प्रभारी डॉ पंकज श्रीवास्तव जी रहे। साथ में शेखर अंशू अभ्युदय विनीता शीला राजेन्द्र सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि अभिषेक श्रीवास्तव ने की। तीसरा कार्यक्रम स्वर्णखनि कुण्ड क्षेत्र में किया गया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी मुख्य संरक्षक डॉ आनंद उपाध्याय जी रहे। साथ में वी के मिश्रा , राज नारायण सिंह, दिलीप वर्मा, राम कृष्ण पांडेय व अन्य चिकित्सकगण रहे। तीनों स्थानों पर 11- 11 वृक्ष लगाए गए और 21-21 पौधे बांटे गए। इन वृक्षों में आम, नीम, आंवला, पीपल , जामुन, कटहल, मेंहदी, गुलमोहर, अमलतास, पलाश आदि शामिल थे।

एकसाथ तीन अलग अलग कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व आयुर्वेद परिषद अयोध्या ने एक ही संदेश दिया कि ये भीषण गर्मी हमारी अपनी गलती है हम सब इसके लिए जिम्मेदार हैं तो सुधार भी अकेले से नहीं होगा। आइए हम सब मिलकर इस गलती को सुधारें और एक सुनहरे हरे भरे भविष्य की ओर अग्रसर हों। साथ ही तीनों स्थानों से ₹वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ₹ का नारा दिया गया और अन्य संगठनों का भी आह्वान किया गया कि इस मुहिम में साथ जुड़कर इस वसुंधरा को पुनः नवजीवित करें। तीनो कार्यक्रम का सफल आयोजन डा विवेक श्रीवास्तव सचिव विश्व आयुर्वेद परिषद अयोध्या ने किया।

जलवायु के लिए हमारे भविष्य के लिए थीम पर हुई कार्यशाला, किया गया पौधारोपण

सतरिख, बाराबंकी। टीआरसी लॉ कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकृति से प्रेरित जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए थीम पर कार्यशाला, क्विज प्रतियोगिता एवं पौधरोपण का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि पर्यावरण प्रहरी डी0के0 शुक्ला व विशिष्ट अतिथि डा0 विनय दास, परास्नतक विभागाध्यक्ष डा0 अविनाश मिश्रा, डा0 दीपमाला श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया। तथा उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात पर्यावरण से सम्बंधित क्विज प्रतियोगिता एंव कॉलेज परिसर में मुख्य अतिथि, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा पौधरोपण किया गया। इस मौके पर डा0 दमन तिवारी, डा0 शिव शरन, डा0 धर्मेन्द्र कुमार, अजय कुमार इस अवसर पर डा0 मंजय कुमार यादव, डा0 नवीन कुमार सिंह, डा0 अमजद अंसारी, डा0 वीर विक्रम सिंह, अंकित कुमार मिश्रा, रोहिणी त्रिपाठी मौजूद रहे।

लीची बाग पहुंच डीएम ने किसानों से किया संवाद, जानी चुनौतियां और संभावनाएं

बाराबंकी। विकासखण्ड पूरेडलई क्षेत्र स्थित लीची के बागो का जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने किसानों से संवाद कर बागवानी फसलों की खेती से जुड़ी संभावनाओं एवं चुनौतियों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि पूरेडलई क्षेत्र बागवानी फसलों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। यहां आम, अमरूद एवं लीची के बाग बड़ी संख्या में मौजूद हैं। जो किसानों की आय वृद्धि के महत्वपूर्ण स्त्रोत बन सकते हैं।

- एफपीओ गठन, सहफसली खेती एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने को लेकर किया निर्देशित

उन्होंने किसानों से सीधे संवाद करते हुए फसल उत्पादन, लागत, विपणन व्यवस्था, प्राप्त होने वाले लाभ तथा खेती के दौरान आने वाली समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

तथा जिला उद्यान अधिकारी को क्षेत्र के किसानों को बागवानी फसलों के प्रति प्रोत्साहित व शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं से जोड़ा जाने को लेकर निर्देशित किया। उप जिलाधिकारी रामसनेहीघाट अनुराग सिंह ने अवगत कराया कि पूरेडलई क्षेत्र में लगभग 7 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में लीची की खेती की जाती है। जिससे बड़ी संख्या में किसान प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

एसपी ने किया परेड ग्राउंड का निरीक्षण

बहराइच। पुलिस अधीक्षक श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ग्रहण कर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट का निरीक्षण करते हुए समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी धारण करने तथा आमजन के साथ शिष्ट एवं मधुर व्यवहार बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। परेड के दौरान अनुशासन एवं एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल कराई गई। परेड के उपरान्त क्वार्टर गार्ड की सलामी ली गई तथा गार्द रजिस्टरों की पेशी कर सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात रेडियो शाखा/ जनपद नियंत्रण कक्ष एवं डायल 112 कार्यालय का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान थानों से आये रिक्रूट आरक्षियों एवं महिला आरक्षियों से वार्ता कर उनके प्रशिक्षण, अनुशासन एवं व्यावहारिक अनुभवों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा उन्हें कर्तव्यनिष्ठा एवं पुलिस सेवा के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। परेड के उपरान्त पुलिस लाइन परिसर स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस क्रम में परिवहन शाखा (एमटी), क्षेत्राधिकारी लाइन कार्यालय, शस्त्रागार, आरटीसी मेस एवं अन्य शाखाओं का निरीक्षण किया गया। शस्त्रागार में शस्त्रों के रख-रखाव एवं अभिलेखों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। तत्पश्चात आदेश कक्ष में गार्द रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए गार्द कमांडरों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर श्री नारायण दत्त मिश्रा, क्षेत्राधिकारी पयागपुर श्रीमती हर्षिता तिवारी, क्षेत्राधिकारी महसी श्री पवन कुमार, क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा श्री प्रद्युम्न सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात श्री राज सिंह, क्षेत्राधिकारी नानपारा श्री पहुप सिंह व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ ने मनाया गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

बाराबंकी। गोरक्ष पीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा चलाये जा रहे हिंदू स्वाभिमान सप्ताह के कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष दीप्तांशु निगम के नेतृत्व में पदाधिकारियो द्वारा मौरंग मंडी स्थित हनुमान मंदिर पर सुंदरकाण्ड व 55 दीप जलाकर भगवान से उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना की गई।

- जिलाध्यक्ष दीप्तांशु निगम के नेतृत्व में हुआ सुंदरकाण्ड पाठ और प्रसाद वितरण

तत्पश्चात सैकडो लोगो में प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर विश्व हिंदू महासंघ जिलाध्यक्ष श्री निगम ने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट योगी आदित्यनाथ द्वारा संत के साथ-साथ शासन चलाने एंव न्याय करने का अच्छा अनुभव है। उनके द्वारा चलाई जा रही योजनाओ से प्रदेश की जनता लाभान्वित हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के निदेर्शानुसार प्रदेश के जनपदों में हिन्दू स्वाभिमान सप्ताह मनाया जायेगा। इस अवसर पर ललित सिंह, प्रदीप जयसवाल, राणा सिंह, शिवकेश शर्मा सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षेप

टोयोटा ने पेश किया न्यू इनोवा क्रिस्टा

बेंगलुरु। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी न्यू इनोवा क्रिस्टा लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें नए बोल्ड डिजाइन एलिमेंट्स और अतिरिक्त सुविधाएँ शामिल हैं। टोयोटा की एवर बेटर कार्स फिलॉसफी और मजबूत कस्टमर-फर्स्ट अप्रोच के अनुरूप, यह नवीनतम अपग्रेड बदलती ग्राहक अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। इससे लाखों भारतीय परिवारों के लिए भरोसेमंद मोबिलिटी पार्टनर के रूप में इसकी विरासत और मजबूत होगी।दो दशकों से अधिक की अनमैच्ड और अनराइवल्ड यात्रा से आकार पाई इनोवा क्रिस्टा भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी बनी हुई है, जो अपनी भरोसेमंद परफॉर्मेंस, आराम, सुरक्षा, लक्जरी और पावर के लिए जानी जाती है। इस मजबूत नींव पर आधारित न्यू इनोवा क्रिस्टा टोयोटा की निरंतर सुधार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इसमें चुनिंदा ग्रेड्स में अतिरिक्त फीचर्स दिए गए हैं, जो फंक्शनल और एस्थेटिक एन्हांसमेंट्स का सोच-समझकर किया गया मेल हैं।

सेमाग्लूटाइड की सिंगल-शॉट प्री-फिल्ड सिरिंज लॉन्च

मुंबई। अल्केम लेबॉरेट्रीज लिमिटेड ने सिंगल-शॉट प्री-फिल्ड सिरिंज फॉर्मेट में सेमाग्लूटाइड के लॉन्च की घोषणा की। यह उत्पाद विभिन्न डोज के विकल्प में उपलब्ध होगा और इसकी शुरूआती कीमत रुपये 350 रखी गई है।अल्केम भारत में सेमाग्लूटाइड को सिंगल-शॉट प्री-फिल्ड सिरिंज फॉर्मेट में पेश करने वाली पहली कंपनी है। यह लॉन्च मरीजों के लिए उपचार के विकल्पों का विस्तार करता है और किफायती मूल्य निर्धारण के माध्यम से उपचार शुरू करने की बाधाओं को कम करता है। कंपनी को टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस और मोटापे के प्रबंधन हेतु, आहार और व्यायाम के साथ सहायक उपचार के रूप में सेमाग्लूटाइड प्री-फिल्ड सिरिंज के निर्माण और विपणन की मंजूरी प्राप्त हुई है।

एबीडी ने ओडिशा के बाजार में रखा कदम

भुवनेश्वर। एबीडी ने आज ओडिशा बाजार में कदम रखने की घोषणा की है। कंपनी ने भुवनेश्वर में अपनी चार प्रीमियम उत्पादों की शुरूआत की है। यह लॉन्च एबीडी माएस्ट्रो के लिए एक बड़ा कदम है। कंपनी अब उच्च संभावना वाले बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है। यह कदम कंपनी के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है जिसमें वो भारतीय उपभोक्ताओं के बदलते स्वाद के हिसाब से सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव वाली आधुनिक लग्जरी अल्कोहल बनाना चाहती है। ओडिशा में एबीडी माएस्ट्रो का संग्रह चार अलग-अलग ब्रांड्स को एक साथ लाता है, जिनमें से प्रत्येक की अपनी एक अनूठी पहचान है। ओडिशा ने हमेशा हुनर और कला की कद्र की है। इसने पूरी दुनिया को पट्टचित्र, पिपली का पैचवर्क, चांदी की तारकशी, कोटपाड़ और इकत जैसी खूबसूरत कलाकृतियाँ दी हैं। ओडिशा के लोगों में नई और अनोखी चीजों को समझने की बहुत अच्छी समझ है। हमारी ड्रिंक्स और अनुभवों की दुनिया में, ओडिशा हमारे लिए सबसे खास है।

आरएसपीएल ग्रुप ने पूरे किये 50 वर्ष

नई दिल्ली। आरएसपीएल ग्रुप ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह यात्रा आज एक वैश्विक पहचान में बदल चुकी है। आरएसपीएल की स्थापना एक छोटे से उद्यम के रूप में की थी।पिछले पांच दशकों में कंपनी ने भारत में बना, भारतीयों के लिए बना के अपने मूल दर्शन को केंद्र में रखते हुए उपभोक्ताओं का भरोसा जीता और देश के प्रमुख एफएमसीजी समूहों में अपनी पहचान बनाई।50 वर्षों की यह उपलब्धि गुणवत्ता, नवाचार और उपभोक्ताओं के विश्वास का परिणाम है।

समुद्री खाद्य क्षेत्र में भारत के पास बहुत मौके

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक समुद्री खाद्य कारोबार में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत है, जबकि इस क्षेत्र में देश के पास बहुत ज्यादा मौके हैं। विशाखापत्तनम में समुद्री खाद्य निर्यात पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश की ब्लूइकॉनमी का विकास देश की तरक्की में अहम योगदान देगा।

सेंसेक्स में 117 अंकों की गिरावट

मुंबई। मौद्रिक नीति घोषणाओं के बीच शेयर बाजारों में शुक्रवार को मुनाफावसूली होने से गिरावट आई और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 117 अंक टूट गया जबकि एनएसई निफ्टी 49.85 अंक नुकसान में रहा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाने और महंगाई के अनुमान को बढ़ाने के बीच मुनाफावसूली होने से बाजार नुकसान में रहा। साथ ही विदेशी पूंजी की निकासी और एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक यानी 0.16 प्रतिशत टूटकर 74,243.34 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ऊंचे में 74,717.57 गया और नीचे में 73,988.75 तक आया। इस तरह सेंसेक्स में कुल 728.82 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 49.85 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,366.70 पर बंद हुआ। आरबीआई ने शुक्रवार को उम्मीद के अनुरूप प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। इसके साथ पश्चिम एशिया संघर्ष, ऊर्जा की उंची कीमतों और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में समस्या के कारण वृद्धि और मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के बीच विदेशी पूंजी आकर्षित करने और रुपये को समर्थन देने के लिए कई उपायों की घोषणा की गई। आरबीआई ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत जबकि खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। मौद्रिक नीति उम्मीद के अनुरूप रहने से घरेलू शेयर बाजार लगभग स्थिर बंद हुए। आरबीआई के उपायों से रुपये को मजबूत करने में मदद मिली। हालांकि, वृद्धि अनुमान में कमी और मुद्रास्फीति के संतुलित दृष्टिकोण के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली को तरजीह दी। सरकार ने घोषणा की है कि वह एक अप्रैल, 2026 से सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले पात्र विदेशी निवेशकों के लिए ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर कर छूट देगी। वहीं आरबीआई ने बिना पाबंदी वाले विदेशी निवेश मार्ग के तहत उपलब्ध सरकारी बॉन्ड के दायरे को बढ़ाया है। नीतिगत निर्णय के साथ, आरबीआई और सरकार ने विदेशी पूंजी को आकर्षित करने और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश निकासी के बीच भारतीय रुपये को समर्थन देने के लिए उपायों के एक व्यापक पैकेज की घोषणा की है। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत कमजोर होकर 94.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 4,447.06 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रुपया 81 पैसे के उछाल से 94.93 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 81 पैसे के उछाल के साथ 94.93 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा प्रवाह मजबूत करने के लिए कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 94.89 के उच्च स्तर तक पहुंचा और अंततः 94.93 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 81 पैसे की मजबूती है। रुपया बृहस्पतिवार को दो पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने और तटस्थ रुख बनाए रखने का निर्णय लिया है। रेपो दर को तटस्थ रुख के साथ 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने और चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत करने से आरबीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि दर नीति का उपयोग महंगाई नियंत्रण के लिए होगा और रुपये की रक्षा पूंजी खाते के माध्यम से की जाएगी। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.22 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 116.67 अंक टूटकर 74,243.34 अंक पर जबकि निफ्टी 49.85 अंक फिसलकर 23,366.70 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 94.75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 4,447.06 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

वैश्विक जीडीपी हिस्सेदारी में चीन को पछाड़ देगा भारत

नयी दिल्ली। भारत वर्ष 2060 के आसपास क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी के मामले में चीन को पीछे छोड़ सकता है जबकि सदी के उत्तरार्द्ध में चीन की हिस्सेदारी घटने की संभावना है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया।

क्रय शक्ति समता (पीपीपी) उन कुल वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा को मापती है, जिसे किसी देश की मुद्रा की एक इकाई दूसरे देश में खरीद सकती है। इस रिपोर्ट को शोध संस्थान वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब (डब्ल्यूआईएल) से जुड़े शोधकर्ताओं ने तैयार किया है। पेरिस स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स (पीएसई) में स्थित डब्ल्यूआईएल वैश्विक असमानताओं के अध्ययन पर काम करता है। रिपोर्ट कहती है कि वर्तमान में चीन की पीपीपी के संदर्भ में वैश्विक जीडीपी में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो अमेरिका की तुलना में लगभग एक-तिहाई अधिक है। इसमें वर्ष 2035 तक चीन की अर्थव्यवस्था के अमेरिका से लगभग दोगुनी होने का अनुमान भी जताया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की जनसंख्या हिस्सेदारी तेजी से घट रही है। वर्ष 1945 में जहां यह दुनिया की जनसंख्या का लगभग 23 प्रतिशत थी, वहीं 2025 में यह घटकर करीब 17 प्रतिशत रह गई है और वर्ष 2100 तक इसके आठ प्रतिशत से भी कम रह जाने का अनुमान है। रिपोर्ट कहती है, इसी वजह से 21वीं सदी के दूसरे हिस्से में चीन की वैश्विक जीडीपी में हिस्सेदारी स्थिर होने के बाद घटने का अनुमान है। लगभग वर्ष 2060 तक भारत के चीन को पीछे छोड़ देने की संभावना है। इसके मुताबिक, इस बात की संभावना बहुत कम है कि चीन कभी उस तरह का वैश्विक प्रभुत्व हासिल कर सकता है जैसा अमेरिका ने लगभग 1950 के आसपास या यूरोप ने 19001910 के बीच हासिल किया था। इसके चलते भविष्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था के बहुध्रुवीय बने रहने की संभावना जताई गई है। मौजूदा समय में भारत में असमानता चीन की तुलना में कहीं अधिक है, लेकिन उत्पादकता वृद्धि अपेक्षाकृत कम है। मानव पूंजी में चीन के अधिक और बेहतर निवेश को इसका कारण बताया गया है।

भारत के साथ व्यापार वार्ता में प्रगति को लेकर आशान्वित है अमेरिका

एजेंसी

न्यूयॉर्क। भारत के साथ व्यापार वार्ता की प्रगति को लेकर अमेरिका काफी आशान्वित है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बना हुआ है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टोमी पिगोट ने यह जानकारी दी। पिगोट ने बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के साथ आयोजित एक गोलमेज बातचीत के दौरान पीटीआई-भाषा के एक सवाल के जवाब में यह बात कही।उन्होंने कहा, व्यापार के मुद्दे पर हम व्यापार वार्ताओं में हो रही प्रगति को लेकर बहुत उम्मीदें रखते हैं। पिगोट ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के अधिकारियों की हालिया भारत यात्रा का ज़िक्र करते हुए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के रिश्तों को आगे बढ़ाने में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर की भूमिका पर भी ज़ोर दिया। पिगोट ने कहा, उन्होंने इस व्यापार के मुद्दे को वाकई बहुत अहम बना दिया है ,जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश के माध्यम से भी और अधिक खास बन गए।

रेपो दर स्थिर रखने का आरबीआई का फैसला संतुलित कदम

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय संतुलित कदम है और यह कारोबार धारणा को मजबूत बनाने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देगा। रेपो दर को यथावत रखने का यह संतुलित एवं सोच-समझकर उठाया गया कदम कारोबारी धारणा को मजबूती देगा और आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करेगा।

मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बने रहने की उम्मीद है। यह निर्णय मुद्रास्फीति को लक्षित दायरे में रखते हुए आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के बीच संतुलन को दर्शाता है। सान्याल ने कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं, विशेषकर ऊर्जा कीमतों, व्यापार प्रवाह और मुद्रास्फीति पर संभावित प्रभावों के बीच आरबीआई ने नीतिगत लचीलापन बनाए रखा है। यह कदम घरेलू अर्थव्यवस्था में विश्वास को दर्शाता है और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप समय के हिसाब से कदम उठाने की गुंजाइश भी बनाए रखता है। आरबीआई ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए शुक्रवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसके साथ ही तटस्थ रुख को भी कायम रखा गया है। आरबीआई का यह फैसला मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमतों, खाद्य मुद्रास्फीति, रुपये में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति शृंखला बाधाओं और वैश्विक अनिश्चितताओं से जुड़े जोखिमों के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। प्रमुख ब्याज दर में स्थिरता से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को पहले से अनुमान लगाने की सुविधा मिलती है, जिससे उन्हें नकदी प्रवाह की बेहतर योजना बनाने, भंडार प्रबंधन, ऋण भुगतान और मूल्य निर्धारण में आसानी होती है। स्थिर कर्ज लागत से उद्यमियों को विस्तार, नियुक्ति और प्रौद्योगिकी निवेश जैसे निर्णय अधिक आत्मविश्वास के साथ लेने में मदद मिलती है। साथ ही, एमएसएमई क्षेत्र के लिए यह स्थिरता दीर्घकालिक अनुबंधों और कार्यशील पूंजी प्रबंधन में भी सहायक है। मुद्रास्फीति अनुमान में बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में एक से दो बार ब्याज दरों में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि मानसून और वैश्विक परिस्थितियों का प्रभाव भी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। विदेशी पूंजी प्रवाह, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और एनआरआई जमा पर उठाए कदम रुपये को मजबूत करने के लिए एक सकारात्मक पहल हैं।

बीसीएमएल व लखनऊ कैंटोनमेन्ट बोर्ड ने लॉन्च की नयी पहल

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सस्टेनेबिलिटी एवं जिम्मेदाराना उपभोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड ने लखनऊ छावनी बोर्ड के सहयोग से आज बायोगुय ग्रीन कमांड 2026 का औपचारिक लॉन्च किया। अपनी तरह का पहला यह प्लेटफॉर्म भारत के बायोप्लास्टिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

इस पहल का उद्घाटन भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में हुआ। उनकी उपस्थिति पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार इनोवेशन, स्वदेशी निर्माण और पारंपरिक प्लास्टिक के सस्टेनेबल विकल्पों पर देश के बढ़ते फोकस को दर्शाती है। कार्यक्रम के दौरान बलरामपुर बायोयुग और लखनऊ छावनी बोर्ड के बीच एक औपचारिक साझेदारी की शुरूआत हुई। इससे पहले इसी साल एक ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे तथा बीसीएमएल ने कम्पोस्टेबल पीएलए-आधारित उत्पादों के लिए अपना पहला संस्थागत ऑर्डर दिया था। इस अवसर पर बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक सराओगी ने कहा कि भारत अपनी सस्टेनेबिलिटी यात्रा के एक अहम मोड़ पर है, जहाँ आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को साथ-साथ आगे बढ़ना होगा।

पेज एक का शेष

तीन लाख

समर्थन मिलेगा और नवोन्मेष आधारित विकास में तेजी आएगी। उन्होंने कहा यह स्पष्ट है कि विश्व की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य तेजी से भारत में आकार ले रहा है। एयरट्रंक एक हाइपरस्केल डेटा सेंटर विशेषज्ञ है जो एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया (एपीएमई) क्षेत्र में क्लाउड, सामग्री और बड़े उद्यमों के लिए एक मंच तैयार करती है। एयरट्रंक के सीईओ खुदा ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सोच ने प्रौद्योगिकी निवेश के लिए इसे दुनिया के सबसे आकर्षक स्थलों में से एक बनने में मदद की है। कंपनी के बयान में उनके हवाले से कहा गया है, भारत के पास वैश्विक एआई पावरहाउस बनने के लिए आवश्यक क्षमता, प्रतिभा और महत्वाकांक्षा है। एयरट्रंक इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए उत्साहित है। भारत में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक, ब्लैकस्टोन और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (सीपीपीआईबी) समर्थित, एयरट्रंक का प्रस्तावित निवेश कार्यक्रम देश में वर्तमान में विचाराधीन सबसे बड़ी डिजिटल अवसंरचना पहल में से एक होगा और क्लाउड और कृत्रिम मेधा में वृद्धि के अगले चरण को सक्षम बनाने में मदद करेगा।

कच्चे तेल

प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। हालांकि, सकल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति आरबीआई के दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे के साथ चार प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। एमपीसी ने आगाह किया है कि वैश्विक ऊर्जा की उंची कीमतें और आपूर्ति में अचानक आए झटके मजदूरी और मुद्रास्फीति अनुमान पर आगे और प्रभाव डाल सकते हैं। मल्होत्रा ने कहा, एमपीसी ने अधिक स्पष्टता आने तक इंतजार करना उचित समझा...। केंद्रीय बैंक आंकड़ों और मुद्रास्फीति के जोखिमों पर बारीकी से नजर रखेगा। आरबीआई ने कहा कि उपभोग, निवेश और विनिर्माण और सेवाओं में निरंतर विस्तार के कारण घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। हालांकि, ऊर्जा की उंची लागत, कमजोर वैश्विक मांग और सामान्य से कम मानसूनी बारिश का अनुमान वृद्धि के लिए जोखिम पैदा करते हैं। सरकार ने घोषणा की है कि वह एक अप्रैल, 2026 से सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले पात्र विदेशी निवेशकों के लिए ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर कर समाप्त कर देगी। आरबीआई ने बिना पाबंदी वाले विदेशी निवेश मार्ग के तहत उपलब्ध सरकारी बॉन्ड के दायरे को बढ़ाया है।

यूपी ने

मित्र के रूप में मान्यता दी गई है। यह जीवन चक्र आपस में जुड़ा है। सीएम ने कुकरैल वन क्षेत्र के शानदार प्राकृतिक वातावरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां और लखनऊ के तापमान में अंतर होता है। लखनऊ में 45 तो कुकरैल में तापमान 40 या उससे कम होगा। प्रकृति की गोद में जो भी आगे बढ़ेगा, वह आरोग्यता के लिए महत्वपूर्ण होगा। हमने कुकरैल से अवैध कब्जे हटाए। आज कुकरैल के किनारे लखनऊ का सबसे शानदार प्राकृतिक दृश्य सौमित्र वन भी दिख रहा है। सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम इंस्पायर्ड बाई नेचर फॉर क्लाईमेट फॉर अवर फ्यूचर का जिक्र किया और कहा कि स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि व हरित वन मानव सभ्यता की जीवन रेखा हैं। जब प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानवता सुरक्षित रह पाएगी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में जल व सबमर्सिबल की व्यवस्था हो गई है, लेकिन पहले कुआं खोदना पवित्र कार्य माना जाता था। दस कुओं के बराबर एक बावड़ी, दस बावड़ी के बराबर एक तालाब, दस तालाब के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है यानी वृक्ष का महत्व सर्वाधिक है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने तीन वर्ष पहले ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान का आह्वान किया था। उन्हीं की प्रेरणा से 9 वर्ष में प्रदेश में पौधरोपण के वृहद कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। संकटों का सामना करने के लिए पीएम ने वसुधैव कुटुम्बकम के अनुरूप ह्यएक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्यह्व का संदेश भी दुनिया को दिया है। उनके आहवान पर हम सब भारतवासी पौधरोपण महाभियान के तहत जननी व जन्मभूमि के प्रति पर्यावरण की चुनौतियों का सामना करते हुए प्रकृति के साथ खड़े हैं। सीएम ने कहा कि मार्च 2017 में पौधरोपण के लिए वन विभाग की नर्सरी में बमुश्किल 5 लाख पौधे मिल पाए थे, लेकिन आज सरकारी व निजी नर्सरी में 55 करोड़ पौधे तैयार हैं। आज प्रदेश भर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पांच करोड़ पौधे लग रहे हैं। अब जुलाई में महाभियान चलाएंगे और एक दिन में नागरिकों के साथ मिलकर 35 करोड़ पौधे लगाएंगे। सीएम ने ग्लोबल वार्मिंग, वायु प्रदूषण, बायो डायवर्सिटी के क्षरण व जल संकट को चैलेंज बताया। उन्होंने कहा कि इसके कारण पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैस तथा ऐसे पार्टिकल आ रहे हैं तो लंग्स को प्रभावित कर रहे हैं। वातावरण में ऐसी चीजें घुल रही हैं, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं। इससे वर्षा का चक्र ही बदल गया है। कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी जल संसाधन की दृष्टि से समृद्धतम राज्यों में से एक है। हमारे पास अनेक साइट्स हैं, उन्हें चिह्नित करना होगा। अवैध कब्जों से मुक्त कराना होगा। 9 वर्ष पहले प्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, आज 13 हो गई हैं। इमरजेंसी के खिलाफ शंखनाद करने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जयप्रकाश की पावन जन्मभूमि बलिया के अंदर सुरहा ताल का 13वें रामसर साइट्स के रूप में चयन हुआ है। 2021 में पीएम मोदी ने गोरखपुर में फर्टिलाइजर प्लांट का शुभारंभ किया। मैंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि कारखाने से सटा चिलुआताल है, यदि इसका संरक्षण करेंगे तो अच्छा जल मिल सकता है।

मजबूत और

आह्वान किया। सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा दुनिया अब भारत को एक कमजोर देश के रूप में नहीं देखती, बल्कि एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्वीकार करती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और वैश्विक स्तर पर इसकी सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है और यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत में महंगाई नियंत्रण में है और अन्य देशों की तुलना में स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित अधिकांश लक्ष्यों को समय पर पूरा किया गया है और पौधारोपण जैसे पर्यावरणीय लक्ष्यों को भी पूरा किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान को प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊ छावनी क्षेत्र में एक पौधा लगाया।

प्रकृति व प्रगति

संसाधनों के संरक्षण और उनके विवेकपूर्ण उपयोग की सीख देती हैं। यही कारण है कि पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा भारतीय जीवन दर्शन का अभिन्न अंग रही है। उन्होंने कहा कि आज विश्व जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है। अनियमित मौसम, जल स्रोतों में कमी, हिमनदों का तेजी से बदलता स्वरूप और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं गंभीर चेतावनी हैं। इन परिस्थितियों में सामूहिक प्रयास ही प्रभावी समाधान बन सकते हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित पर्यावरणीय जागरूकता अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों की देखभाल को भी अपनी जिम्मेदारी मानने का आग्रह किया। उन्होंने उत्तराखंड के ऐतिहासिक चिपको आंदोलन का स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेश की महिलाओं ने प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में जो प्रेरणादायी भूमिका निभाई, वह आज भी पूरे देश के लिए मार्गदर्शक है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति वही जागरूकता और प्रतिबद्धता वर्तमान समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम से पूर्व, मुख्यमंत्री ने भीमताल स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने नैनीताल जिले के लिए विभिन्न आधारभूत और जनकल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कुल 96 करोड़ 71 लाख रुपये की लागत से तैयार और प्रस्तावित 13 परियोजनाओं में 6 पूर्ण विकास कार्यों का उद्घाटन तथा 7 नई योजनाओं की आधारशिला रखी गई।

नीट पेपर में

न ही उनके जब्त किए गए दो मोबाइल फोन में कोई आपत्तिजनक सामग्री मिली, और वह चक्कर आने जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं।वाघमारे को 14 मई को गिरफ्तार किया गया था और वह न्यायिक हिरासत में हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पेपर लीक के आरोपों के बीच चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) (नीट) को रद्द कर दिया। पुनः परीक्षा 21 जून को निर्धारित की गई है।

देश का

घोषणा की गई। बलिया स्थित सुरहा ताल देश का 100वां व उत्तर प्रदेश का 13वां रामसर साइट्स बना। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने मंच पर इसका प्रमाण पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के रामसर स्थलों के डॉकेट व बुकलेट का भी विमोचन किया। यूपी कैंप के लोगो के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 100 स्कूलों के 2000 विद्यार्थियों समेत प्रोफेशनल व डिजाइनर्स ने भी हिस्सा लिया। सीएम ने मंच पर इसके विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

प्रदेश में

पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा जोखिमों और उससे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की हानि को न्यूनतम करना है, जिसके लिए बचाव एवं शमन के उपायों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव राजस्व विभाग ने बताया कि इस अत्याधुनिक प्रणाली के माध्यम से मौसम की सटीक और रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध होगी, जिससे आपदा की पूर्व चेतावनी समय पर दी जा सकेगी।

केरल में

(मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड) में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं रविवार के लिए मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। रेड अलर्ट को देखते हुए, वायनाड, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में पर्यटक ट्रेकिंग स्थलों में प्रवेश और पहाड़ी सड़कों पर रात्रि यात्रा के साथ-साथ पत्थर खनन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वायनाड और कासरगोड जिलों में छह जून को शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया था। शुक्रवार के लिए, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।इसके अलावा, राज्य के शेष छह जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

भारतीय को कड़ी चुनौती देगी अफगानिस्तान टीम

डब्ल्यूटीसी मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ उचित संयोजन तैयार करने उतरेगा भारत

मुल्लांपुर। भारत का पिछले कुछ समय में घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, लेकिन उसकी टीम अब भी बेहद मजबूत है और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के महत्वपूर्ण मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में उचित संयोजन तैयार करने की कोशिश करेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है लेकिन टीम की दिशा तय करने के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है। इन दोनों टीम के बीच इससे पहले 2018 में टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें अफगानिस्तान ने लंच और चाय के सत्र के बीच 10 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तीसरे सत्र में उसकी दूसरी पारी भी सिमट गई थी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब2026 में हशमतुल्लाह शाहिदी की अगुवाई वाली अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने की कोशिश करेगी जो बदलाव के दौर से गुजर रही है और अभी तक उचित संयोजन तैयार करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके बावजूद भारत का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। लेकिन भारतीय खिलाड़ी पिछले साल बेहतरीन तैयारी के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम से 0-2 से मिली करारी हार को नहीं भूले होंगे और वह अनुभव के अंतर के बावजूद विपक्षी टीम को हल्के में न लें तो बेहतर होगा। तीसरे नंबर का बल्लेबाज और लाल गेंद की क्रिकेट में रवींद्र जडेजा के संभावित उत्तराधिकारी दो ऐसे पहलू हैं जिन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले इस मैच में दौरान सुलझाना चाहेंगे। इस मैच के दौरान भारतीय टीम प्रबंधन के लिए यह भी एक बड़ा निर्णय होगा कि क्या साई सुदर्शन को टीम में बरकरार रखा जाएगा या फिर स्टाइलिश देवदत्त पडिक्कल को मौका दिया जाएगा जिन्होंने अभी तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की खेल की शैली में ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन इस मैच में इनमें से जो भी खिलाड़ी खेलेगा, टीम प्रबंधन उसे लंबी अवधि तक मौका देने पर विचार कर सकता है। इस मैच में रवींद्र जडेजा को आराम दिया गया है, लेकिन यह एक सच्चाई है कि भारतीय चयनकर्ता और टीम प्रबंधन राजकोट के इस ऑलराउंडर के बिना भी टीम को तैयार करने के लिए अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण जडेजा का गेंदबाजी में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाना रहा है। जडेजा की सबसे बड़ी खूबी विदेशी परिस्थितियों में टेस्ट मैच में उनकी बल्लेबाजी है, जो अभी भी बेहतरीन है और इसलिए उनके पास अभी कुछ समय है।लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन ने उनके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है और इसलिए उसने मानव सुथार और हर्ष दुबे को टीम में रखा है। अगर पिछले कुछ दिन के नेट अभ्यास पर गौर करें तो सुथार बेहतर खिलाड़ी नजर आते हैं लेकिन दुबे का पलड़ा भी कम भारी नहीं है। मानव आक्रामक गेंदबाज नजर आते हैं जबकि दुबे का रवैया थोड़ा रक्षात्मक है लेकिन उनकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत है।जहां तक भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबले की बात है तो आंकड़ों पर नजर डालने से भी अंतर स्पष्ट हो जाता है। अफगानिस्तान ने 2018 में बेंगलुरु में भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था, जिसे मेजबान टीम ने दो दिनों के भीतर ही जीत लिया था। इसके बाद से जून 2026 तक अफगानिस्तान ने 11 और मैच खेले हैं। इसी अवधि में भारत ने 67 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से ऋषभ पंत अकेले 49 मैचों का हिस्सा रहे हैं। संयोगवश, जब अफगानिस्तान आखिरी बार भारत के खिलाफ खेला था, तब पंत ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण भी नहीं किया था। 2018 की टीम से केवल केएल राहुल ही वर्तमान भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जबकि अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और बल्लेबाज रहमत शाह भी उस मैच में खेले थे। अफगानिस्तान की पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप के पास कुल मिलाकर नौ टेस्ट शतक हैं, जबकि भारतीय टेस्ट टीम में शामिल बल्लेबाजों ने 39 शतक बनाए हैं। शाहिदी की टीम ने अफगानिस्तान के जलालाबाद में एक शिविर लगाया था, लेकिन केवल अभ्यास सत्रों से ही किसी टीम को टेस्ट मैच के लिए तैयार नहीं किया जा सकता। यह मैच जून के महीने में उत्तर भारत में भीषण गर्मी में खेला जाएगा और इसमें दोनों टीम की शारीरिक फिटनेस की भी कड़ी परीक्षा होगी। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों को आईपीएल समाप्त होने के एक सप्ताह के अंदर सबसे छोटे प्रारूप से सबसे बड़े प्रारूप में खेलना है और यह भी एक चुनौती होगी।

टीम किस प्रकार हैंः

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, मानव सुथार, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल।

अफगानिस्तानः हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, रहमानुल्लाह गुरबाज़, रहमानुल्लाह, अफ़सर ज़ज़ई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, अज़्मतुल्लाह उमरज़ई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, बिलाल सामी, कैस अहमद, मोहम्मद सलीम, जियाउर रहमान। मैच शुरू होने का समयः सुबह 9:30 बजे से।

गंभीर ने दिन के टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के प्रस्ताव का किया समर्थन

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल की अनुमति देने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का स्वागत करते हुए शुक्रवार को कहा कि इससे मैच का परिणाम हासिल करने का मौका मिलेगा। आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दोनों टीमों की सहमति होने पर सामान्य टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के उपयोग का परीक्षण किया जा सकेगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।

यह पता चला है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन अगर रोशनी की समस्या उत्पन्न होती है तो फ्लडलाइट (दुधिया रोशनी) में गुलाबी गेंद का उपयोग किया जाएगा, जिससे उन ओवरों की भरपाई की जा सके। गंभीर ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले कहा, मुझे यह फैसला पसंद है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद है तो उसे हर हाल में किया जाना चाहिए। यह नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। गंभीर के समर्थन के पीछे एक व्यवहारिक कारण भी है। भारत को फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। श्रृंखला का तीसरा टेस्ट गुवाहाटी और अंतिम टेस्ट रांची में प्रस्तावित है। देश के पूर्वी क्षेत्र के इन शहरों में सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होने के कारण खेल के ओवर प्रभावित हो सकते हैं। गंभीर ने कहा, कल्पना कीजिए कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले आप आखिरी टेस्ट खेल रहे हों और जीत के साथ फाइनल में जगह बनाने की संभावना हो लेकिन खराब रोशनी के कारण मैच का परिणाम ही न निकल पाए। अगर दोनों टीमें सहमत हों और परिणाम निकालने का अवसर मिले, तो मैं इसके पूरी तरह पक्ष में हूं। उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि एक ही मैच के दौरान लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह दांव पर होने की स्थिति में खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुरूप ढलना होगा।

उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि खिलाड़ियों के लिए यह बदलाव कुछ कठिन और अनिश्चित हो सकता है, लेकिन सोचिए कि आपने दो वर्षों तक कड़ी मेहनत की हो और फाइनल से पहले आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे हों। गंभीर ने कहा, अगर खराब किस्मत के कारण पांच दिनों तक पर्याप्त खेल ही न हो पाए तो उससे बड़ी अनिश्चितता और क्या होगी? मुझे लगता है कि यह एक सकारात्मक कदम है। उम्मीद है कि टीमें भी इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से अपनाएंगी।

संक्षेप

रोम डायमंड लीग में आठवें स्थान पर रहे सचिन

रोम। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव डायमंड लीग में पदार्पण करते हुए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और आठवें स्थान पर रहे, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का प्रतिष्ठित आंकड़ा पार करते हुए खिताब जीता। 26 वर्षीय यादव केवल 79.18 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 86.27 मीटर से काफी कम था। उन्होंने अपना यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में किया था जहां वह चौथे स्थान पर रहे थे। उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 81.95 मीटर है। यादव ने फाउल थ्रो से शुरुआत की तथा फिर अगले चार प्रयासों में 79.18 मीटर, 77.02 मीटर, 76.62 मीटर और 75.54 मीटर थ्रो किया। पांच थ्रो के बाद वह आठवें स्थान पर रहे। पांचवें राउंड के बाद केवल शीर्ष तीन खिलाड़ी ही अपना छठा और अंतिम थ्रो कर सकते हैं। इस बीच 23 वर्षीय पथिराज ने अपने दूसरे प्रयास में 92.62 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर खिताब अपने नाम किया। ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन और 2024 पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता एंडरसन पीटर्स 83.91 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 83.89 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

म्युनिख से लौटते समय उड़ान में बीमार पड़ने के बाद राणा को डला स्टेंट

नयी दिल्ली। मशहूर निशानेबाजी कोच जसपाल राणा जर्मनी के म्युनिख में हुए आईएसएसएफ विश्व कप से भारतीय दल के साथ लौटते हुए उड़ान में बीमार हो गए जिसके बाद उन्हें चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। राणा भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफार्मेंस कोच हैं। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के एक सूत्र ने बताया, जसपाल को विमान में अच्छा महसूस नहीं हो रहा था और दिल्ली पहुंचने के बाद वह सीधे अस्पताल गए जहां टेस्ट के बाद उन्हें एक स्टेंट डाला गया। एक खिलाड़ी के तौर पर शानदार कैरियर के बाद जूनियर टीम के कोच और हाई परफार्मेंस ट्रेनर के रूप में भी राणा का कैरियर उपलब्धियों से भरा रहा है। उनके मार्गदर्शन में मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीते। वह फरवरी 2025 से 25 मीटर पिस्टल में भारत के हाई परफार्मेंस कोच हैं।

प्रज्ञानानंदा ने गुकेश को हराकर खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाये

ओस्लो। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने हमवतन डी गुकेश पर क्लासिकल बाजी में शानदार जीत हासिल करके नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। प्रज्ञाननंदा इस जीत के बाद शीर्ष पर काबिज अमेरिका के वेस्ली सो से सिर्फ आधा अंक पीछे रह गए हैं, जिससे यहां अंतिम दौर में रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलने के बावजूद विश्व चैंपियन गुकेश को क्लासिकल बाजी में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किये। इससे वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। नौवें दौर के बाद प्रज्ञाननंदा 15 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (15.5) से ठीक पीछे दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा भी 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहकर खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इस तरह से अंतिम दौर में तीन खिलाड़ियों के पास खिताब जीतने का मौका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जो भी खिलाड़ी खिताब जीतेगा, वह पहली बार नॉर्वे शतरंज चैंपियन बनेगा। प्रज्ञाननंदा निर्णायक अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर का सामना करेंगे जबकि वेस्ली सो का मुकाबला अलीरेज़ा से होगा। वेस्ली सो ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में मैग्नस कार्लसन को हराया। इस तरह से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी का खराब प्रदर्शन जारी रहा। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा ने एक राउंड शेष रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया, जबकि वह यूक्रेन की अन्ना मुज़िचुक से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार गई थी। उनके 16.5 अंक हो गए हैं। झू जिनेर ने काले मोहरों से खेलते हुए दिव्या देशमुख को हराया और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। कोनेरू हम्पी को महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार मिली।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे साईं सुदर्शन चार स्पिनरों को तैयार करेगा भारतः गंभीर

मुल्लांपुर। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने शुक्रवार को कहा कि साई सुदर्शन को टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का उचित मौका नहीं मिला है और संकेत दिया कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से यहां होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले देवदत्त पडिक्कल के बजाय बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता दी जाएगी।

गंभीर ने यह भी कहा कि टीम अगस्त में श्रीलंका दौरे के लिए चार स्पिनरों को तैयार करेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह टेस्ट मैच मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है लेकिन यह आगामी श्रृंखलाओं को देखते हुए टीम संयोजन तैयार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गंभीर ने पत्रकारों से कहा, साई सुदर्शन को उचित मौका नहीं मिला है। उन्होंने अधिकतर मैच इंग्लैंड में खेले और मुझे लगता है कि उन्हें उचित मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, हम (केवल) 11 (खिलाड़ियों) का चयन कर सकते हैं और साईं खराब फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं। अगर हम साईं का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे। मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच बाएं हाथ के स्पिनर के एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा हैं और गंभीर ने कहा कि भारत को श्रीलंका में अगस्त में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्पिन गेंदबाजी के कई विकल्प तैयार करने होंगे।

उन्होंने कहा, मानव और हर्ष कुछ हद तक एक जैसे खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके गेंद फेंकने के तरीके में कुछ अंतर भी हैं। इस मैच से हमें अपना चौथा स्पिनर तैयार करने में मदद मिलेगी क्योंकि हम श्रीलंका में चार स्पिनर लेकर जाएंगे। गंभीर ने कहा कि न्यूजीलैंड का दौरा करने पर हमें अलग तरह से तैयारी करनी होगी। हमारा मानना है कि हमें टेस्ट मैचों के लिए बेहतर तैयारी करने की जरूरत है। टेस्ट उप-कप्तान के पद से ऋषभ पंत को हटाए जाने के संदर्भ में गंभीर ने कहा कि इस बल्लेबाज को उनका समर्थन हासिल है, लेकिन उन्हें खेल की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है।

भारतीय कोच ने कहा कि हम ऋषभ पंत की खेल की शैली में बदलाव नहीं चाहते, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के लिए मैच की परिस्थितियों का सम्मान करना जरूरी होता है।

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की फॉर्म भारत के लिए अहमः डायना

मुंबई। भारत की पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी का मानना है कि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की फॉर्म महिला टी20 विश्व कप में टीम की संभावनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी।

भारत ने विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला खेली थी, जिसमें मंधाना और शेफाली अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। भारत यह श्रृंखला।-2 से हार गया था। एडुल्जी ने पीटीआई वीडियो से कहा, इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमें केवल सलामी जोड़ी के प्रदर्शन पर ही गौर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, स्मृति और शेफाली को जल्द से जल्द फॉर्म में वापसी करनी होगी। उनकी फॉर्म भारत की विश्व कप में संभावनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एडुल्जी ने इस बात को खारिज कर दिया कि भारत को मुश्किल ड्रॉ मिला है जिसमें उसका सामना छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों से होगा। विश्व कप में भाग लेने वाली सभी टीमें मजबूत हैं। आप किसी भी ग्रुप में हो सकते हैं। टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें मैच वाले दिन अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम के जीतने की संभावना अधिक होती है। अगर कोई कमजोर टीम है और वह उस दिन अच्छा प्रदर्शन करती है तो वह मजबूत टीम को भी हरा सकती है।

भारत विश्व कप में अपना पहला मैच 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

छठा सैफ महिला खिताब जीतने की पूरी कोशिश करेगा भारत

मडगांव। अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला टीम शनिवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले सैफ महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। भारत क्षेत्रीय टूर्नामेंट में अपना रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की कोशिश करेगा। उसे फाइनल में बांग्लादेश की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा लेकिन वह अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ग्रुप चरण में 3-0 की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। भारतीय टीम लगातार पांच खिताब जीतने के बाद पिछले दो अवसरों पर फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई थी। बांग्लादेश ने 2022 और 2024 में दोनों मौकों पर नेपाल को हराकर ट्रॉफी जीती थी। क्रिसपिन छेत्री की कोचिंग वाली भारतीय टीम अब पिछले दो अवसरों पर मिली हार का बदला लेने और 2019 के बाद पहली बार चैंपियन बनने की कोशिश करेगी। भारत ने अभी तक 15 गोल किए हैं जबकि उसने एक भी गोल नहीं खाया है। गोलकीपर पैंथोई चानू ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम उनसे इसे जारी रखने की उम्मीद करेगी। सेमीफाइनल में स्टार स्ट्राइकर मनीषा कल्याण की वापसी से टीम के आक्रमण को भी मजबूती मिली है। बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप मैच में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी मंगलवार को ही टीम में शामिल हुईं। वह इससे पहले पेरू क्लब अलियांजा लीमा की तरफ से खेल रही थी। भारत ने मालदीव पर 11-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और फिर बांग्लादेश को 3-0 से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत फीफा रैंकिंग में 69वें स्थान पर जबकि बांग्लादेश 107वें स्थान पर है। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ अभी तक खेले गए 13 मैच में से 10 जीते हैं, एक मैच ड्रॉ रहा और दो में उसे हार मिली।

बढ़ती लागत और वीजा चिंताओं ने फुटबॉल विश्व कप में फीका किया प्रशंसकों का उत्साह

न्यूयॉर्क। दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसक जल्द ही अपनी पसंदीदा टीमों को खेल के सबसे बड़े मंच, फुटबॉल विश्व कप, में खेलते देखने के लिए लंबी यात्राएं करेंगे। वे बार, फैन जोन (प्रशंसकों के लिए विशेष स्थल) और सार्वजनिक स्थानों पर इकट्ठा होकर अपनी टीमों के समर्थन में गीत गाएंगे तथा संभावित विजेता को लेकर बहस करेंगे। इस बार हालांकि उत्साही प्रशंसकों के लिए हालात अलग हैं। उनके मुताबिक इस वर्ष का विश्व कप उनके अनुभव का सबसे कम अनुकूल टूर्नामेंट साबित हो रहा है। महंगे टिकट, अमेरिका के विभिन्न शहरों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश को लेकर चिंताओं ने कई प्रशंसकों को घर पर ही रहने के लिए मजबूर कर दिया है। लंदन के आईटी पेशेवर माइक विल्सन पिछले 20 वर्षों में चार विश्व कप देख चुके हैं। इस बार वे यूरोप में ही रहेंगे और टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट से उठाएंगे। अर्जेंटीना के डॉक्टर एमिलियानो बेसेरा आमतौर पर अपनी टीम का नॉकआउट चरण तक हर मैच देखने जाते हैं, लेकिन इस बार वे केवल शुरुआती दो मुकाबले देखने के बाद स्वदेश लौट जाएंगे। नीदरलैंड मूल के वित्त प्रबंधक पीटर बर्गाकर 2010 विश्व कप फाइनल में अपनी टीम का समर्थन करने के लिए दक्षिण अफ्रीका तक गए थे, लेकिन इस बार उनकी अमेरिका यात्रा की कोई योजना नहीं है। यह स्पष्ट नहीं है कि कितने प्रशंसक इस बार विश्व कप से दूरी बना रहे हैं, लेकिन इसके संकेत लगातार सामने आ रहे हैं। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर संपन्न वर्ग से आते हैं लेकिन पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर चार साल में एक बार होने वाले इस खेल के महाकुंभ में पहुंच जाते थे। चार वर्ष पहले ग्रुप चरण के निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। इस बार फीफा इन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है। रूस (2018) और कतर (2022) विश्व कप में मैच देखने वाले दर्शकों को मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी। इसके विपरीत अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित हो रहा है। पहले फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय (रीसेल) मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे, लेकिन इस बार संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार उंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 प्रतिशत शुल्क भी वसूल रही है। फीफा का तर्क है कि टिकटों की कीमतें अभूतपूर्व मांग को दर्शाती हैं।

स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में

बंगाल, त्रिपुरा, बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव बर्दाश्त नहीं करेंगे : अमित शाह

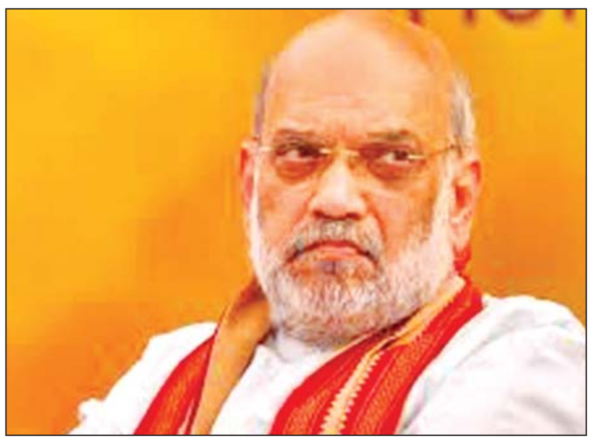

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं करेगी और वह देश की सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए कदम उठा रही है।

शाह ने त्रिपुरा में लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार की स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा... अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए केंद्र हरसंभव प्रयास कर रहा है। स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के रूप में देश के सात से आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। मैं केंद्रीय गृह सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक से सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करने और वार्ता करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने बताया कि नयी सीमा सुरक्षा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की संयुक्त भागीदारी शामिल होगी। उन्होंने कहा, हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, चाहे वह मानव तस्करी हो, हथियारों की तस्करी हो या मादक पदार्थों की तस्करी। लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें सीमा पार से आने वाले नकली नोटों, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगानी होगी। शाह ने मई में कहा था कि सरकार अगले वर्ष तक प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेगी, ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगभग 6,000 किलोमीटर लंबी सीमाओं को अभेद्य बनाया जा सके और देश की जनसांख्यिकी बदलने की किसी भी साजिश को विफल किया जा सके। गृह मंत्री ने कहा था, भारत सरकार ने फैसला किया है कि हम न केवल घुसपैठ रोकेंगे, बल्कि हर एक घुसपैठिए की पहचान कर उसे देश से बाहर भी भेजेंगे। उन्होंने यह भी कहा था, मैं बीएसएफ के जवानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सुरक्षा बल के गठन के 60वें वर्ष के भीतर हम स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेंगे और व्यापक तकनीकी सहायता के जरिए बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं को अभेद्य बना देंगे। शाह ने यह बात 22 मई को नयी दिल्ली में बीएसएफ द्वारा आयोजित वार्षिक रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए कही थी।

असम मंत्रिपरिषद का विस्तार, भाजपा के 11 और अगप के एक विधायक ने मंत्री पद की शपथ ली

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रनोज पेगु, अशोक सिंघल, बिस्वजीत दैमारी और असम गण परिषद (अगप) के केशव महंत सहित 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस विस्तार के साथ ही राज्य मंत्रिपरिषद में सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां ज्योति-विष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर में आयोजित एक समारोह में विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गेरिटा, असम विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और राजग के कई विधायक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पिछली मंत्रिपरिषद में शामिल अगप नेता महंत को इस बार भी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है। शपथ लेने वालों में भाजपा के विधायक बिमल बोरा, जयंत मल्ला बरुआ, कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल और पीजूष हजारिका शामिल हैं। ये सभी नेता शर्मा की पिछली सरकार में मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। राय ने हिंदी में शपथ ली, जबकि शेष अन्य ने असमी भाषा में शपथ ली। अब असम मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित कुल 17 सदस्य हैं। इससे पहले चार अन्य मंत्रियों ने 12 मई को शपथ ली थी, जिनमें अगप के अतुल बोरा, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोरो तथा भाजपा की तरफ से अंजता नियोग और रामेश्वर तेली शामिल थे। नयी मंत्रिपरिषद में भाजपा के 13, अगप के दो और बीपीएफ से एक मंत्री शामिल हैं। नियोग और नीलिमा देवी मंत्रिपरिषद में दो महिला मंत्री हैं, तथा महिला मंत्रियों की संख्या पिछली मंत्रिपरिषद के समान ही है। विस्तारित मंत्रिपरिषद कई जातीय समुदायों और भौगोलिक क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। बराक घाटी से दो प्रतिनिधि, कौशिक राय और कृष्णेंदु पॉल हैं, जबकि बीपीएफ के बोरो और भाजपा के दैमारी बोडो समुदाय से हैं। वहीं राय सरकार कोच जनजाति से और बोरगोहेन अहोम समुदाय से हैं।

संक्षेप

अमेरिकी संसद में यूक्रेन की सहायता संबंधी विधेयक पारित

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में यूक्रेन की सहायता के प्रावधान वाला और रूसी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगाने संबंधी एक विधेयक पारित किया गया है। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने आपत्ति जताते हुए चेतावनी दी थी कि यह विधेयक समान लेकिन अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त करने के लिए जारी वार्ताओं को कमजोर करेगा। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद ग्रेगरी मीक्स द्वारा प्रायोजित इस विधेयक का उद्देश्य यूक्रेन को सुरक्षा और पुनर्निर्माण सहायता के रूप में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि प्रदान करके अमेरिकी सहायता को मजबूत करना है। इसके अलावा, यह ऋण के माध्यम से यूक्रेन की रक्षा के लिए आठ अरब अमेरिकी डॉलर उपलब्ध कराएगा। विधेयक 195 के मुकाबले 226 मत से पारित हुआ। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध संबंधी दृष्टिकोण के प्रति असंतोष का संकेत है और ट्रंप की विदेश नीति में इस सप्ताह सदन का दूसरा बड़ा मतभेद दर्शाता है। इससे एक दिन पहले सदन ने पहली बार ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्वाई को रोकने के उद्देश्य से युद्ध शक्तियों से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

पीएम मोदी ने पौधरोपण को जन आंदोलन बना दियाः नड्डा

शिलांग। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यहां पौधारोपण अभियान में हिस्सा लिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल के बाद पौधे रोपना एक जन आंदोलन बन गया है।

नड्डा ने कहा कि मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को व्यक्तिगत जिम्मेदारी से जोड़ा है और देश भर के करोड़ों लोगों को एक बेहतर भविष्य में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मोदी ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम शुरू किया। इसके तहत, देश भर में लाखों भाजपा कार्यकर्ता विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधे लगा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकी संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के रूप में एक पौधे से शुरू हुई पहल आज करोड़ों लोगों की भागीदारी के साथ एक जन आंदोलन बन रही है।

चिसोटी में स्वचालित मौसम केंद्र स्थापित किया जायेगा

जम्मू। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले में बादल फटने से प्रभावित चिसोटी क्षेत्र में एक स्वचालित मौसम स्टेशन की स्थापना की घोषणा की जो इस क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान और आपदा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मचैल माता मंदिर का प्रवेश द्वार माने जाने वाले चिसोटी गांव में 14 अगस्त, 2025 को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। इस घटना में 65 लोगों की जान चली गई जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे। तीस से अधिक लोगों का अब तक कुछ अता-पता नहीं चला है। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पिछले साल चिसोटी में आयी आपदा पर चर्चा लगातार चलती रही और उसी के आलोक में उस स्थान पर एक स्वचालित मौसम केंद्र एवं एक भूकंप विज्ञान केंद्र स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परियोजना को जल्द ही अमलीजामा पहनाया जाएगा क्योंकि जिला प्रशासन केंद्र की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि पहले ही मंजूरी कर चुका है। मैंने कल ही किश्तवाड़ के उपायुक्त से बात की थी। उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने भूमि को पहले ही मंजूरी दे दी है, इसलिए हम आगे बढ़ सकते हैं। हमने प्रशासन से परियोजना के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है

नयी दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब कोई काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि इस दशक में लिए गए विकल्प प्रौद्योगिकी, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को आकार देंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक। लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछली तकनीकी क्रांतियों के विपरीत, एआई केवल मानवीय क्षमता को नहीं बढ़ाती हैअ यह तेजी से उन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेती है जिन्हें ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट रूप से मानवीय माना जाता था। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक। इसका प्रभाव उन कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचों पर निर्भर करता है जिनके अंतर्गत समाज इसका उपयोग करना चुनते हैं। इसलिये कानून का दायित्व न तो तकनीकी प्रगति का विरोध करना है और न ही उसके समक्ष बिना किसी प्रश्न के आत्मसमर्पण करना। उसका दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब एक क्रियात्मक वास्तविकता है जो शासन, वाणिज्य, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और तेजी से न्यायिक और संप्रभु शक्ति के प्रयोग को ही नया आकार दे रही है। सरकारें अब कल्याणकारी लाभों के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमाओं की निगरानी, वित्तीय प्रणालियों के विनियमन और पुलिसिंग कार्यों में सहायता के लिए एल्गोरिदम प्रणालियों का उपयोग करती हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन का भारत को एसयू-57 स्टील्थ जेट का प्रस्ताव

सेंट पीटर्सबर्ग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नयी दिल्ली को रूस का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ विमान सुखोई एसयू-57 देने की पेशकश की है और यह सुझाव भी दिया है कि दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप इस लड़ाकू विमान का संयुक्त उत्पादन भारत में भी किया जा सकता है।

दशकों से रूस भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता रहा है। हालांकि, यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति शृंखला में लगातार व्यवधान और वितरण में देरी ने नयी दिल्ली को अपनी सैन्य खरीद रणनीति में आक्रामक रूप से विविधता लाने के लिए मजबूर कर दिया है। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की वर्षों लंबी खोज के बाद, भारत ने अपनी महत्वाकांक्षी एडवांस्ड मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) परियोजना शुरू की है, जिसे व्यापक रूप से देश का सबसे बड़ा स्वदेशी एयरोस्पेस कार्यक्रम माना जाता है। पीटीआई सहित प्रमुख वैश्विक समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बृहस्पतिवार रात को हुई बातचीत में, पुतिन ने भारत-रूस रक्षा और सैन्य संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि मास्को अब भी एसयू-57 विमान कार्यक्रम में नयी दिल्ली को शामिल करने के लिए उत्सुक है। पुतिन ने पीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रधान संपादक विजय जोशी के एक सवाल पर कहा, जहां तक एसयू-57 की बात है, हमने भारत में अपने दोस्तों को इस पांचवीं पीढ़ी के विमान को संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव दिया था। मुझे लगता है कि यह अब तक का सबसे अच्छा विमान है। लेकिन हमारे भारतीय दोस्तों ने कहा कि देखते हैं। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक रूप से, यह हमारा (रूस-भारत का) उत्पाद हो सकता था। हमने इसे स्वतंत्र रूप से बनाया है। और हम भारत के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। मिलकर काम करने और विकास करने के लिए। किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं होगा। ऐसी खबरें हैं कि नयी दिल्ली ने रूसी प्रस्ताव के प्रति अपने दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं किए हैं, क्योंकि सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जेट के निर्माता सुखोई डिजाइन ब्यूरो के साथ संभावित सहयोग के लिए संपर्क में है। चूंकि एएमसीए परियोजना के तहत आने वाले विमानों के 2035 से पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल होने की संभावना नहीं है, इसलिए सरकार कम से कम दो स्क्वाड्रन (लगभग 36) एसयू-57 विमानों की खरीद पर विचार कर रही है, बशर्ते वे तकनीकी विशिष्टताओं को पूरा करते हों। भारत और रूस लगभग 15 वर्षों से पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) के संयुक्त विकास और उत्पादन के लिए बातचीत कर रहे थे।

इंटरटेनमेंट...

हंसी से ज्यादा सिर पकड़ने पर मजबूर करती है 'मां बहन'

मूवी रिव्यू : माधुरी दीक्षित-तृप्ति डिमरी भी नहीं बचा पाई यह बिखरी हुई डार्क कॉमेडी

मुंबई। डार्क कॉमेडी बनाना आसान नहीं होता। इसमें अपराध भी चाहिए, कॉमेडी भी चाहिए और किरदारों का पागलपन भी। नेटफ्लिक्स की नई फिल्म मां बहन इन तीनों चीजों को एक साथ परोसने की कोशिश तो करती है, लेकिन आखिर तक आते आते यह तय नहीं कर पाती कि इसे कॉमेडी बनना है, थ्रिलर बनना है या पारिवारिक ड्रामा। नतीजा एक ऐसी फिल्म के रूप में सामने आता है जिसमें शोर बहुत है, लेकिन असर बेहद कम। कहानी रेखा (माधुरी दीक्षित का किरदार) और उसकी दो बेटियों के इर्द गिर्द घूमती है। एक दिन उनके घर की रसोई में एक लाश मिल जाती है और यहीं से शुरू होता है झूठ, छिपाने और बचने का सिलसिला। पड़ोसियों की ताकझांक, परिवार के भीतर की खींचतान और लगातार बढ़ती मुसीबतों के बीच तीनों महिलाएं इस राज को छिपाने की कोशिश करती हैं। सुनने में यह सेटअप दिलचस्प लगता है, लेकिन समस्या यह है कि फिल्म पहले आधे घंटे में जितना वादा करती है, उसके बाद उतना निभा नहीं पाती। माधुरी दीक्षित पूरी फिल्म में सबसे ज्यादा ईमानदार नजर आती हैं। वह अपने अनुभव से कई कमजोर सीन को संभालने की कोशिश करती हैं, लेकिन कमजोर लेखन उनके हाथ बांध देता है। तृप्ति डिमरी के हिस्से कुछ अच्छे पल आते हैं, मगर उनका किरदार लगातार एक जैसा बना रहता है। रवि किशन अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं, लेकिन उन्हें भी ऐसा कोई दृश्य नहीं मिलता जो लंबे समय तक याद रह सके। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि कलाकार मेहनत करते दिखते हैं, लेकिन किरदार कागज पर अधूरे लिखे गए हैं। दर्शक उनसे जुड़ने से पहले ही कहानी अगले मोड़ पर भागने लगती है। सुरेश त्रिवेणी ने पहले तुम्हारी सुलु जैसी संवेदनशील फिल्म दी थी।

पीएम को सलाह देने के सवाल पर मनोज बाजपेयी, मैं इन सब चक्करों में नहीं पड़ता

मुंबई। फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' के प्रमोशन के दौरान अभिनेता मनोज बाजपेयी ने राजनीति और नेतृत्व से जुड़े सवाल पर संतुलित जवाब दिया। दिए इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें प्रधानमंत्री को एक सलाह देनी हो तो वह क्या देंगे, तो उन्होंने कहा कि वह खुद को ऐसी स्थिति में नहीं मानते कि प्रधानमंत्री को कोई सलाह दे सकें। मनोज बाजपेयी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री को क्या सलाह दूंगा? मैं उस स्थिति में नहीं हूं। मैं इन सब चक्करों में नहीं पड़ता हूं। इससे स्पष्ट था कि वह राजनीतिक बहसों और टिप्पणियों से दूरी बनाए रखना पसंद करते हैं। बातचीत के दौरान मनोज ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी जिम्मेदारी और विशेषज्ञता का क्षेत्र होता है।

कंगना रनोट के बयान पर भड़के अशोक पंडित

मुंबई। फिल्म 'डॉन 3' विवाद में रणवीर सिंह के समर्थन में दिए गए कंगना रनोट के बयान पर ऋहकउए के चीफ एडवाइजर अशोक पंडित ने रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा कि कंगना बकवास करती हैं, इसलिए मैंने उन्हें बैन किया था। बातचीत में पंडित ने कहा, 'इंडस्ट्री के बहुत से लोग हमें गालियां देने लगे हैं। कल कंगना ने भी कुछ कहा। लोग पूरे मामले को समझे बिना ही कमेंट कर रहे हैं। कंगना ने यह भी कहा कि मुझे इंडस्ट्री ने बैन कर दिया है। मैंने कहा, 'तुम बेकार की बातें करती हो, इसलिए मैंने तुम्हें बैन किया था। उन्होंने आगे कहा, ₹मुझे इसकी परवाह नहीं है। यहां पूरी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा मुद्दा चल रहा है।

'पेद्दी' में पहचान की लड़ाई को दमदार अंदाज में दिखाया

मुम्बई। राम चरण, जान्हवी कपूर, जगपति बाबू कई बार कुछ फिल्में कहानी से ज्यादा अपने जज्बातों के लिए याद रखी जाती हैं। पेड्डी भी ऐसी ही फिल्म है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की आवाज है जिनकी मौजूदगी तक सरकारी कागजों में दर्ज नहीं है। राम चरण और निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने एक बड़े व्यावसायिक कैनवास पर पहचान, सम्मान और हक की लड़ाई को पेश करने की कोशिश की है। फिल्म हर मोड़ पर परफेक्ट नहीं है, लेकिन जब यह दिल पर वार करती है तो असर छोड़ जाती है। कैसी है फिल्म की कहानी? विजयनगरम जिले की पहाड़ियों के नीचे बसा एक गांव ऐसा है जिसका कोई सरकारी अस्तित्व नहीं है। वहां रहने वाले लोगों के पास पहचान नहीं, वोट देने का अधिकार नहीं और बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। पेड्डी इसी गांव का रहने वाला युवक है। वह गुड़ की फैक्ट्री में काम करता है और स्थानीय क्रिकेट मैचों में पैसे लेकर खेलने जाता है।

गांव के बुजुर्ग अप्पलासूरी सालों से अपने गांव के लिए रेलवे स्टेशन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज कोई नहीं सुनता। एक दर्दनाक घटना के बाद पेड्डी इस लड़ाई को अपना मिशन बना लेता है। क्रिकेट से शुरू हुआ उसका सफर कुश्ती और फिर एथलेटिक्स तक पहुंचता है। सवाल सिर्फ एक रेलवे स्टेशन का नहीं रह जाता, बल्कि पूरे गांव को पहचान दिलाने का बन जाता है। पेड्डी इस लड़ाई को कैसे अंजाम देता है, यही फिल्म की मुख्य कहानी है। राम चरण ने अपने करियर की सबसे परिपक्व और समर्पित परफॉर्मेंस दी है। उनका शारीरिक बदलाव, अलग बोली पर पकड़ और भावनात्मक दृश्यों में दिखाई गई ईमानदारी प्रभावित करती है। खासकर दूसरे हिस्से में उनका अभिनय कई जगह आंखें नम कर देता है।

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी** (पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com